शौर्य न्यूज इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

सोच वही, ऊर्जा नई...

www.shauryanewsindia.co.in

मूल्य : 5/-
11 मार्च से 17 मार्च, 2024
वर्ष - 2, अंक - 47

पेज 5
आदिपुरुष की कमाई आज भी...

पेज 5
गौतम अडाणी करेंगे एक और ...

बनारस, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र, सिंगरौली, राजगढ़, भदोही, बलिया, मऊ, प्रयागराज, देवरिया, मथुरा, अयोध्या, आगरा, महोबा, बांदा, मुरादाबाद, बहराइच और गोरखपुर से प्रसारित

वाराणसी में पीएम मोदी का 'हर-हर महादेव' के नारे से स्वागत

मार्ग में होती रही मोदी पर गुलाब की पंखुड़ियों एवं अबीर-गुलाल की वर्षा, प्रधानमंत्री का 'रोड शो' देखने उमड़ा जनसैलाब, खूब बजे ढोल, नगाड़े, ताशा

वाराणसी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार की शाम अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। लालबहादुर शास्त्री एयरपोर्ट से लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर तक विभिन्न स्थानों पर 'हर-हर महादेव' और 'जयश्रीराम' आदि उद्घोष के साथ ही पुष्प वर्षा पर लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए लगातार तीसरी बार काशी से प्रत्याशी बनाए जाने के बाद उनके इस प्रथम आगमन पर पार्टी और मोदी समर्थकों समेत विभिन्न संस्था-संगठनों के लोगों में भारी उत्साह दिखा। कई स्थान पर नुक्कड़ नाटक, नृत्य, वैदिक मंत्रोच्चार आदि के साथ भी लोगों में अपने-अपने ढंग से पीएम का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी शाम सात बजे के बाद लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे। वहां भारी संख्या जुटे भाजपा कार्यकर्ताओं और आमलोगों ने ढोल, नगाड़ा, डमरू और शंखनाद के साथ ही गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर उनका स्वागत किया। लोग 'हर-हर महादेव' एवं 'जय श्रीराम' का उद्घोष भी कर रहे थे। एयरपोर्ट से काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए रवाना हुआ। संपूर्ण यात्रा मार्ग में जगह-जगह भारतीय जनता पार्टी की ओर से बनाये गए स्वागत प्वॉइंटों पर बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकतर्ता एवं जनता मौजूद थी। प्रधानमंत्री का काफिला जैसे ही किसी स्वागत प्वॉइंट के नजदीक पहुंचता लोग 'हर-हर महादेव' और 'जय श्रीराम' का उद्घोष करते हुए गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश कर देते। कई स्थान पर ढोल-नगाड़े बजाकर नृत्य करते हुए लोगों ने भी अपने सांसद का स्वागत किया। कार में सवार पीएम मोदी मार्ग में लगातार लोगों द्वारा किये जा रहे स्वागत को दोनों हाथ जोड़कर, हाथ हिलाकर अभिवादन करते चल रहे थे। उनका मुस्कुराता हुआ चेहरा देखकर लोग और भी उत्साहित रहे। काशीवासियों का प्यार, दुलार और अपनत्व के भाव से अभिभूत

मोदी स्वयं को रोक नहीं पाए और हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार करते आगे बढ़ते रहे। इससे पूर्व हवाईअड्डे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने पीएम की अगवानी की। भाजपा काशी क्षेत्र के मीडिया प्रभारी नवरतन राठी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पूर्वाह्न बरेका हेलीपैड से आजमगढ़ रवाना होंगे।

बसपा अकेले ही चुनाव लड़ेगी : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने ऐलान किया है कि बसपा अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी। साथ ही उन्होंने किसी तीसरे मोर्चे और किसी के साथ गठबंधन करने के अटकलों को भी खारिज कर दिया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। मायावती के ऐलान से पहले कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि बसपा इंडिया गठबंधन के साथ जा सकती हैं। वहीं कुछ लोग इस बात की भी चर्चा कर रहे थे कि यूपी में तीसरा मोर्चा भी तैयार हो सकता है। हालांकि मायावती के ऐलान के बाद ये सभी अटकलें खारिज हो गई हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा, खासकर यूपी में बीएसपी की काफी मजबूती के साथ अकेले चुनाव लड़ने के कारण विरोधी लोग काफी बैचेन लगते हैं ।

महिला सुरक्षा वाले बयान पर कांग्रेस का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला सुरक्षा पर राजस्थान सरकार की आलोचना करने को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया है। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि वह महिलाओं के खिलाफ हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी, भाजपा सरकार ऐसे मामलों में कभी भी जिम्मेदारी या जवाबदेही स्वीकार नहीं करती है। सोमवार को चित्तौड़गढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए, मोदी ने भ्रष्टाचार और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर हमला किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें दुख होता है, जब देश में कहीं भी बेटियों पर अत्याचार होता है, लेकिन कांग्रेस ने राजस्थान में इसे परंपरा बना दिया है।

चुनाव से पहले चुनाव आयुक्त ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले एक चौंकाने वाले कदम में, चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने इस्तीफा दे दिया है। उनका कार्यकाल 2027 तक था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। निर्वाचन आयोग में पहले से ही चुनाव आयुक्त का एक पद खाली था। चुनाव आयुक्त अनुप चंद्र पांडे इस साल फरवरी में सेवानिवृत्ति हुए थे। अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद अब केवल मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ही बचे हैं। बता दें कि भारतीय निर्वाचन आयोग में चीफ इलेक्शन कमिश्नर के अलावा दो इलेक्शन कमिश्नर होते हैं।

अब चुनावी व्यवस्था का पूरा जिम्मा मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के कंधों पर आ गया है। चुनावी तैयारियों के लिए कई राज्यों के दौरे पर अरुण गोयल मुख्य निर्वाचन आयुक्त के साथ-साथ रहे। अब उन्होंने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय की इस संबंध में शनिवार को जारी एक गजट अधिसूचना में कहा गया, 'राष्ट्रपति ने चुनाव आयुक्त अरुण गोयल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है, जो 09 मार्च, 2024 से प्रभावी माना जाएगा'।

मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 की धारा 11 के खंड (1) के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयुक्त, किसी भी समय राष्ट्रपति को लिखित रूप में इस्तीफा सौंपकर अपना पद छोड़ सकता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने से पहले अरुण गोयल केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय में सचिव थे। उनकी नियुक्ति विवादों में रही थी और इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

विवादों में रही नियुक्ति : अरुण गोयल 1985 बैच के आईएएस अधिकारी रहे हैं। उन्होंने 18 नवंबर, 2022 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी और इसके अगले ही दिन उन्हें चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए सरकार से पूछा था, 'आखिरकार किस बात की इतनी जल्दबाजी थी, जो वीआरएस लेने के अगले ही दिन अरुण गोयल को इलेक्शन कमिश्नर पद पर नियुक्ति दे दी गई। कानून मंत्री ने शॉर्टलिस्ट किए गए नामों की सूची में से चार नाम चुने।।। फाइल 18 नवंबर को विचार के लिए रखी गई और उसी दिन आगे बढ़ा दी गई। यहां तक कि प्रधानमंत्री ने भी उसी दिन नाम की सिफारिश कर दी। हम कोई टकराव नहीं चाहते, लेकिन यह सबकुछ बहुत जल्दबाजी में किया गया'। वह 15 महीने इस पद पर रहे। सुप्रीम कोर्ट में फाइल तलब होने के अलावा उनके प्रति कोई विवाद, सरकार या फिर मुख्य निर्वाचन आयुक्त के साथ किसी मतभेद की कोई सुगबुगाहट नहीं सुनी गई।

आ गया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

गर्भ में पल रहे बच्चे को दुनिया में आने की मिली इजाजत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक महिला की तरफ से दायर 26 हफ्ते के गर्भ गिराने की अनुमति को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने 26 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की मांग करने वाली एक महिला की याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दो बच्चों की मां एक विवाहित महिला को 26 सप्ताह से अधिक के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया क्योंकि भ्रूण स्वस्थ था और एम्स मेडिकल बोर्ड को बच्चे में कोई विसंगति नहीं मिली।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा

कि गर्भावस्था की अवधि 24 सप्ताह से अधिक हो गई है, जो मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी (एमटीपी) की अनुमति की सीमा में नहीं आता है इसलिए टर्मिनेशन की अनुमति नहीं दी जा सकती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि भ्रूण 26 सप्ताह और 5 दिन का है और मां को तत्काल कोई खतरा नहीं है। इसमें कहा गया है कि भ्रूण में कोई विसंगति भी नहीं थी। पीठ ने कहा, 'गर्भावस्था की लंबाई 24 सप्ताह से अधिक हो गई है और यह लगभग 26 सप्ताह और 5 दिन की है। गर्भावस्था की चिकित्सीय समाप्ति की अनुमति नहीं दी जा सकती है।'

वहीं, पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने महिला के स्वास्थ्य जांच का आदेश दिया था। आज कोर्ट में पेश की गई एम्स की नई रिपोर्ट में बताया गया है कि गर्भ में पल रहा बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है, बच्चा किसी भी प्रकार की कोई स्वास्थ्य समस्या से ग्रस्त नहीं है। महिला गर्भावस्था के बाद मानसिक परेशानी से जूझ रही है, लेकिन इसके लिए जो दवाई वो ले रही है, उसका बच्चे की सेहत पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ा है।

अब नए वोटरों पर समूचा फोकस

वाराणसी। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा पूरी तरह संजीदा है। यहीं वजह है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व एक-एक कदम फूंक-फूंक कर रख रहा है। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की लंबी-चौड़ी फौज को काम सौंपा जा रहा है तो वहीं विधायकों, सांसदों और मंत्रियों को भी चुनावी रणभूमि के लिए अभी से उतारा जा रहा है। वोटरों को अपने पक्ष में करने के लिए पार्टी अपने तरकश के हर तीर को चला रही है। यहीं वजह है कि पार्टी ने नये वोटरों का अपना समूचा फोकस कर दिया है। पार्टी ने तय किया है कि हर बूथ पर 100-100 नये वोटर हर हाल में बनाये जायेंगे। यहीं नये वोटर आगामी लोकसभा चुनाव में टर्निंग प्वाइंट साबित होंगे।

पार्टी सूत्रों की मानें तो शीर्ष नेतृत्व ने पहले से ही तय किया है कि हर बूथ पर 100-100 नये वोटर बनाने हैं। इसके लिए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को लगाया जा चुका है। अब विधायकों, सांसदों और मंत्रियों को भी नये वोटर बनाने के लिए टारगेट दिये गये हैं। ये सभी हर विधानसभा क्षेत्र में 20 से 25 हजार नये वोटर बनायेंगे। पार्टी सूत्रों की मानें तो माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में चुनाव आयोग 27 अक्टूबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित करेगा। इसके बाद 29 अक्टूबर से पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विधायक, सांसद और मंत्री अभियान चलाकर एक-एक मतदाता से संपर्क करेंगे। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने एक करोड़ से ज्यादा नये वोटर जोड़ने की तैयारी की है। इसके लिए घर-घर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान की शुरूआत 30 अक्टूबर से होगी। पार्टी सूत्रों की मानें तो 30 अक्टूबर से पांच नवंबर तक और 25 नवंबर से तीन दिसबंर तक घर-घर संपर्क करने का विशेष अभियान चलाया जाएगा। टारगेट यह है कि 'विपक्ष' के 'फर्जी' वोटर हटाए जाएं। मृत और मौजूदा जगह से कहीं और जा चुके, विवाह के बाद कहीं और जा चुके मतदाता भी सूची से हटा दिए जाएं। इसके साथ ही भाजपा अपने वोटर बनवाएगी। भाजपा का फोकस यूथ के साथ ज्यादा से ज्यादा महिला मतदाता बनवाने पर भी नजर है। वजह, पिछले लोकसभा चुनाव में युवा और नये वोटरों की बदौलत ही पार्टी का ज्यादा फायदा पहुंचा था।

पूर्व मंत्री अमरमणि के बेटे अमनमणि कांग्रेस में शामिल, पत्नी की हत्या करने का लगा था आरोप

लखनऊ। पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी के बेटे और नौतनवां के पूर्व विधायक अमनमणि त्रिपाठी ने शनिवार को दिल्ली में कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्हें पार्टी के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने सदस्यता दिलाई। अमनमणि त्रिपाठी 2012 में पहली बार सपा के टिकट पर नौतनवां विधानसभा चुनाव से मैदान में उतरे, लेकिन कांग्रेस के कुंवर कौशल किशोर सिंह से पराजित हुए। नौ जुलाई 2015 को सड़क दुर्घटना में उनकी पहली पत्नी सारा की मौत हुई। सारा की मां सीमा सिंह ने अमनमणि पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामले की सीबीआई जांच भी शुरू हुई। ऐसे में 2017 में सपा ने टिकट नहीं दिया तो वह निर्दल उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरे और कुंवर कौशल किशोर सिंह को पराजित करने में सफल रहे। 2022 के चुनाव में वह बसपा प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरे।

बाबा कीनाराम की लोककल्याणकारी परम्परा को आगे बढ़ा रही भाजपा

मुख्यमंत्री ने 743 करोड़ की योजनाओं का दिया उपहार

मो. तसलीम

चंदौली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जनपद दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव के शंखनाद के ठीक पहले जनपद चंदौली को 743 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। चंदौली के लोगों को मेडिकल कालेज चंदौली की बधाई दी। कहा कि इससे जनपद के साथ बिहार प्रांत के लोग भी लाभान्वित होंगे। साथ ही उन्होंने हाईकोर्ट से बातचीत कर चंदौली में मॉडल कोर्ट के निर्माण का भरोसा दिया। सीएम योगी रामपुर मचिया में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चंदौली प्रकृति व परमात्मा की पावन धरा है, जहां बाबा कीनाराम ने बिना भेदभाव के लोककल्याण किया। भाजपा सरकार ने चंदौली को मेडिकल कालेज समर्पित कर बाबा कीनाराम की लोक कल्याण की परम्परा को आगे बढ़ाया है। अब चंदौली के बाद खुद का पुलिस लाइन होगा और यहां की सुरक्षा व्यवस्था पहले से बेहतर होगी। कहा कि आकांक्षी जिला चंदौली को मोदी की गारंटी का आश्वासन देने और यहां के लोगों से संवाद स्थापित करने आया हूं। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 वर्ष के कार्यकाल में देश विश्व की सबसे मजबूत पांचवीं अर्थव्यवस्था बना। पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी मजबूत व्यवस्था बनकर उभरेगा। कहा कि 2014 से पहले के 10 वर्षों में घोटाले, अराजकता, नक्सलवाद, उग्रवाद का बोलबाला रहा। लेकिन पीएम मोदी के 10 वर्षों के कार्यकाल में नए भारत सृजन हुआ है। सुरक्षा, संस्कृति व उद्योग के मामले में देश की तरक्की हुई है। भाजपा सरकार ने विरासत को विकास से जोड़ने का काम किया। आह्वान किया कि आकांक्षी जिला चंदौली में एक बार फिर कमल का फूल खिलाएं, ताकि जनपद को नई पहचान दी जा सके। इसके बाद उन्होंने जनपद के विभिन्न हिस्सों से आए लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित करते हुए उन्हें स्वीकृति पत्र सौंपा।

दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

धानापुर। शहीद हीरा सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धानापुर में दो दिवसीय वार्षिक खेल समारोह का समापन हुआ। समारोह के दूसरे तथा अंतिम दिन दौड़ प्रतियोगिता, जैवलिन थ्रो, कबड्डी, रिले रेस और रस्साकशी सहित अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अजय सिंह ब्लाक प्रमुख धानापुर ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सुभाष राम ने कहा कि खिलाड़ियों के प्रतिभा को निखारने में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की अहम भूमिका होती है। कहा कि सही दिशा में समर्पण भावना के साथ निरंतर अभ्यास से कोई भी खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर के साथ साथ अंतराष्ट्रीय स्तर की टीम में स्थान प्राप्त कर सकता है। वार्षिक क्रीड़ा समारोह समागम कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. नौशाद अहमद ने किया।

जिला अस्पताल से पंडित कमलापति का नाम हटाने की हो रही साजिश

चंदौली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद आगमन की पूर्व संध्या पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी सीएम योगी और भाजपा पर हमलावर रहे। इस दौरान ट्रामा सेंटर का जिक्र करते हुए निशाना साधा। कहा कि भाजपा के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने 2019 में ट्रामा सेंटर का उद्घाटन किया था, जिसका 2022 के विधानसभा चुनाव में दोबारा शिलान्यास किया गया। वर्तमान में ट्रामा सेंटर का नाम मात्र का काम पूर्ण हो पाया है।

उन्होंने कहा कि जिले के अंदर डबल इंजन की सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई एवं जिले के युवाओं को रोजगार हेतु उद्योग कारखाने लगवाने जैसे कोई भी महत्वपूर्ण कार्यों का निर्माण नहीं किया। जिला न्यायालय निर्माण एवं महत्वपूर्ण विकास कार्यों को लेकर को विगत कई वर्षों से अधिवक्तागण धरना प्रदर्शन, अनशन एवं चन्दौली से दिल्ली तक पदयात्रा करके सोए हुए जनप्रतिनिधियों एवं डबल इंजन की सरकार को कुंभकर्णी नींद से जगाने काम किया, परन्तु लगातार आश्वासन के बाद भी कार्य शुरू नहीं हो पाया। जिले के विकास के नाम पर तत्कालीन सरकार व जनप्रतिनिधियों के द्वारा यहां की जनता के साथ छलावा किया है। कांग्रेस की सरकार में पंडित कमलापति द्वारा कराए गए विकास कार्यों की वर्तमान सरकार द्वारा मरम्मत तक नहीं किया जा सका। चुनावी सभा कार्यक्रम में चन्दौली पॉलिटेक्निक कॉलेज की जो बाउंड्री वॉल तोड़ी गई आज 7 से 8 वर्षो तक उस बाउंड्री को भी नहीं जोड़ा गया बाउंड्री से लेकर बिल्डिंग तक खंडण्हर बन चुका है। राजकीय डिग्री कॉलेज में नए विषयों की मान्यता तक नहीं मिल पाई। मेडिकल कॉलेज बनाने के नाम पर पंडित जी के द्वारा बनवाए गए जिला अस्पताल को भी तोड़फोड़ कर तहस-नहस कर प्राइवेट हाथों में सौंपने की साजिश किया जा रहा है। इतना ही नहीं जिला अस्पताल से पंडित जी का नाम हटाए जाने की साजिश हो रही है। कांग्रेस सरकार में पंडित कमलापति त्रिपाठी द्वारा बनाए गए पॉलिटेक्निक कॉलेज, डिग्री कॉलेज, सिंचाई विभाग, जिला हॉस्पिटल के बिल्डिंग में ह जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, सहित जिले के उच्च अधिकारियों का आवास है। इन अधिकारियों के रहने के लिए आवास तक नहीं बन पाया है। कोरोना काल में चन्दौली मझवार स्टेशन पर रुकने वाली आधा दर्जन ट्रेनों का ठहराव बंद कर दिया गया।

संक्षेप समाचार...

प्लांट डिपो कारखाना में मना अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

डीडीयू नगर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्लान्ट डिपो इंजीनियरिंग कारखाना के अंतर्गत ब्रिज ट्रेनिंग स्कूल में महिला रेल कर्मचारियों के लिए सम्मान समारोह एवं महिला सशक्तिकरण पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य कारखाना प्रबंधक एचसी यादव एवं विशिष्ट अतिथि उप मुख्य इंजीनियर टीएमसी अमित कुमार गुप्ता एवं शशांक पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्लांट डिपो इंजीनियरिंग कारखाना के अंतर्गत संरचनाशाला, यंत्रशाला, स्टोर, कैंटीन, पफ्लैश वट्ट बिल्डिंग प्लांट, टीएमसी एवं प्रशासनिक भवन में कार्यरत और 45 महिला रेल कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। एचसी यादव ने कहा कि अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के पीछे पश्चिमी देशों का उदेश्य महिलाओं को सम्मान दिलाना था। जबकि अपने देश मे महिलाओं का सम्मान आदि काल से होता आ रहा है। कहा गया है कि महिलाओं का सम्मान जहाँ होता है वहाँ ईश्वर वास करते हैं। इस अवसर पर मनोज कुमार, लक्ष्मी सिंह सुनिता देवी, माला देवी, रिता देवी, कान्ति देवी, संध्या कुमारी, शकुन्तला देवी, समलावती देवी, मिनतारा देवी, सीमा देवी, नुरजहां बानो, शकिला बानो, मधुलाता, पुनम संधु, लालमणि देवी आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता राजीव कुमार सिंह ने किया।

बाइक से गिरकर भाई-बहन घायल

बबुरी। शिवरात्रि का मेला देख कर लौट रहे बाइक सवार भाई बहन कुत्ते को बचाने के चक्कर में सड़क पर गिरकर घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनों को एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह मद्धूपुर गांव निवासी राम आशीष अपनी बहन कोमल के साथ क्षेत्र के पसही गांव में शिवरात्रि का मेला देखने आया हुआ था। दर्शन कर कर दोनों लौट रहे थे कि कोनिया बाग पशु मेले के पास एक कुत्ते को बचाने के चक्कर में उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई। दोनों सड़क पर गिर गए घटना में जहां राम आशीष का एक पैर टूट गया वही उसकी बहन कोमल आंशिक रूप से घायल हो गई। आसपास के लोगों ने दोनों को निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया।

तीन दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ समापन

चंदौली। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में पालीटेक्निक कालेज में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय ओपन कुश्ती प्रतियोगिता शुक्रवार का शुक्रवार को समापन हुआ। इस दौरान विभिन्न भार वर्गों में आयोजित प्रतियोगिताएं दोपहर तक अनवरत जारी रही। मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चंदौली सत्येंद्र कुमार सिंह को जिला कीड़ा अधिकारी कर्मवीर सिंह द्वारा बैज लगाकर, अंग वस्त्रम के साथ मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गय। इस अवसर पर सभी भार वर्गों में फाइनल के उपरांत मुख्य अतिथि के द्वारा खिलाड़ियों को मेडल एवं ट्रैकसूट प्रदान किया गया। उन्होंने कुश्ती प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों की प्रतिभा को सराहा। कहा कि पहलवानों ने अखाड़े में दांव-पेंच का शानदार प्रदर्शन किया है। निश्चित ही इस प्रतियोगिता से उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा, जिससे वे आगामी प्रतियोगिताओं में अपने जिले, प्रदेश और आगे चलकर देश का नाम रोशन करने का काम करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना संपूर्ण योगदान देने वालों में इमरान खान अंतरराष्ट्रीय पहलवान, नीरज यादव कुश्ती संघ अध्यक्ष, बच्चे लाल राष्ट्रीय पहलवान, अशोक कुमार सोनकर कुश्ती कोच चंदौली जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय, पी यादव, देव कुमार आनंद, दिलीप कुमार, आशीष कुमार गुप्ता एवं श्री विवेकानंद दुबे जिला व्यायाम शिक्षक आदि रहे।

पटना से लखनऊ तक चलेगी वंदे भारत एक्स

डीडीयू नगर। बिहार की राजधानी पटना से शहर लखनऊ तक वंदे भारत एक्सप्रेस चलेगी। शुक्रवार को वंदे भारत का पटना से लखनऊ तक ट्रायल रन किया गया। यह पूरी तरह सफल रहा। माना जा रहा है कि 12 मार्च से यह ट्रेन नियमित चलेगी। इस ट्रेन से चलने से पटना से डीडीयू की दूरी 2.35 घंटे जबकि डीडीयू स्टेशन से लखनऊ की दूरी छह घंटे में पूरी होगी। हावड़ा दिल्ली रूट पर अति व्यस्त डीडीयू से होकर वंदे भारत ट्रेन चलने का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा है। डाला छठ के समय पटना से नई दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन के रूप में वंदे भारत का संचालन किया गया था।

इसके बाद लगा था कि इसे नियमित किया जाएगा।जो अभी तक ऐसा नहीं किया गया है। वहीं अब पटना से लखनऊ के बीच वंदे भारत स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। शुक्रवार को पटना से लखनऊ के बीच इसका ट्रायल रन किया गया।

वेदव्यास व कालेश्वर मंदिर में दर्शन-पूजन को उमड़ी भीड़

सकलडीहा/पड़ाव। महाशिवरात्री पर बरठी स्थित स्वंय भू कॉलेश्वर महादेव मंदिर और सकलडीहा कस्बा के शिव मंदिर पर शिवभक्तों की भीड़ उमड़ा पड़ा था। हर हर महादेव का नारा लगाते हुए शिवभक्तों ने सुबह चार बजे भोर से जलाभिषेक शुरू किया। दर्शन पूजन के लिये शिवभक्तों की लम्बी कतार लगी रही। इस दौरान शिवबारात में विभिन्न प्रकार की झांकी सजायी गयी थी।

सकलडीहा कस्बा में शिव बारात को सपा विधायक प्रभुनारायण सिंह यादव ने झांकी का उद्घाटन किया। वही दूसरी ओर शिव मंदिर पर भाजपा नेता विधान सभा प्रभारी डा. पीयूष यादव ने शिवबारातियों के साथ हर हर महादेव का नारा लगाते हुए शिव बारातियों के साथ कदम से कदम मिलाया। इसके पूर्व स्वंय कॉलेश्वर महादेव मंदिर और कस्बा के शिव मंदिर पर सुबह से ही शिवभक्तों का जलाभिषेक के लिये लम्बी कतार लगी रही। महिला और पुरूषों के लिये अलग अलग बैरियर लगाया गया था। शिवभक्तों ने हर हर महादेव का नारा लगाते हुए भोलेनाथ का बेल पत्र धतूरा,दूध दही चंदन के साथ जलाभिषेक किया। इस मौके पर काफी संख्या में आस्थावानों की भीड़ उमड़ पड़ा था। सुरक्षा को लेकर एसडीएम अनुपम मिश्रा, एडीशनल एसपी विनय कुमार सिंह तहसीलदार राहुल सिंह, सीओ रघुराज, कोतवाल संजय सिंह पुलिस और पीएससी फोर्स के साथ डटे रहे। इस मौके पर कांग्रेस महासचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह मुन्ना,व्यापार मंडल अध्यक्ष दिलीप गुप्ता, कृष्णा सेठ, श्यामबहादूर भारती, रौशन अली, सिंटू यादव, सुरेन्द्र यादव,अशोक कुमार सहित सैकड़ों व्यापारी नेता मौजूद रहे। दूसरी ओर व्यासनगर स्थित वेदव्यास मंदिर में महाशिवरात्रि पर दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर प्रांगण में मेले का आयोजन किया गया था, जिसमें दर्शन-पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं ने

लजीज व्यंजकों का लुत्फ उठाया। साथ घर-गृहस्थी के सामान की खरीद की।

महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु : नौगढ़। महाशिवरात्रि पर्व पर शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन व जलाभिषेक कर जन जीवन मे सुख समृद्धि की कामना किया। चन्द्रकान्ता किला कोठी घाट शमशेरपुर गंगापुर व दीवानी चुआं में आयोजित मेले में खेल खिलौने चाट जलेबी पकौड़ी चाट व फलों की सजी दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही। मेले में सुरक्षा बल के जवानों का चक्रमण जारी रहा। परंपरागत शिव बरात का आयोजन कस्बा में करके शिव पार्वती की झांकी निकाली गई। भोलेनाथ की बजायी जा रही गीत संगीत से वातावरण भक्तिमय बन गया था। जिसमें डा.सत्यनारायण संदीप जायसवाल अभय कुमार, संजय मद्धेशिया, राजेश केशरी, लक्ष्मीनारायण केशरी आदि लोग शामिल रहे।

किसानों से जुड़े परियोजनाओं पर रहा सीएम का फोकस

चंदौली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उड़न खटौला 03:21 पर रामपुर मचिया सभास्थल पर पहुंचे। इस दौरान आकांक्षी जनपद चंदौली को कई योजनाओं व परियोजनाओं की सौगात दी। हालांकि लगभग बनकर तैयार हो चुके मेडिकल कालेज का लोकार्पण नहीं हो सका। लेकिन छोटी-बड़ी कई परियोजनाएं उन्होंने लोकार्पित की और कई का शिलान्यास कर चंदौली के बदलते पहचान का जिक्र किया। उन्होंने चंदौली के कृषि सेक्टर का जिक्र किया और किसानों की सुविधा व सहूलियत के लिए कृषि संसाधनों को सुदृढ़ किए जाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्यान विभाग की ओर से हाईटेक नर्सरी के निर्माण के लिए बनाए जाने वाले मिनी सेंटर आफ एक्सीलेंस फार वेजीटेबल सीडलिंग प्रोडक्शन परियोजना का शिलान्यास किया। इसके अतिरिक्त नेवाजगंज पूर्वी पम्प नहर आधुनिकीकरण परियोजना का शिलान्यास किया। साथ्ज्ञ ही नौबतपुर पम्प नहर के आधुनिकीकरण की नींव रखी। इसके अलावा वनभीषमपुर पम्प नहर आधुनिकीकरण की सौगात चंदौली के लोगों को दी। वहीं बैरा पश्चिमी पम्प नहर आधुनिकीकरण परियोजना, कोनिया पम्प नहर, भूसी दक्षिणी पम्प नहर, भूसी उत्तरी पम्प नहर आधुनिकीकरण परियोजना का शिलान्यास किया। सीएम ने मानिकपुर भुजना पम्प नहर निर्माण, गुरैनी पम्प नहर आधुनिकीकरण परियोजना, गुरैनी पम्प कैनाल के अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम में हो रहे कटान को रोकने की परियोजना का लोकार्पण किया। अरंगी पम्प नहर आधुनिकीकरण परियोजना, वीरासराय पम्प नहर परियोजना, ककरैत पम्प नहर परियोजना, ककरैत पम्प नहर आधुनिकीकरण परियोजना, नगवा पम्प नहर ब्रिक लाइनिंग परियोजना के साथ ही धानापुर ब्लाक अंतर्गत रायलताल ड्रेन में तीन रेगुलेटर व दो वीआरबी के पक्के कार्यों के पुनर्स्थापना की परियोजना का लोकार्पण किया। इसके अलावा उन्होंने रैथा में सिंचाई विभाग के डाकबंगले के पुनरोद्वार की परियोजना का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं के लोकर्पित होने से किसानों को सुविधाएं मिलेंगी और सिंचाई की समस्या में कमी होगी, जिससे उनकी आर्थिक तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

सीएम ने लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र सौंपा : चंदौली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद के लाभार्थियों को सरकार की चलाई जा रही योजनाओं से संबंधित स्वीकृति पत्र सौपा। इस दौरान आयुष्मान भारत योजना में रिंकू कुमारी अनीता शर्मा चिकित्सा के क्षेत्र में आयुष्मान में डा.अवधेश कुमार, राष्ट्रीय आजीविका मिशन में ज्योति, अनीता देवी, नगद ऋण में सविता, रेणुका मीना, मातृत्व शक्ति में कविता, रीना मौर्य,ज्योति, स्वामित्व योजना में श्याम प्यारी, गुणवती, उज्ज्वला योजना में कांक्षी शर्मा, लक्ष्मण कुमारी, सीएम आवास योजना में तेतारा देवी, पीएम आवास योजना में आशा देवी, पीएम किसान सम्मन निधि में गुप्तेश्वर उपाध्याय व केसरी सिंह वहीं स्वामी विवेकानंद योजना में निधि और सिमरन को स्मार्टफोन देकर सम्मानित किया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम

डीडीयू नगर। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लेढुआपुर ग्राम में शी मूवमेंट फाउंडेशन द्वारा अभियान शुरू किया गया। अभियान ह्यमैं बनूँगी आत्मनिर्भरह्ल के बारे में मौजूद महिलाओं को जानकारी दी गयी। इस दौरान अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अभियान के बारे में जानकारी देते हुए संस्था की सह संस्थापक एवं मुख्य अतिथि निशा शॉ ने बताया कि यह अभियान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का है। अभियान में महिलाओं को लघु एवं गृह उद्योग के अन्तर्गत आने वाले घरेलू उत्पादों के निर्माण और उनके विपणन की ट्रेनिंग दी जाएगी। महिला अपना उद्योग स्थापित कर अपने पैरों पर खड़ी हो सकेगी और वह किसी के ऊपर बोझ भी नहीं रहेगी। कहा कि जिन उत्पादों के निर्माण की ट्रेनिंग दी जाएगी उनमें हैंडवॉश, डिशवॉश जेल, फ्लोर क्लीनर, ग्लास क्लीनर, डिटर्जेंट पाउडर, क्लीनर, साबुन, मॉस्किटो किलर अगरबत्ती आदि हैं।

भाकियू टिकैत के पदाधिकारियों की बैठक में पहुंची पुलिस, हुई बातचीत

सकलडीहा। किसानों के समर्थन में संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के आह्वान पर भाकियू टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की ओर से आगामी 14 मार्च को दिल्ली में महापंचायत का आवाहन किया है। शनिवार को धरहरा में किसानों की मासिक बैठक के दौरान उन्हें घर पर ही रोक दिया। मासिक बैठक चंदौली सदर के बिछिया धरना स्थल पर होना था।

पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत मासिक समीक्षा बैठक बिछिया धरना स्थल पर होनी थी। मगर पुलिस प्रशासन ने मुख्यमंत्री के आगमन व लाइन आर्डर का हवाला देते हुए मंडल प्रवक्ता वाराणसी मंडल मणि देव चतुवेर्दी और जिलाध्यक्ष सतीश सिंह चौहान को उनके आवास पर किसानों के साथ रोक दिया। पुलिस का पहरा बिठा दिया। पुलिस प्रशासन के बीच मंडल प्रवक्ता के आवास पर पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और किसानों की मीटिंग हुई। दर्जनों किसान मीटिंग में शामिल हुए। मंडल प्रवक्ता मणि देव चतुवेर्दी ने बताया कि देश में अब लोकतंत्र रह ही नहीं गया है। सत्ताधारी पार्टी जब चाहे तब जनसभा कर सकती है। लेकिन अन्य संगठनों को देश मे शांतिपूर्वक कार्यालय पर मीटिंग करने की मनाही है। शांति व्यवस्था के नाम पर स्वतंत्रता सेनानियों के ऊपर माल्यार्पण करने से रोक दिया जाता है। देश में विचारधाराओं को गला घोंट घोंट कर मारने का काम किया जा रहा है। देश के किसान,मजदूरों को सरकार रौंदने का काम कर रही है। जिलाध्यक्ष सतीश सिंह चौहान ने कहा कि आज जिस तरह से हमे प्रशासन ने डिटेन किया है ये आम नागरिकों के साथ सौतेला ब्यवहार है। हम किसानों को सरकार कुचलने का प्रयास कर रही है। 14 मार्च को एक बड़ा जत्था किसानों का दिल्ली कूच करेगा। बैठक में मणिदेव चतुवेर्दी, छोटे लाल चौहान उर्फ मोछू, जिला उपाध्यक्ष खिचडू चौहान, श्रवण मौर्य, हाकिम सुलेमानी, जीउत मौर्या, प्रभाकर, रामलाल, महेंद्र राम, सतिंदर आदि रहे।

11.5 लाख रुपये के साथ मां बेटा को किया गिरफ्तार

डीडीयू नगर। राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने स्थानीय रेलवे पर 11.50 लाख रुपए नकद बरामद किया। बिहार निवासी मां बेटे रुपए जयपुर से बिहार ले जा रहे थे। जीआरपी ने रुपए और आरोपी को इनकम टैक्स के हवाले कर दिया। जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि रेलवे स्टेशन, सकुर्लेटिंग एरिया और ट्रेनो में अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी के लिए लगातार गस्त किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार की सुबह साढ़े आठ बजे जीआरपी और आरपीएफ निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत के नेतृत्व ने संयुक्त टीम जांच पड़ताल कर रही थी। इसी बीच प्लेटफार्म संख्या एक पर महिला और पुरुष संदिग्ध हाल में दिखे। उनके बैग की तलाशी ली गई, तभी उसमें नोटों की गड्डिया मिली। रुपए से संबंधित कागजात मांगने पर कोई कागजात नहीं दिखा सके। दोनों ने अपना नाम क्रमशः सुरेन्द्र कुमार निवासी जमुहार थाना मोहनपुर जिला गया बिहार और चमेली देवी निवासी जमुहार थाना मोहनपुर जिला गया बिहार बताया कि दोनों मां बेटे है। नोटों की गिनती करने पर 11.50 लाख रुपए मिले। नोटों के बारे बताया कि यह रुपये मैने अपने साले बृजेश कुमार से लिये है, जो जयपुर (राजस्थान) में सिलाई का ठेकेदार है। रुपये लेकर अपना मकान बनवाने के लिए अपने घर बिहार जा रहे है।जीआरपी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि जिस तरह से नोटों कि गड्डिया बंधी है और रुपयों से संबंधित कागजात नहीं मिले। इससे रुपए हवाला के लग रहे है। इसकी सूचना आयकर विभाग वाराणसी को दी गई। वाराणसी से आई टीम को रुपए और आरोपी मां बेटे हवाले कर दिया गया है।

मुस्लिम समुदाय ने केंद्रीय मंत्री का किया स्वागत

चंदौली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर दो दिवसीय चंदौली यात्रा के दौरान ब्लाक प्रमुख संजय सिंह के नेतृत्व में लौदा गांव के मुस्लिम समुदाय के लोगो ने उनका माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत केंद्रीय मंत्री ने खुद अपने वाहन कर खड़े पर खड़े हो कर मुस्लिम कार्यकताओं के साथ सेल्फी शेयर कर उनको फिर से भाजपा सरकार बनाने का आव्हान किया।

गरीबों को बिना भेदभाव दे रहे योजनाओं का लाभ

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जौनपुर को 899 करोड़ की 256 विकास परियोजनाओं की दी सौगात

जौनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था की वजह से जनपद में निवेश आ रहा है, फोर लेन बन रहे हैं, गोमती नदी पर पुल बन रहे है, चौराहों का सुंदरीकरण हो रहा है, गरीबों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है, ओ.डी.ओपी के तहत जनपद के उत्पाद को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने का कार्य किया जा रहा है। वह शनिवार को नगर के बीआरपी कालेज के मैदान में जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने जनपद को करीब 899 करोड़ की 256 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण/शिलान्यास की सौगात दी।

इससे पूर्व जनसभा स्थल पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ द्वारा भगवान श्रीराम दरबार का प्रतीकात्मक चिह्न दिया गया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री के द्वारा बटन दबाकर विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इसके पश्चात उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया। जिनमें आयुष्मान गोल्डेन के लाभार्थी उर्मिला को गोल्डेन कार्ड और मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की लाभार्थी हर्षिता मिश्रा और आर्यन को लैपटाप, कन्या विवाह सहायता योजना के तहत रामपाल को रुपए 55 हजार का स्वीकृति प्रमाण पत्र, मेधावी छात्र योजना के तहत रितु मिश्रा और साक्षी मिश्रा को मोबाइल फोन और फार्म मशीनरी योजना के तहत अवधेश पाण्डेय को ट्रैक्टर चाबी, पीएम कुसुम योजना के तहत सोलर पम्प सिंचाई चयन पत्र सुरेन्द्र कुमार प्रजापति को और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 10 लाख का डेमो चेक प्रदीप सिंह को प्रदान किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में सभी की आस्था का सम्मान किया जा रहा है। गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक गरीब परिवार को बिना भेदभाव के दिया जा रहा है। आज का नया भारत दुनिया में सम्मान बढ़ा रहा है और देश को सुरक्षा भी दे रहा है। उन्होने कहा कि शुद्व पेयजल और हर गरीब को आयुष्मान कार्ड के द्वारा मुफ्त इलाज किया जा रहा है। अनाथ बच्चों को बाल सेवा योजना के तहत जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उनके आश्रय, शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है और श्रमिकों के बच्चों के लिए विद्यालय स्थापित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद की धरती परिश्रमी लोगों की धरती है जिन्होने इस जनपद को नयी पहचान दिलायी इत्र से भी और इमरती से भी। जनपद के लोगों को आदि गंगा गोमती का आशीर्वाद मिला है, यहां के लोगों को जहां भी मौका मिला है, उन्होंने अपने आप को साबित किया है।

श्रीनाथ बाबा मठ से निकली शिव बारात

रसड़ा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाया गया। शुक्रवार की सुबह से ही मंदिरों में महिलाओं की भीड़ लगने लगी। महिलाओं के साथ पुरुषों-नौजवानों ने भी शिव मंदिरों में बेलपत्र, फूल, भांग, धतूरा आदि चढ़ाया। श्रीनाथ बाबा मंदिर एवं शिव मंदिरों में भीड़ लगी रही। लखनेश्वर जी शिव मंदिर पर बेलपत्र, धतूरा, भांग आदि चढ़ाने के लिए लंबी कतार लगी रही। परंपरागत ढंग से धूमधाम से शिव बारात निकला। भगवान शिव बैलों पर बैठकर रवाना हुए। दुर्गा समिति सेवादल ठाकुरबारी द्वारा बारातियों के लिए खीर और भांग की व्यवस्था किया गया था। भृगु जी अग्रवाल के प्रतिष्ठान के सामने पूड़ी-सब्जी की व्यवस्था किया गया था। शिव बारात प्राइवेट बस स्टैंड, मुंसफी तिराहा, कोतवाली होते हुए स्टेशन रोड स्थित प्यारेलाल चौराहा पर पहुंच। इसके बाद अमली बाबा मंदिर पर पहुंचकर शिव-पार्वती विवाह हुआ।

कण-कण में शिवशंकर, बोलो हर-हर महादेव की लगे नारे

बलिया। बोल बम-बम बोल... जय शिव-जय शिव... ऊं नमः शिवाय... हर-हर महादेव... के इत्यादि उच्चारण संग महाशिवरात्रि पर शुक्रवार को भगवान भोले के भक्तों ने शिवालयों में जलाभिषेक किया। बाबा के दीवानें शिवालयों की ओर बढ़ते रहे। भक्तों की उमड़ी भीड़ को देखने से ऐसा लगा रहा था मानों शिवालयों पर 'जनसमुन्द्र' उमड़ पड़ा हो। औघड़दानी की बारात के स्वागत को नगर के विभिन्न मार्गो पर नाश्ता-पानी का भरपूर इंतजाम किया गया था।

महाशिवरात्रि के पर्व पर नगर के शिवालयों में शुक्रवार को तीन बजे भोर से ही जलाभिषेक शुरू हो गया। शिवालयों का फाटक खुलते ही शिवभक्तों के जयकारे से पूरा मंदिर गूंज उठा। बालेश्वर नाथ मंदिर में दर्शन के लिए एलआईसी रोड से लेकर मंदिर तक महिलाओं-पुरूषों की लंबी लाइन लगी रही। पुरूषों की संख्या महिलाओं से कम रही। सुबह पांच बजे बाबा की आरती हुई। आरती दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी। आरती के समय जलाभिषेक का कार्य कुछ देर तक रोक दिया गया। इसके अलावा मिड्ढ़ी स्थित शिव मंदिर, अमृतपाली स्थित शिव मंदिर, टैगोरनगर स्थित शिव मंदिर आदि में जलाभिषेक होता रहा। इधर, आनंदनगर स्थित कंकणेश्वर नाथ शिव मंदिर में पूजन-अर्चन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

शिव बारात देखने को उमड़ी भीड़ : बलिया। महाशिवरात्रि पर फेफना स्थित फफनेश्वर नाथ शिव मंदिर में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। अपराह्न में शिव मंदिर से धूमधाम से शिव बारात निकाली गई। इसमें गाजे-बाजा एवं डीजे की धुन पर श्रद्धालु थिरकते रहे। तरह-तरह की झांकियां भी सजायी गई थी। शिव शंकर और उनके गणों को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। शिव बारात में कोई कंकाल की तरह वेष-भूसा बनाये हुए था तो कोई विभिन्न देवी-देवता का रूप धारण किये हुए था। इसी तरह से कई भूत का रूप धारण कर नाचते रहे। शिव बारात की झांकी बरबस ही लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रहा था। फफनेश्वर नाथ शिव मंदिर से निकली शिव बारात कस्बा सहित पूरे बाजार का भ्रमण कर देर शाम पुनः मंदिर पर पहुंची। यहां पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। मंदिर पर नेवता देने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक के बाद उठाया मेले का लुत्फ : रतसर। क्षेत्र के धनौती गांव स्थित अति प्राचीन धनेश्वरनाथ धाम शिव मंदिर प्रांगण में महाशिवरात्रि पर शुक्रवार को आयोजित एक दिवसीय मेले में लोगों की जबरदस्त भीड़ रही। मंदिर प्रांगण में भोर से ही श्रद्धालुओं का जलाभिषेक, दर्शन-पूजन करने के लिए तांता लग गया। पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो गया। जलाभिषेक के लिए दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के बाद मेला का लुत्फ उठाया। लकड़ी के बने सामान हमेशा की तरह इस वर्ष भी मेलार्थियों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहे। इससे दुकानदारों के चेहरे खिले दिखे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर चौकी प्रभारी परमानंद त्रिपाठी, हेका राकेश कुमार, कां. रितेश पाण्डेय चक्रमण करते नजर आए। मेला प्रबन्धन की तरफ से मेलार्थियों की सुविधा के लिए जगह-जगह पंडाल एवं निःशुल्क पेयजल की व्यवस्था की गयी थी।

जलाभिषेक के लिए शिवालयों के बाहर लगी रही भीड़ :बांसडीह। महाशिवरात्रि पर्व पर शुक्रवार को क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में भगवान शिव को जलाभिषेक के लिए भक्तों की भारी भीड़ रही। क्षेत्र के बांसडीह कचहरी स्थित बाबा गरीबा नाथ महादेव मंदिर, बड़ी बाजार स्थित बाबा भूटेश्वर नाथ महादेव मंदिर, बांसडीह पश्चिम टोला के शिवरात्रि पोखरे पर स्थित बाबा रघुबेश्वर नाथ महादेव मंदिर, घोघा, सैदपुरा में बाबा सैदनाथ महादेव मंदिर, असेगा में बाबा शोकहरण नाथ मंदिर, बड़सरी में बाबा अवनिनाथ महादेव मंदिर, बांसडीह रोड स्थित बाबा बालखण्डी नाथ महादेव मंदिर सहित क्षेत्र के सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ जलाभिषेक करने के लिए लगी रही।

महिलाएं हर क्षेत्र में बढ़ रही हैं आगे मिल रहा है सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन, लोगों का हुआ जुटान

मऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला कल्याण विभाग द्वारा जीवन राम इंटर कॉलेज छात्रावास के मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र द्वारा सरस्वती पूजन कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, बी सी सखी, शिक्षिकाओ, ग्राम पंचायत स्तर पर नवनियुक्त महिला चैकीदारों आदि को जिलाधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्राओं एवम् लोक कलाकारों द्वारा महिला सशक्तिकरण के थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने स्कूली छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों की सराहना करते हुए बेहतर कार्यक्रम प्रस्तुति हेतु संबंधित शिक्षिकाओं को भी बधाई दी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के साथ ही शिवरात्रि पर्व की भी सबको शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत हर क्षेत्र में विश्व को चुनौती पेश कर रहा है, विशेष कर महिला सशक्तिकरण में भारत विकसित देशों के समान ही महिलाओं को बराबरी का हक एवं सम्मान दे रहा है। महिला चैकीदारों की नियुक्ति का जिक्र करते हुए कहा कि नियुक्ति स्थल पर शांति व्यवस्था के जिम्मेदारी के साथ ही साथ महिला चैकीदारों के माध्यम से घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, महिला अत्याचार के खिलाफ रिपोर्टिंग के साथ ही साथ महिला संबंधी सभी योजनाओं से महिलाओं को लाभान्वित करने का प्रयास किया जाएगा।इसके अलावा प्रताड़ित महिलाओं के संबंध में जिला प्रशासन को समय-समय पर सूचना भी मिलती रहेगी जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी को महिला चैकीदारों को प्रशिक्षित भी करने को कहा जिससे वे प्रशिक्षित होकर सूचनाओं का आदान-प्रदान ठीक ढंग से कर सके। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी के अलावा बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा बहुएं, महिला चैकीदारो सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

कहीं बीमार न कर दें चाट के चटकारे

गाजीपुर। सावधान, स्वाद के मजे संग चाट के चटकारे कहीं आपको बीमार न कर दें। गर्मी के मौसम में गंदे और भिनभिनातीं मक्खियों के बीच खड़े हथठेलों पर खुले में बिक रही खाद्य सामग्री किसी भी अच्छे भले इंसान को नुकसान पहुंचा सकती है। मानक विहीन खाद्य सामग्रियों के खिलाफ खाद्य विभाग कोई कार्रवाई नही करता है। प्रमुख चौराहों व सड़कों के किनारे दर्जनों हथठेलों पर खाद्य सामग्रियों की बिक्री आम बात है। खुले में रखी खाद्य सामग्रियों पर दिन भर धूल-मिट्टी और अन्य प्रकार की गंदगी चिपकती रहती है। इतना ही नहीं अधिकांश जगहों पर तो मक्खियां भी भिनभिनाती रहती हैं। नगर में कई स्थान तो ऐसे हैं जहां शौचालय, मूत्रालय और नालियों के किनारे हथठेल लगाकर चाट-पकौड़ियों व कचौड़ियों की बिक्री होती है। कई बार तो रात के बासी नाश्ते को सुबह तेल में दोबारा तलकर बस यात्रियों को बेच दिया जाता है।

ट्रेन ठहराव के लिए अनिश्चिकालीन धरना-प्रदर्शन जारी, लोगों में गुस्सा

सेवराई। कोरोना काल से पूर्व भदौरा रेलवे स्टेशन पर पर रुकने वाली ट्रेनों के पुनः ठहराव की मांग को लेकर रेल यात्री कल्याण समिति भदौरा का अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। पूर्व मध्य रेलवे दानापुर पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेल खंड के भदौरा रेलवे स्टेशन पर कोरोना काल से पूर्व रुकने वाली ट्रेनों के पुनः ठहराव को लेकर रेल यात्री कल्याण समिति भदौरा का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। अनशन कारियों की मांग है कि कोरोना से से पूर्व भदौरा स्टेशन पर रुकने वाली 13005 अप13006 डाउन पंजाब मेल, 13237 अप13238 डाउन, 13239अप, 13240 डाउन पटना कोटा एक्सप्रेस, 13413अप, 13414 डाउन, 13483अप व 13484 डाउन मालदा टाउन भिवानी फरक्का एक्सप्रेस, 13257 अप व 13258 डाउन जनसाधारण एक्सप्रेस का भदौरा रेलवे स्टेशन पर पुनः ठहराव किया जाये। वक्ताओं ने कहा कि उक्त ट्रेनों की मांग को लेकर पिछले कई बार रेल मंत्रालय सहित विभागीय अधिकारियों को बार-बार पत्रक देने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं होने से जनता में आक्रोश है। इस मौके पर संगठन के महामंत्री संजीव सिंह, सचिव पंकज रौनियार, इम्तियाज अंसारी, प्रधान सुभाष यादव, अनील सिंह, राकेश सिंह, संदीप सिंह, बिहारी शर्मा, संजीव सिंह, मुन्ना सिंह, टुन्नू खां, दीपू सिंह, किस्मत सिंह, आशा पुजारी, अनिल चंद्रवंशी, सुधीर गहमरी , किस्मत सिंह,डब्लू सिंह,सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

बीजपुर के शिवालयों में श्रद्धालुओं ने टेका मत्था मेले का उठाया लुत्फ

बीजपुर। क्षेत्र के शिव मंदिरों में शुक्रवार की सुबह से आस्था का जन सैलाब उमड़ा रहा। जरहां के अजीरेश्वर महादेव मंदिर पर सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ दर्शन पूजन के लिए लगी रही। अजीरेश्वर महादेव का दर्शन करने के लिए समीपी बॉर्डर स्थित छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश एवं स्थानीय दर्शनार्थियों की भीड़ लगी रही। सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से डटा रहा। मंदिर के पुजारी सिद्धनाथ गिरी बताते हैं कि अजीरेश्वर महादेव मंदिर में जो भक्त श्रद्धा भक्ति से मत्था टेककर अपने मन की मुराद मांगता है निश्चित ही भोलेनाथ भक्तों के मन की मुराद पूरी करते हैं। दर्शनार्थियों के सुविधा के लिए मंदिर समिति के आयोजकों द्वारा खोया पाया केंद्र स्थापित कर ध्वनि विस्तारक यंत्र द्वारा सूचना प्रसारण की जाती रही। दर्शन पूजन के पश्चात दर्शनार्थियों ने भंडारे में महाप्रसाद ग्रहण किया।

वाह! लोक नृत्यों की प्रस्तुति ने बांधा समां

लोक कलाओं के संवर्धन के लिए आयोजित हुई कार्यशाला, संरक्षण पर हुई विशेष चर्चा

सगड़ी (आजमगढ़)। ठाकुर सत्यनारायण सिंह एजुकेशनल सोसाइटी के तत्वावधान में शुक्रवार को संसति मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से छः दिवसीय कार्यशाला के चौथे दिन लोक नृत्यों का जीवंत प्रदर्शन किया गया। यह आयोजन सगड़ी तहसील के खतीबपुर गांव स्थित शिव मंदिर पर किया गया।

एक समय ऐसा था जब लोक नृत्य लोक के जीवन का आवश्यक अंग होता था, दिन भर के श्रम से थक हार मनुष्य अपने आनंद व नई ताजगी स्फूर्ति के लिए लोकगीतों व लोक नृत्य का सहारा लेता था। धीरे-धीरे यह हमारी संसति का हिस्सा बन गए। आज एक समय ऐसा है जब लोक कलाएं विलुप्त होती जा रही हैं। लोक कलाओं व लोक नृत्य को पुनः जीवंत करने के लिए संसति मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से ठाकुर सत्यनारायण सिंह एजुकेशनल सोसाइटी जमीन हरखोरी द्वारा छः दिवसीय कार्यशाला 5 मार्च से 11 मार्च तक आयोजित है। चौथे दिन लोक नृत्य का अद्भुत प्रदर्शन किया गया जिसमें गोबिया, कहरवा, पावरिया कटघोड़वा व जांघिया नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। होली के गीत व चौताल से समां बांा दिया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए कलाकार बृजभूषण रजक ने कहा कि पश्चात सभ्यता ने हमारी लोक संसति पर गहरा प्रहार किया है जिसे लोक कलाओं द्वारा ही पीछे छोड़ा जा सकता है।

रामायण राजभर ने कहा कि लोक कलाएं हमारे जीवन का हिस्सा होती थी लेकिन आज के आधुनिक दौर में हम सब इससे दूर हो गए हैं। उनके संरक्षण व संवर्धन के लिए हम सबको सम्मिलित प्रयास करना चाहिए। समाज सेवी ज्ञानेंद्र मिश्र ने कहा कि लोक नृत्य लोकगीत हमारे समाज का अभिन्न अंग होता था इससे समाज का ताना-बाना जुड़ा होता था। लेकिन आज आधुनिकता के चकाचौंध में हम अपनी कला और संसति से दूर होते जा रहे हैं। लोक कलाओं के संरक्षण व संर्वान के साथ-साथ लोक कलाकारों के लिए भी कार्य करने की जरूरत है। ऐसा न हो कि यह विाा लुप्त हो जाय। इस अवसर पर रमेश यादव, चंद्रिका राजभर,अविनाश यादव, प्रदीप तिवारी, सुनील सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन

जौनपुर। एडूलीडर्स यूपी तथा बेसिक शिक्षा के बैनर तले शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मिशन शक्ति कार्यशाला एवं एडु लीडर्स यूपी सम्मान समारोह का आयोजन टीडीपीजी कॉलेज के ऐतिहासिक बलरामपुर सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरखनाथ पटेल, अति विशिष्ट अतिथि प्राचार्य तिलकधारी महाविद्यालय डॉक्टर आलोक सिंह द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा का अनावरण कर किया गया। सरस्वती वन्दना तथा स्वागत गीत ऋचा सिंह तथा स्वागत भाषण एडूलीडर्स की जनपद संयोयिका डॉक्टर उषा सिंह द्वारा किया गया। प्राथमिक विद्यालय चकताली तथा कंपोजिट विद्यालय सेहमलपुर की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा कहा गया की जहां नारियों की पूजा होती है वहा देवता निवास करते है।

प्राचार्य डॉक्टर आलोक सिंह द्वारा कहा गया की आज की नारी अबला नहीं बल्कि सशक्त है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि द्वारा लगभग 100 अलग अलग क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया जिसमे श्वेता सिंह, सरोज सिंह, एडवोकेट आश्रुति सिंह, रागिनी सिंह, विमला सिंह, मीना गौड़, सुनीता यादव, रेशमा यादव सहित बेसिक शिक्षा के क्षेत्र से लगभग 80 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मत्था टेका

हलिया। स्थानीय विकास खंड के अदवा नदी के मध्य कोटार शिव धाम में शुक्रवार को महाशिवरात्रि पर्व पर मेले में दो लाख से ज्यादा भक्तों ने भोलेनाथ तथा माता पार्वती के दर्शन पूजन कर मन्नतें पूरी की। भोर से ही भक्त अदवा नदी में स्नान कर कतारबद्ध हो कर मंगल आरती के बाद लोगों का दर्शन पूजन प्रारंभ किया गया। भक्तों ने हाथ में जल, नारियल, चुनरी, फूल, माला, बेलपत्र, भांग, धतूरा, गंगाजल, दूध आदि लेकर कतारबद्ध होकर अपने समय का घंटों इंतजार करने के बाद भक्तों ने भोले नाथ का जलाभिषेक किया। पुलिस को भीड़ कंट्रोल करने में पसीना पसीना होना पड़ा। पुरुष तथा महिलाओं की अलग-अलग कतारें लगाई गई थी लेकिन भीड़ इतना तेज हो गई की पुरूष महिलाओं की अलग अलग लाइन लगा कर दर्शन पूजन किया। वही मंदिर से अदवा नदी के किनारे तक 500 मीटर दूर से ही भक्तों को कतार में खड़ा होना पड़ा। कड़ी मशक्कत के बाद भक्तों ने दर्शन पूजन किया। सुरक्षा व्यवस्था के तौर पर नदी के दक्षिणी छोर तथा उत्तरी छोर पर बड़े वाहनों के प्रवेश को रोकने के लिए बैरियर लगा दिए गए थे परंतु उसके पूर्व सड़क पर आने जाने वालों को घंटो जाम का झाम भी झेलना पड़ा। दर्शन पूजन के बाद भक्तों ने लाई, मिठाई, बास के बर्तन गृह उपयोगी सामान खरीदा और बच्चों ने झूले का आनन्द ले कर घर वापसी किया। सुरक्षा व्यवस्था के तौर पर एसडीएम लालगंज गुलाब चंद्र ने मेला क्षेत्र का जाएजा लिया। मातहतों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। थाना प्रभारी विष्णु प्रभा सिंह के साथ मेला प्रभारी बाली मौर्य मेले में चक्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। एडीओ पंचायत रूपेश श्रीवास्तव ने बताया कि सफाई कर्मचारियों को मेले की सफाई मे तैनात किया गया है। लेकिन समुचित ढंग से सफाई न होने के कारण गंदगी का अंम्बार लगा रहा। मंदिर पुजारी ने बताया कि बीस वालेंटियर्स भक्तों को दर्शन पूजन के लिये लगाए गए हैं परन्तु भीड़ के कारण मंदिर परिसर में साफ सफाई न होने से फिसलन बनी रही। इसी तरह से क्षेत्र के खरिहट, सिलहटा, सोनगढ़ा गाँव के शिव मंदिरों में धाम मे हजारों भक्तो ने दर्शन पूजन किया है।

बूढ़ेनाथ बाबा की पालकी यात्रा धूमधाम से निकाली गई : मीरजापुर। महाशिवरात्रि के अवसर पर बूढ़ेनाथ बाबा की पालकी यात्रा मन्दिर के महन्त स्वामी योगानंद गिरी जी के नेतृत्व में धूमधाम से निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ने पालकी उठाकर किया। यात्रा अपने प्रस्तावित मार्ग मन्दिर प्रांगण से सत्तीरोड, त्रिमोहानी, संकटाघाट होते हुए पक्काघाट पर जलाभिषेक के पश्चात त्रिमोहानी, पसरहट्टा, धुंधी कटरा, गुरहट्टी चौराहा, मुकेरी बाजार, लालडिग्गी होते हुए नवीन सिनेमा के सामने अति प्राचीन शिव मन्दिर पालकी यात्रा विश्राम स्थल पर महाआरती के बाद इमामबाड़ा, बल्ली का अड्डा, केबी कालेज मुसफ्फरगंज, काली जी मन्दिर से तिलक मार्ग, टेढ़ीनीम होते हुए पुनः मन्दिर प्रांगण में यात्रा का समापन हुआ। कार्यक्रम प्रभारी गौरव ऊमर ने स्वागत एवं पुष्प वर्षा के लिए सभी शिवभक्तों का आभार व्यक्त किया।

महिलाओं को सशक्त बनाएं लोग

जौनपुर। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के सौदागर हाल में राष्ट्रीय सेवा योजना के छठे दिन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने की। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक राजबहादुर यादव एवं विशिष्ट अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव रहीं। शुरूआत पूर्व स्वयंसेविका रिया ने अपनी मधुर आवाज से (स्वर कोकिला) लता मंगेशकर का गीत गाकर किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा राष्ट्रीय सेवा योजना देश एवंम समाज को को विकसित भारत बनाने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। महिलाएं सशक्त बनाना हम सब का संकल्प है। डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहाकि महिलाएं सशक्त होने के साथ-साथ शिक्षित भी होनी चाहिए क्योंकि महिलाओं से ही परिवार एवं समाज का उत्थान होता है एवं हम सब को मन की शक्ति का विकास स्वयं करना होगा। प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने कहा महिलाओं को सशक्त एवं निडर बनाना जरूरी है। देश के उत्थान के लिए निरन्तर महिलाओं ने अपनी अहम भूमिकाएं दी है आज समाज में महिलाओं को बराबरी का हिस्सा मिलता है। अतिथियों का धन्यवाद डॉ. ममता सिंह ने दिया। छात्र संसद में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं ने महिला सशक्तिकरण पर अपने-अपने विचार पक्ष-विपक्ष के रूप में रखे।

संपादकीय

अकाली एकताः बदले पंजाब के सियासी समीकरण

अमरीक सिंह

सुखदेव सिंह ढींडसा की अगुवाई वाले संयुक्त अकाली दल का विलय सुखबीर सिंह बादल की प्रधानगी वाले शिरोमणि अकाली दल में हो गया है। पंजाब की पंथक राजनीति में यह एक अहम मोड़ है। इससे परंपरागत अकाली दल काफी ज्यादा मजबूत होगा और दूरगामी असर 2024 के आम लोकसभा चुनाव पर यकीनन पड़ेगा। 'अकाली एकता' ने हाशिए पर जा चुके दिवंगत प्रकाश सिंह बादल के शिरोमणि अकाली दल को एकाएक प्रासंगिक कर दिया है। पंजाब में राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं। सुखदेव सिंह ढींडसा की घर वापसी से अकाली-भाजपा गठबंधन की संभावनाओं को और ज्यादा बल मिल गया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से ढींडसा के बहुत अच्छे ताल्लुक हैं। विलय से पहले संयुक्त अकाली दल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा था। ढींडसा का सूबे का राजनीतिक हृदय कहलाने वाले इलाके मालवा में अच्छा जन-प्रभाव है। मालवा में असरदार होना पंजाब के किसी भी राजनैतिक दल के लिए, खास अहमियत और मायने रखता है। बादल परिवार की राजनीतिक धुरी और सियासी जमीन भी वस्तुतः यही क्षेत्र है।

सत्तासी वर्षीय सुखदेव सिंह ढींडसा को सुखबीर सिंह बादल ने मरहूम अकाली दिग्गज प्रकाश सिंह बादल की जगह देते हुए शिरोमणि अकाली दल का सरपरस्त घोषित किया है। ढींडसा, बड़े बादल के बहुत पुराने और बुनियादी साथियों में से एक रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल को सशक्त बनाने में उनकी अहम भूमिका रही है। अलहदा होने से पहले वह शिअद के पहली कतार के नेता थे। वह वाजपयी सरकार में अकाली कोटे से सन 2000 से 2004 तक केंद्रीय खेल और रसायन उर्वरक मंत्री रहे। उनके बेटे परमिंदर सिंह ढींडसा राज्य की अकाली-भाजपा गठबंधन सरकार में वित्त व योजना और लोक निर्माण मंत्रालय संभाल चुके हैं। उन्हें शिरोमणि अकाली दल विधायक दल का नेता भी बनाया गया था। परमिंदर पांच बार विधानसभा चुनाव जीते हैं इससे ढींडसा परिवार के कद अथवा रुतबे का अंदाजा बखूबी लगाया जा सकता है। साल 2012 में राज्य में अकाली-भाजपा गठबंधन लगातार दूसरी बार सत्ता में आया तो शिरोमणि अकाली दल पर सुखबीर सिंह बादल हावी होने लगे। बाद में यह जमीन से जुड़े प्रकाश सिंह बादल का शिरोमणि अकाली दल नहीं बल्कि सुखबीर सिंह बादल का अकाली दल हो गया; जिन्होंने इसे कॉरपोरेट संस्कृति में ढाल दिया। सुखबीर को उपमुख्यमंत्री और गृह विभाग का मुखिया बनाकर प्रकाश सिंह बादल ने उन्हें अपना सियासी वारिस घोषित कर दिया। सुखबीर सिंह बादल की मनमर्जियों में इजाफा होता चला गया। शिरोमणि अकाली दल पूरी तरह से कॉर्पोरेट सांचों में ढल गया। खांटी और प्रकाश सिंह बादल के पुराने साथी खुद को उपेक्षित और असहज पाने लगे। कहीं न कहीं अपमानित भी महसूस करने लगे। ऐसे नेताओं में सुखदेव सिंह ढींडसा प्रमुख थे। छह साल पहले उन्होंने यह कहकर अपने असंतोष को मुखर अभिव्यक्ति दी कि सुखबीर सिंह बादल और उनके संगी-साथियों की कार्यशैली से टकसाली अकालियों का दम घुट रहा है। 2017 के विधानसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल को करारी शिकस्त मिली तो ढींडसा ने इसके लिए सीधे तौर पर सुखबीर को ज़िम्मेदार ठहराया। वैसे, इससे पहले वह अपनी अलग राह चुन चुके थे। छह साल पहले उन्होंने जत्थेदार रणजीत सिंह ब्रह्मपुरा सरीखे प्रकाश सिंह बादल के पुराने हमसफर और कुछ अन्य नेताओं के साथ मिलकर संयुक्त अकाली दल बना लिया। 2022 के विधानसभा चुनाव में संयुक्त अकाली दल कोई खास करिश्मा तो नहीं कर पाया लेकिन उसने बादलों के शिरोमणि अकाली दल को तगड़ा नुकसान पहुंचाया। गठन के वक्त से ही संयुक्त अकाली दल का भाजपा के साथ गठबंधन हो गया था और वह एनडीए का हिस्सा बन गया।

सुखदेव सिंह ढींडसा की भाजपा से पुरानी नजदीकियां हैं। केंद्र की भाजपा सरकार की बदौलत 2019 में उन्हें पद्म भूषण से नवाजा गया। हालांकि 2020 के किसान आंदोलन के समर्थन और केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों की मुखालफत में उन्होंने पद्म भूषण लौटा दिया। बावजूद इसके भाजपा से रिश्ता कायम रहा। अब उस रिश्ते का राजनीतिक लाभ शिरोमणि अकाली दल को मिलना तय है। ढींडसा का फिर से साथ हासिल करने के लिए सुखबीर को जबरदस्त कवायद करनी पड़ी। उन्होंने पुराने टकसाली नेताओं से बार-बार माफी मांगी। आखिरकार कामयाबी हासिल हुई। आगामी दिनों में बीबी जागीर कौर सहित (शिरोमणि अकाली दल छोड़ कर गए) कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं की भी घर वापसी हो सकती है। खैर, भाजपा की शिखर लीडरशिप के लिए यह साधारण खबर नहीं है कि उनके पुराने सहयोगी सुखदेव सिंह ढींडसा, प्रकाश सिंह बादल की जगह शिरोमणि अकाली दल के नए सरपरस्त हैं! परमिंदर सिंह ढींडसा को भी शिरोमणि अकाली दल में विशेष पद दिया जा रहा है। बीते विधानसभा चुनाव में शिअद को 18.38 फीसदी वोट मिले थे। ढींडसा परिवार का साथ इनमें बढ़ोतरी ही करेगा। अकाली-भाजपा गठबंधन की विधिवत घोषणा कभी भी हो सकती है। यह आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती और मुसीबत का सबब है। विधानसभा चुनाव में भाजपा को 6.60 प्रतिशत मत मिले थे। शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी में औपचारिक गठजोड़ हो जाता है तो आसन्न लोकसभा चुनाव की तस्वीर तो बदलेगी ही; ढाई साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव के समीकरण भी बदलेंगे।

1857 के विद्रोह का दलित पाठ

1857 के गदर को भारत का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम बताया जाता है। इस पर विद्वानों के मत अलग-अलग हैं। दक्षिण पंथी हिंदू विद्वान, जिनमें कुछ मुस्लिम विद्वान भी शामिल हैं, इसे अंग्रेजी राज्य से मुक्ति की लड़ाई के रूप में ही देखते हैं। वाम पंथी विद्वानों की राय भी कुछ भिन्न नहीं है। वे भी घूम-फिरकर इसे अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध जन-विद्रोह मानते हैं। लेकिन दलित चिंतन इसे हिंदू-मुसलमानों, खासकर ब्राह्मणों और सामंतों का धर्म-युद्ध मानता है, जो अंग्रेजी राज्य के समाज-सुधारों के विरोध में किया गया। इसमें आम जनता को भ्रमित करके शामिल किया गया था।

भारत का ब्राह्मण वर्ग अपनी धर्म-व्यवस्था पर इतना मुग्ध था कि वह उसमें कोई परिवर्तन नहीं चाहता था। आठ सौ साल के मुस्लिम शासन में भी ब्राह्मणों की धर्म-व्यवस्था सुरक्षित थी। उसमें कोई खास हस्तक्षेप मुस्लिम शासकों ने नहीं किया था। इसीलिए वे आठ सौ साल तक शासन कर सके, और यदि उनके दुर्भाग्य से अंग्रेज न आए होते, तो मुस्लिम शासन का अभी शायद ही अंत होता। क्या यह महत्वपूर्ण प्रश्न नहीं है कि भारत में मुस्लिम साम्राज्य के खिलाफ एक भी स्वतन्त्रता संग्राम नहीं लड़ा गया। किसी भी आन्दोलन को नेतृत्व और गतिशीलता देने का काम देश का बुद्धिजीवी वर्ग करता है और दुर्भाग्य से भारतीय समाज का नेतृत्व जिस बुद्धिजीवी वर्ग ने किया, वह ब्राह्मण रहा है। मुस्लिम शासकों ने ब्राह्मण वर्ग को सारी स्वतन्त्रता और सुख-सुविधाएं देकर उसके वर्चस्व को कायम रखा था। लेकिन यही काम भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी ने आकर नहीं किया। उसने उनकी धर्म-व्यवस्था में दखल देना शुरू किया और हिंदू समाज-व्यवस्था में कई सुधार किए। इसी दखल के परिणामस्वरूप कम्पनी सरकार को ब्राह्मणों के विद्रोह का सामना करना पड़ा। दूसरे शब्दों में अंग्रेजों का समाज-सुधार ऐजेण्डा ही उनके विरुद्ध आन्दोलन का कारण बना। कम से कम दो बड़े विद्रोह भारत में समाज सुधार के फलस्वरूप ही हुए, जिनमें पहला 1806 में वेल्लौर का सिपाही विद्रोह और दूसरा 1857 का सिपाही विद्रोह। डा. आंबेडकर ने लिखा है कि वेल्लौर का विद्रोह एक छोटी चिनगारी की तरह था, पर 1857 का विद्रोह एक बड़ा अग्निकाण्ड बन गया था। (डा. आंबेडकर राइटिंग एण्ड स्पीचेस, वाल्यूम 12, पृष्ठ 140)

वेल्लौर का विद्रोह सिर्फ इस आधार पर हुआ था कि मद्रास आर्मी के चीफ कमान्डर जान क्रैडोक ने एक रेगूलेशन जारी करके सिपाहियों के लिये धार्मिक और जातीय पहचान वाली यूनिफार्म समाप्त करके उसकी जगह नयी यूनिफार्म लागू कर दी थी, जिसमें पगड़ी, दाढ़ी और हाथों में अंगूठियां पहनने की मनाही कर दी गयी थी और इन सबके बदले एक नयी टोपी निर्धारित की गयी थी। सिपाहियों ने इसे अपने ईसाईकरण के रूप में देखा। हिन्दुओं ने नयी टोपी को गाय की खाल से बनी टोपी समझा और मुसलमानों ने दाढ़ी हटाने को अपने धर्म में दखल समझा। अतः दोनों धर्मों के सिपाहियों ने धर्म के नाम पर विद्रोह कर दिया। इस विद्रोह को वेल्लौर किले में मौजूद टीपू के परिवार ने मदद की थी।

इस विद्रोह को भी ब्राह्मण लेखकों ने ईस्ट इंडिया कम्पनी के खिलाफ स्वतन्त्रता संग्राम कहा है और यहां तक लिखा है कि इसी विद्रोह ने 1857 में सिपाही विद्रोह के रूप में प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम का मार्ग प्रशस्त किया था। (दि हिन्दू, सण्डे मैगजीन, 6 अगस्त 2006 में देखिए ए. रंगराजन का लेख 'ब्लेन दि वेल्लौर सिपाय'स रिबेल्ड')क्या यह सचमुच स्वतन्त्रता संग्राम था? यदि यह वास्तव में ईस्ट इंडिया कम्पनी के खिलाफ स्वतन्त्रता संग्राम था, तो वे सिपाही कम्पनी की सेना में भर्ती ही क्यों हुए थे? फिर, यह विद्रोह नये यूनिफार्म रेगूलेशन जारी होने के बाद ही क्यों हुआ? इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यह विद्रोह ईस्ट इंडिया कम्पनी के खिलाफ नहीं था, बल्कि उसके द्वारा जारी रेगूलेशन के विरोध में था, जिसने सिपाहियों की धार्मिक और जातीय पहचान समाप्त कर दी थी। यदि कम्पनी इस रेगूलेशन को जारी नहीं करती, तो विद्रोह नहीं होता। तक यह स्वतन्त्रता संग्राम किस आधार पर हुआ? इसे हम धार्मिक आजादी के लिए बगावत कह सकते हैं, क्योंकि यह धार्मिक और जातीय स्वतन्त्रता के लिए हुई थी, भारत की स्वतन्त्रता के लिए नहीं।

दूसरा विद्रोह 1857 में हुआ। इस विद्रोह का श्रेय सिपाही मंगल पाण्डे को दिया जाता है। वह एक रूढ़िवादी और अस्पृश्यता मानने वाला ब्राह्मण था। बंगाल की उसी बैरक में, जिसमें मंगल पाण्डे था, मातादीन सफाई का काम करता था। घटना है कि एक दिन झाड़ू लगाते समय पाण्डे का लोटा मातादीन से छू गया। अस्पृश्यता-धर्म को मानने वाले मंगल पाण्डे से लोटे का छूना सहन नहीं हुआ और उसने मातादीन को गालियां देकर अपमानित किया। इस पर मातादीन ने फटकारते हुए कहा कि लोटा छूने से तुम धर्मभ्रष्ट हो जाते हो, पर जब उन कारतूसों को दांतों से पकड़कर खोलते हो, तो भ्रष्ट नहीं होते, जिनके मुंह पर गाय और सुअर की चरबी लगी होती है। मंगल पाण्डे ने जब यह सुना तो उसे लगा कि सभी हिन्दू सिपाहियों का धर्म-भ्रष्ट हो गया है। यही घटना सिपाही विद्रोह का कारण बनी।

क्या सचमुच सिपाही विद्रोह का यही एक कारण था? यह गले नहीं उतरता, क्योंकि कारतूसों में चर्बी रहती थी, यह सभी सिपाही जानते थे, भले ही वह किसी भी पशु की हो। यदि मंगल पाण्डे मांसाहारी नहीं था, तो उसके लिये किसी भी पशु की चर्बी वर्जित थी। फिर गाय की चर्बी को लेकर ही विद्रोह क्यों? दूसरे, यह भी गौर तलब है कि बगावत के समय भी सिपाहियों ने कारतूसों का उपयोग किया था, तब वे उन्हें किस तरह खोलते थे? सम्भवतः मामला चर्बी का नहीं था, कुछ और ही था।

गाय और सुअर ये दो पशु हिन्दू और मुसलमानों के धर्म से जुड़े हैं। हिन्दू गाय को माता कहते हैं, जो उनके धर्म में एक पूजनीय पवित्र पशु है, जबकि मुसलमानों के लिये सुअर एक गन्दा पशु है और इस्लाम में उसका छूना और मांस खाना हराम माना गया है। हिन्दुओं और मुसलमानों को आपस में लड़ाने के काम में साम्प्रदायिक शक्तियां प्रायः इन्हीं दो पशुओं का उपयोग करती आयी हैं। 1857 में भी ब्राह्मण शक्तियों ने यही किया। उन्होंने कारतूसों में गाय की चर्बी को अपनी धर्म-व्यवस्था की लड़ाई के लिये एक कारगर हथियार के रूप में देखा। इस धर्म-युद्ध में मुसलमान भी ब्राह्मणों के साथ आ जायें, इसलिये गाय के साथ सुअर को भी एक साथ जोड़ा गया। हो सकता है कि मातादीन इस काम में ब्राह्मणों का ही सन्देश वाहक रहा हो।

यहां भी वही सवाल विचारणीय है, जो वेल्लौर विद्रोह में विचारणीय था। जिन ब्राह्मणों ने इसे भारत का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम कहा, जैसा कि सावरकर और हरदयाल आदि ने, तो वे इस बात पर विचार नहीं करते कि यदि कारतूसों में गाय या सुअर की चर्बी न लगायी गई होती, या इसका भान ही न हुआ होता, तो क्या तब भी कोई विद्रोह होता? यदि चर्बी ही मुख्य कारण था, तो भले ही यह बगावत हो, पर उसे स्वतन्त्रता संग्राम किस आधार पर कहा जा सकता है? यह विद्रोह दरअसल अपनी धर्म-व्यवस्था को बचाने के लिए हुआ था। यह हिन्दुओं की धार्मिक स्वतन्त्रता का मामला था, जिसका भारत की स्वतन्त्रता से कोई सम्बन्ध नहीं था। इस विद्रोह की योजना बनाने का काम रूढ़िवादी ब्राह्मणों और कुछ उन देशी राजाओं और नवाबों ने किया था, जिनकी रियासतें अंग्रेजी राज में खतरे में थीं।

सिपाही-विद्रोह के मूल कारण पर आते हैं। यह विद्रोह बंगाली आर्मी ने किया था। यह सिर्फ नाम की बंगाली आर्मी थी, इसमें बंगाल का कोई भी सिपाही नहीं था। यह आर्मी मुख्य रूप से अवध और दोआबा क्षेत्र के उच्च जातीय लोगों को लेकर बनी थी। इसमें अधिकतर ब्राह्मण सैनिक थे, जो अपने चरित्र में ही साम्प्रदायिक और जातिवादी थे। इसलिये, यह आर्मी ब्राह्मण साजिश का आसानी से शिकार हो गयी।

अवध प्रान्त और बनारस के ब्राह्मण, अंग्रेज सरकार के सामाजिक सुधार कानूनों से क्षुब्ध थे। वे चाहते थे कि मुगलों की तरह अंग्रेज भी उनकी धर्म-व्यवस्था में दखल न दें, पर अंग्रेजों ने कई मामलों में दखल देना जरूरी समझा।

इस सम्बन्ध में डा. आंबेडकर ने कुछ सुधारों का उल्लेख किया है, जिनका संक्षिप्त वर्णन करना यहां जरूरी है। वे लिखते हैं, सारी सामाजिक बुराइयां धर्म पर आधारित हैं। एक हिन्दू, चाहे स्त्री हो या पुरुष, वह जो भी काम करता है, धर्म के अनुसार करता है। वह खाता धर्म के अनुसार है, पीता धर्म के अनुसार है, नहाता धर्म के अनुसार है, पहनता धर्म के अनुसार है, उसका जन्म धर्म के अनुसार होता है, विवाह धर्म के अनुसार होता है और दाह संस्कार भी धर्म के अनुसार होता है। उसके सारे क्रिया-कलाप धर्म के अनुसार होते हैं। इसलिये धर्म निरपेक्ष दृष्टिकोण से जो बुराइयां पापपूर्ण दिखायी देती हैं, वे उसके लिये पापपूर्ण नहीं होतीं, क्योंकि उसका धर्म उन्हें पुण्य मानता है। इसलिये पाप के दोषी हिन्दू का उत्तर यह होता है- 'यदि मैं पाप कर रहा हूँ तो धर्म के अनुसार कर रहा हूँ।'

अंग्रेजों की कम्पनी सरकार ने छः सामाजिक बुराइयों को रोकने के लिये कानून बनाने की जरूरत समझी। इनमें पांच कानून विद्रोह के पहले बने और छठवाँ कानून विद्रोह के बाद 1860 में बना, जो स्त्री के यौन-उत्पीड़न और बलात्कार को रोकने के लिये पैनल कोड सेक्शन 375 के अन्तर्गत लाया गया था। विद्रोह के पहले के पांच कानून ये थे-

1- बंगाल रेगूलेशन एक्ट 1795 जो बनारस प्रान्त में, ब्राह्मणों के 'कुर्रा' की प्रथा को रोकने के लिये लाया गया था, जिसमें वे अपनी स्त्रियों की हत्या कर देते थे। इसी कानून के तहत ब्राह्मण को पहली बार मृत्यु दण्ड के दायरे में लाया गया था, जिससे वह अभी तक बाहर था।

2- 1802 का रेगूलेशन एक्ट, जो मासूम बच्चों की धर्म के नाम पर बलि देने की प्रथा को रोकने के लिये लाया गया था।

3- 1829 का रेगूलेशन एक्ट, जो सती प्रथा को रोकने के लिये लाया गया था, जिसमें हिन्दू अपनी विधवा स्त्रियों को जिन्दा जला देते थे।

4- जाति-निर्योग्यता निवारण अधिनियम एक्ट, 1850, सेक्शन-9, रेगूलेशन एक्ट, 1832 का विस्तार था। यह अछूत जातियों के हित में अस्पृश्यता को रोकने के लिए था।

5- हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856, जो हिन्दू विधवा के पुनर्विवाह को न्यायिक मान्यता प्रदान करने के लिये लाया गया था।

स्वामी सहजानंद ने किसानों को राह दिखाई

सहजानंद और किसान आंदोलन -ब्रिटिश काल में किसान संगठन और आंदोलन की शुरूआत स्वामी सहजानंद सरस्वती ने की थी। स्वामी सहजानंद भारत में किसान आंदोलन के जन्मदाता माने जाते हैं। किशोर वय में घर परिवार त्याग कर आध्यात्मिक दुनिया के रहस्य को समझने के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद का नौजवान नवरंग राय एक कठिन टेढ़े-मेढ़े रास्ते पर चलते हुए और जिंदगी के अनंत अनुभवों से टकराते हुए अंत में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का महान सेनानी व संगठित किसान आंदोलन का जन्मदाता बना। यह एक रहस्य रोमांच से भरी कठिन संघर्ष की महान जीवन गाथा है। अध्यात्म और जीवन के रहस्य के अनुसंधान में एक किशोर जैसे-जैसे आगे बढ़ता गया, उसे समाज के अंदर की वर्ण व्यवस्था जनित विसंगतियों, धर्म के रहस्यमय आभामंडल के अंदर मौजूद शुद्ध भौतिक जीवन की छुद्रताओं, स्वार्थों और सामाजिक विषमता से टकराना पड़ा। इस क्रम में दंडी स्वामी बना नौजवान धीरे-धीरे औपनिवेशिक गुलामी वाली सत्ता के साथ टकरा गया। जो उस समय धर्म जाति जनित अंतर विरोधों से ज्यादा शक्तिशाली अंतर विरोध था। वह नौजवान अभौतिक जगत के अंतर्निहित रहस्य की खोज में निकला था लेकिन अंततोगत्वा यथार्थ जीवन की वास्तविकता, सामाजिक जीवन की विसंगतियां और गुलामी की बेड़ियों में जकडे करोड़ों भारतीयों की पीड़ा ने उसे सन्यासी से राजनेता बना दिया। जैसे-जैसे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम आगे बढ़ता गया। उसकी वैचारिकी आकार ग्रहण करती गई ।स्वतंत्रता संघर्ष के लक्ष्य और सिद्धांत जैसे-जैसे ठोस शक्ल लेते गे, वैसे-वैसे यह सन्यासी भी लगातार रूपांतरण की प्रक्रिया से गुजरते हुए आध्यात्मिक सन्यासी से महान भौतिकवादी सामाजिक क्रांतिकारी योद्धा में रूपांतरित होता गया।

स्वामी सहजानंद मूलतः क्रांतिकारी थे।वे परिवार व समाज की बेड़ियों को तोड़ने के बाद जीवन में आने वाले प्रत्येक जड़ ठहराव को झटकते हुए आगे बढ़ते रहे। प्रारंभिक अनुभवों से उन्होंने यह महसूस किया कि ज्ञान का क्षेत्र ही मुक्ति का सबसे बड़ा क्षेत्र है। मानव मुक्ति का मार्ग किसी अमूर्त आध्यात्मिक दुनिया में जाकर नहीं खोजा जा सकता, उसे समाज और मनुष्य के जीवन की भौतिक स्थितियों में तलाशा जाना चाहिए। इसी अनुसंधान वृत्त ने उन्हें भारतीय समाज के सबसे निचले पायदान पर स्थित मजदूर और गरीब किसानों के बीच में जाने के लिए उत्प्रेरित किया।

संभवतः भारतीय राजनेताओं में वे अकेले ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने सम्पूर्ण भारत को पैरों से नाप डाला था। जिस रहस्य की खोज में वह काशी से प्रयाग के रास्ते नर्मदा तट पर स्थित ओंकारेश्वर होते हुए वापस मथुरा, वृंदावन और केदारनाथ तक पैदल यात्रा की थी। इस यात्रा के अनुभवों ने उनके अंदर तथाकथित आध्यात्मिक जगत से मोहभंग पैदा किया। महान पदयात्रा से प्राप्त अनुभव से उन्होंने शिक्षा ली कि मानव सभ्यता द्वारा संकलित ज्ञान को समझने और उसे आज के यथार्थ से मिलाकर विश्लेषित करने की जरूरत है। फिर वे काशी वापस आकर ज्ञान प्राप्ति के लिए अध्ययन के क्षेत्र में कूद पड़े और कुछ ही वर्षों में भारतीय वांग्मय और चिंतन परंपरा में पारंगत हो गए। ज्ञान और अध्ययन की शक्ति के बल पर उन्होंने ब्राह्मणवादी पाखंड को गंभीर चुनौती दी। प्रारंभ में जाति संघर्ष से शुरू करके बाद में स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी के अनुवाई बने। गांधी जी के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं और आंदोलन में मौजूद विसंगतियों, पाखंडों को नजदीक से देखकर उनका क्रांति कारी मन विद्रोह कर बैठा। कांग्रेस वालंटियर के रूप में गाजीपुर और बाद में आरा (बिहार) जिले में काम करते हुए उन्होंने महसूस किया कि आंदोलन में शामिल शक्तियां और उनका वर्ग चरित्र क्या है! इसी दौर में हिंदू महासभा और हिंदूत्ववादी संगठनों के दोगलेपन को स्वामी जी ने नजदीक से देखा। कांग्रेस और हिंदूवादी संगठनों के यथार्थ को देखकर दंडी स्वामी होते हुए भी वह वस्तुतः भौतिकवादी होते गए। साथ ही कांग्रेस के अंदर के दक्षिणपंथी हिंदूत्ववादी संगठनों की वास्तविकता को समझ गये।

पटना के नजदीक बिहटा में स्वामी जी ने एक छोटा सा आश्रम बनाया। इस आश्रम में रहकर स्वतंत्रता आंदोलन में काम करते हुए उन्हें अनेक अनुभवों से गुजरना पड़ा ।बिहटा चीनी मिल के मालिक डालमिया कांग्रेसी थे। उनके चीनी मिल के बोर्ड के डायरेक्टरों में राजेंद्र बाबू से लेकर पंडित मदन मोहन मालवीय तक अनेक कांग्रेसी भरे पड़े थे। स्वदेशी उद्योग के नाम पर कांग्रेस के बड़े नेताओं ने स्वामी जी से आग्रह किया कि डालमिया की चीनी मिल के लिए किसानों से भूमि दिलाने में वे मदद करें। यह चीनी मिल बिहटा में ही लग रही थी। उस समय विदेशी कंपनियों की जगह स्वदेशी उद्योग के विस्तार के उद्देश्य से उन्होंने डालमिया के लिए जमीन अधिग्रहण में सहयोग किया। उस समय उन्हें लगा कि भारतीय पूंजीपति का व्यवहार ब्रिटिश पूंजीपतियों से भिन्न होगा। इसलिए जब डालमिया ने गन्ना किसानों के फसल की लूट शुरू की तो स्वामी जी का क्रांतिकारी सात्विक क्रोध उबल उठा। यही से उनके अंदर किसानों के बीच काम करने की जिज्ञासा पैदा हुई। शेष जीवन किसानों को संगठित करने और स्वतंत्रता आंदोलन के वर्ग चरित्र और वर्ग आधार को मध्यवर्गीय समाज से बाहर ले जाकर? किसान मजदूर आधार देने और आंदोलन के चरित्र और नेतृत्व को बदलने में लगा दिया।

एक औपनिवेशिक समाज में स्वतंत्रता और लोकतंत्र हासिल करने के लिए क्रांतिकारी नेतृत्व को दो मोर्चे पर लड़ना होता है । एक उपनिवेश वाद के खिलाफ राष्ट्रवादी आंदोलन को नेतृत्व देना और दूसरा आंदोलन के वर्ग चरित्र को बदल कर उत्पादक शक्तियों को आंदोलन के केंद्र में ले आना, जिससे जनता के जनवादी लोकतंत्र का निर्माण किया जा सके। चूंकि स्वामी जी अपने देश की मिट्टी से गहरे रूप से जुड़े थे, इसलिए उन्होंने यह बात समझ लिया था कि स्वतंत्रता आंदोलन को किसानों की मुक्ति के रास्ते से ही आगे ले जाकर वास्तविक लोकतंत्र और आजादी हासिल की जा सकती है। इसलिए उन्होंने किसानों को संगठित करने का बीड़ा अपने कंधे पर उठाया।

इस निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद 1927 के आसपास बिहटा को केंद्रित करके उन्होंने पटना किसान सभा का निर्माण किया। किसान सभा बनते ही बिहार के स्वतंत्रता संघर्ष के वर्ग चरित्र में गुणात्मक बदलाव आ गया और शीघ्र ही किसान सभा बिहार प्रदेश किसान सभा में बदल गई। पूरे प्रदेश में किसानों का आंदोलन जोर पकड़ने लगा । किसानों की बड़ी-बड़ी जन गोलबंदियां होने लगी, मोर्चे से लगने लगे। हजारों हजार किसान परंपरागत हथियारों से लैस होकर जमीदारों और अंग्रेजों से मुक्ति के आंदोलन में कूद पड़े। इससे स्वामी जी किसानों के और करीब होते गए । उन्होंने बिहार कांग्रेस वर्किंग कमेटी में एक प्रस्ताव रखा कि बिहार के किसानों की स्थिति की जानकारी के लिए कांग्रेस एक जांच कमेटी बनाएं, जो आने वाले समय में किसानों के सवालों को संबोधित करने में मदद कर सके। इस प्रस्ताव का कांग्रेस में राजेंद्र बाबू गुट ने तीखा विरोध किया। कांग्रेस में एक बड़े समूह ने स्वामी जी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया लेकिन स्वामी सहजानंद तो ठहरे हठयोगी । जब उन्होंने तय कर लिया कि यह करना है तो कांग्रेस को मजबूर होकर एक कमेटी बनानी पड़ी। इस कमेटी की अध्यक्षता स्वामी सहजानंद के हाथ में थी । कमेटी ने गया और आसपास के किसानों की हालत की जांच पड़ताल की और एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसका नाम था, 'गया के किसानों की करुण कहानी'। इस रिपोर्ट को आते ही जमीदारों में हड़कंप मच गया।

इस तरह किसान सभा ने अपनी यात्रा शुरू की। बिहार किसान आंदोलन के झंझावात से गुजरने लगा। किसान आंदोलन के वेग ने हजारों किसान नेताओं, साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों को पैदा किया, जिसमें जयप्रकाश नारायण, राहुल सांकृत्यायन, कायानंद शर्मा, जमुना कार्की, रामवृक्ष बेनीपुरी, यज्ञदत्त शर्मा, चंद्रशेखर सिंह जैसे हजारों नेता और कार्यकर्ता खड़े हो गये। बिहार किसान सभा के आंदोलन की धमक पूरे देश में पहुचने लगी और 1936 तक आते-आते अखिल भारतीय किसान सभा का निर्माण हुआ जिसके प्रथम अध्यक्ष स्वामी सहजानंद जी बनाए गए।

बिहार में 40 के दशक के मध्य में भयानक भूकंप आया था, जिससे सैकड़ो गांव तबाह हो गए थे। इस भूकंप का असर दरभंगा स्टेट के इलाके में गहरा था। किसान सभा ने किसानों के पुनर्वास और मुआवजे की मांग उठाई तथा जमीदारों से अपील की कि किसानों से लगान न लें लेकिन ज्यों ही सरकार ने किसानों को मुआवजा देना शुरू किया, दरभंगा नरेश के कारिंदों ने जबरदस्ती किसानों से लगान वसूलना शुरू कर दिया। इस पर स्वामी जी ने कांग्रेस और गांधी जी को एक पत्र लिखा।

साप्ताहिक राशिफल

ज्योतिषाचार्य गणेश मिश्रा
काशी

- मेष लग्नराशि : इस सप्ताह मुंह का कोई रोग परेशान कर सकता है। कुटुंब में किसी से मनमुटाव हो सकता है। पराक्रम बढ़ा-चढ़ा रहेगा। व्यापार में थोड़ा उतार-चढ़ाव रहने के बावजूद लाभ मिलता रहेगा। आप व्यापार से संबंधित कोई कर्ज ले सकते हैं। विद्यार्थी वर्ग मन-माफिक कार्य होने से प्रसन्न होंगे। शत्रुओं से सचेत रहने की सलाह है। धार्मिक यात्राएं हो सकती हैं।
- वृषभ लग्नराशि :इस सप्ताह आपको भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ सकता है। व्यापार में बहुत बड़ी उपलब्धि मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार से संबंधित नए करार हो सकते हैं, जो लाभदायक सिद्ध होंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिए समय कष्ट कारी हो सकता है। पढ़ाई-लिखाई में अवरोध आ सकते हैं। सरकारी क्षेत्र से लाभ मिलने की उम्मीद है। पत्नी तथा प्रेमिका पर धन खर्च हो सकता है।
- मिथुन लग्नराशि : इस सप्ताह आप स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं महसूस करेंगे। सप्ताह की शुरूआत निराशाजनक रहेगी। मनचाही सफलता नहीं मिलने से आप निराश हो सकते हैं। आपको अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। किसी को पैसे उधार देने से बचें। जीवनसाथी के साथ मनमुटाव की स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।
- कर्क लग्नराशि : इस सप्ताह व्यापारिक साझेदारों से वैचारिक मतभेद रह सकते हैं। पत्नी से या उनके स्वास्थ्य से परेशानी हो सकती है। किसी को उधार देने से बचें। अचानक लाभ हो सकता है। अपने मन को शांत रखने का प्रयास करना उत्तम रहेगा। रुके हुए कार्यो को गति मिलेगी और धन की प्राप्ति होगी। व्यापार और नौकरी में बड़ी सफलता के योग बनेंगे। इस हफ्ते पराक्रम बहुत बढ़ा-चढ़ा रहेगा। बड़े भाइयों से लाभ मिलता रहेगा।
- सिंह लग्नराशि : इस सप्ताह स्वास्थ्य को लेकर आप थोड़ा परेशान रह सकते हैं और व्यर्थ का खर्च हो सकता है। नौकरी और व्यापार की तलाश में भटक रहे जातकों को अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। सरकारी नौकरी वालों को प्रोमोशन मिल सकता है। सरकारी कार्यो में सफलता के योग हैं। पिता तथा पिता तुल्य जनों से वैचारिक मतभेद संभव है। जमीन-जायदाद से संबंधित कार्य में सफलता मिल सकती है। यात्राएं हो सकती हैं।
- कन्या लग्नराशि : इस सप्ताह व्यापार में लाभ की उम्मीद में नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए सावधानी बरतें। पत्नी से वैचारिक मतभेद रह सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। चोट-चपेट का भय रहेगा। आर्थिक मामलों में बरती गई असावधानी आपको नुकसान पहुंचा सकती है। सप्ताह के अंत में उत्तम समाचार तथा आर्थिक लाभ की संभावना है।
- तुला लग्नराशि : इस सप्ताह माता से मतभेद रह सकता है। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य को लेकर स्थिति ठीकठाक बनी रहेगी। स्वभाव में उग्रता बढ़ सकती है। व्यापारी वर्ग को लाभ मिलने के आसार बनेंगे। नोकरी-पेशा वाले जातकों को थोड़ा संभलकर रहना पड़ सकता है। जॉब चेंज का प्लान अभी टाल दें। बेरोजगार जातकों को रोजगार मिल सकता है। सामाजिक दायरा बढ़ने से खुशी महसूस कर सकते हैं।
- वृश्चिक लग्नराशि : इस सप्ताह पराक्रम में कमी रहेगी तथा भाई-बहनों से मतभेद संभव है। दांपत्य जीवन में थोड़ा उतार-चढ़ाव रहने की संभावनाएं बन सकती हैं। व्यापार तथा नौकरी में हुआ लाभ आपको खुशियों दे सकता है। अविवाहित जातकों को लिए अच्छे रिश्ते आ सकते हैं। माता से प्रेमभाव बढ़ेगा। भागदौड़ रहने से शारीरिक कमजोरी रह सकती है। ससुराल पक्ष से लाभ हो सकता है। भाग्य का साथ कम मिलेगा, कार्य पूर्ण होते रहेंगे।
- धनु लग्नराशि : इस सप्ताह मन किसी दुविधा में रह सकता है। किसी भी बात को लेकर बहसबाजी से बचें। सभी रुके कार्य पूर्ण होने लगेंगे। स्वास्थ्य को लेकर स्थिति थोड़ी नाजुक रह सकती है। जमा धन में बढ़ोतरी संभव है। आलस्य से बचें, भाग्य का साथ रहेगा। पति-पत्नी के बीच भावात्मक लगाव बना रहेगा तथा आप खर्च भी कर सकते हैं। कुटुंब में मान-सम्मान बढ़ सकता।
- मकर लग्नराशि : इस सप्ताह तरह-तरह के विचारों से मन बहुत विचलित रह सकता है। पति-पत्नी के बीच मतभेद उभर सकते हैं। भाग्य का भी भरपूर सहयोग मिलने की उम्मीद है। यात्राओं के योग रहेंगे। व्यापारिक दृष्टि से ये यात्राएं लाभदायक रहेंगी, लेकिन स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छी नहीं कही जा सकती। संतान की तरफ से प्रसन्नता रहेगी। छात्रों के लिए समय अच्छा रहने वाला है।
- कुंभ लग्नराशि : इस सप्ताह काम में विघ्न आने की संभावना रहेगी। वाद-विवाद से दूर रहें। कार्यक्षेत्र में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक शुभ कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकारों के विचारों के चलते मन विचलित रह सकता है। काम में प्रगति होगी। उच्च अधिकारियों की ओर से आपके काम की प्रसंशा होगी। नौकरी में किए गए प्रयास सफल होंगे। यश-कीर्ति में वृद्धि होगी।
- मीन लग्नराशि : इस सप्ताह होने वाले लाभ में रुकावट आ सकती है। आग से दूर रहें। संतान की तरफ से कोई खबर परेशान कर सकती है। स्वास्थ्य परेशान कर सकता है, अगर ब्लड से संबंधित किसी प्रकार की परेशानी हो, तो विशेष ध्यान दें। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ने से हफ्ता आनंदमय व्यतीत होगा। आप अपने पराक्रम के साथ व्यापार को नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं। सप्ताह के अंत में धन लाभ हो सकता है।

गौतम अडाणी करेंगे एक और व्यापार

ऑनलाइन बुकिंग बिजनेस में IRCTC को टक्कर देंगे, 'ट्रेनमैन' प्लेटफॉर्म खरीदेगा ग्रुप

मुंबई, एजेंसी। गौतम अडाणी का अडाणी ग्रुप अब रेलवे सेक्टर में कदम रखने की तैयारी कर रहा है। अडाणी एंटरप्राइजेज जल्द ही ऑनलाइन ट्रेन टिकटों की सेल करेगी। इतना ही नहीं कंपनी ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग बिजनेस में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (IRCTC) की मोनोपोली (एकाधिकार) को चुनौती भी देगी। अडाणी एंटरप्राइजेज ने शुक्रवार (16 जून) को अपने इन इरादों के बारे में इंडियन स्टॉक मार्केट को इन्फॉर्म किया है। कंपनी ने यह भी बताया है कि अपने इस बिजनेस प्लान के लिए वो स्टार्क एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड (SEPL) में 100% हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी।

अडाणी एंटरप्राइजेज ने स्टॉक मार्केट को बताया कि अडाणी डिजिटल लैब्स प्राइवेट लिमिटेड (ADL) ने स्टार्क एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड में 100% हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण के संबंध में शेयर परचेज एग्रीमेंट (SPA) पर हस्ताक्षर किए हैं।' हालांकि, दोनों कंपनियों के बीच ये डील कितने में हुई है, इसकी जानकारी अभी नहीं मिली है। अडाणी डिजिटल लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, अडाणी एंटरप्राइजेज की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एग्रीमेंट के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए अडाणी एंटरप्राइजेज ने कहा कि SEPL के 100% इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण के संबंध में एग्रीमेंट की शर्तों, परस्पर अधिकारों, दायित्वों और अन्य मामलों को SPA रिकॉर्ड करता है।

स्टार्क एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड को 'ट्रेनमैन' के नाम से भी जाना जाता है। ट्रेनमैन एक ऑथराइज्ड ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म है, जिसे गुरुग्राम बेस्ड स्टार्क एंटरप्राइजेज द्वारा ऑपरेट किया जाता है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए ट्रेन टिकट बुकिंग के अलावा आप PNR स्टेटस, कोच की पोजिशन, ट्रेन का लाइव स्टेटस और सीट की अवेलेबिलिटी जैसी जानकारी हासिल कर सकते हैं। फरवरी 2023 के आखिरी में हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के कारण भारी बिकवाली के बाद अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर NSE पर लगभग 1,195 के निचले स्तर पर आ गए थे। अपने साल-दर-साल के निचले स्तर से वापसी करते हुए अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत पिछले सप्ताह शुक्रवार को लगभग 2505 के पार हो गई है। चार महीने से भी कम समय में कंपनी के शेयर में 100% से ज्यादा की ग्रोथ हुई है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सीरीज 19 से खुल रही

नई दिल्ली, एजेंसी। RBI ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की आठवीं सीरीज के लिए सोने का दाम तय कर दिया है। इस बार के लिए सोने की कीमत 5,926 रुपए प्रति 1 ग्राम तय की है। इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से निवेश किया जा सकता है। जो इनके लिए ऑनलाइन आवेदन और डिजिटल पेमेंट के जरिए भुगतान करेंगे, उन्हें प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। यानी उन्हें 1 ग्राम के लिए 5,876 रुपए चुकाने होंगे। ये स्कीम 19 से 23 जून 2023 तक खुलेगी।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट यानी 99.9% शुद्ध सोने में निवेश करते हैं। ऑनलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से इसमें निवेश किया जा सकता है। SGBs में निवेश पर 2.50% का सालाना ब्याज मिलता है। पैसों की जरूरत पड़ने पर बॉन्ड के बदले लोन भी लिया जा सकता है। भारतीय बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड यानी IBJA के पब्लिश्ड रेट के आधार पर बॉन्ड की कीमत तय होती है।

एसबीआई बंद कर रही है ये दो स्कीम

महत्वपूर्ण खबरः निवेशकों को अब तक मिला है बंपर रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप भी किसी बैंक में अपनी जमा-पूंजी करना चाहते हैं तो आपके लिए ये बेहद महत्वपूर्ण खबर है। इस महीने भारत की सबसे बड़ी सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आपके लिए दो डिपॉजिट स्कीम लॉन्च करने वाला है। इस स्कीम का नाम अमृत कलश और 'वीकेयर' है। इन दोनों स्कीम्स में आपको एफडी जितना इंटरेस्ट मिलेगा। अगर आप फिक्स्ड डिपॉजिट जितना ब्याज चाहते हैं तो आपको इस स्कीम में निवेश करना चाहिए। एसबीआई की इस स्कीम में आप 5 साल या फिर उससे ज्यादा समय तक अपने पैसों को डिपॉजिट कर सकते हैं। इस पर आपको अतिरिक्त 50 बेसिस प्वाइंट मिलेंगे। आप इस स्कीम का लाभ उठाना चाहते हैं तो आपको 30 जून 2023 तक आवेदन कर सकते हैं। 30 जून 2023 के बाद आप इस स्कीम का लाभ नहीं उठा पाएंगे। अगर इस समय तक इन्वेस्ट करते हैं तब ही आपको इसका फायदा मिलेगा। अगर इस स्कीम में कोई सीनियर सिटीजन निवेश करते हैं तो सीनियर सिटीजन को आम जनता के मुकाबले 0.50 फीसदी का अतिरिक्त ब्याज मिलेगा। वहीं अगर आप 5 साल से ज्यादा समय तक निवेश करते हैं तब आपको 1 फीसदी या फिर उससे ज्यादा का ब्याज मिलेगा। लेकिन वहीं अगर आप 5 साल से पहले इस डिपॉजिट से पैसे निकालते हैं तो आपको कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलेगा। एसबीआई की अमृत कलश स्कीम की लास्ट डेट 30 जून 2023 है। इसके बाद आप इसमें पैसा नहीं लगा पाएंगे। इसमें सीनियर सिटीजन को 7.60 फीसदी और आम जनता को 7.10 फीसदी का ब्याज मिलेगा। इसमें आपकी जमा की हुई राशि 400 दिन के बाद मैच्योर होगी। वहीं अगर आप 2 करोड़ रुपये से ज्यादा का डिपॉजिट करते हैं तब सीनियर सिटिजन को 7.60 फीसदी और पब्लिक को 7.1 फीसदी का इंटरेस्ट मिलेगा।

देश में ईंधन की मांग 24 साल के उच्चतम स्तर पर

यह है हाल

रूसी कच्चे तेल के आयात से कितना हो रहा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में लगातार पेट्रोल-डीजल की मांग की में इजाफा हो रहा है। रूस से डिस्काउंट पर कच्चा तेल आयात होने के कारण इसमें और तेजी देखने को मिली है। भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार बनी हुई तेजी भी इसके पीछे का एक बड़ा कारण है। इस साल फरवरी में भारत में ईंधन की मांग 24 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में पीपीएसी के हवाले से बताया गया कि फरवरी में भारत में ईंधन की मांग 5 प्रतिशत बढ़कर 4.82 मिलियन बैरल प्रति टन पर पहुंच गई है और पिछले 15 सालों में लगातार इसमें इजाफा हो रहा है।

बता दें, यूक्रेन से युद्ध होने के बाद रूस भारतीय तेल कंपनियों को डिस्काउंट पर तेल निर्यात कर रहा है। इसका परिणाम यह है कि मौजूदा समय में भारत रूस से सबसे अधिक कच्चे तेल का आयात कर रहा है। रूसी कच्चे तेल का भुगतान भारत की ओर से दुबई के रास्ते किया जा रहा है। भारत स्वयं के उपयोग के साथ रूसी कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल में बदलकर यूरोपीय देशों को भी निर्यात कर रहा है। भारतीय तेल कंपनियों को रूस की ओर से करीब 15 डॉलर प्रति बैरल का डिस्काउंट दिया जा रहा है। भारत में ईंधन की मांग में लगातार इजाफा हो रहा है और चालू वित्त वर्ष में इसमें 4.7 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हो सकती है। भारत में ईंधन की मांग वित्त वर्ष में 233.8 मिलियन रह सकती है। इसके साथ एविएशन फ्यूल की मांग भी इस साल 14 प्रतिशत बढ़ सकती है।

इंस्टाग्राम का ब्रॉडकास्ट चैनल टूल रोल आउट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने इंस्टाग्राम का ब्रॉडकास्ट चैनल टूल भारत सहित दुनियाभर में रोल आउट कर दिया है। मेटा के न्यूजरूम में एक ब्लॉग पोस्ट के अनुसार, इस टूल की मदद से क्रिएटर्स या यूजर्स अपने फॉलोअर्स के साथ सीधे कनेक्ट हो सकेंगे और उनके साथ सभी ऑफिशियल अनाउंसमेंट और अपडेट शेयर कर सकेंगे।

ये टूल इस साल फरवरी में अमेरिका में लाया गया था। धीरे-धीरे अन्य क्षेत्रों में इसे रोलआउट किया गया। कुछ चैनल पहले से लाइव हैं, प्रयोग के तौर पर शुरू किया गया था। इसमें मुंबई इंडियंस, ICC और महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना के अकाउंट शामिल हैं। इन चैनलों को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ये फीचर टेलीग्राम और वॉट्सऐप पर पहले से अवेलेबल है। मार्क जुकरबर्ग ने नए फीचर की जानकारी शेयर करने के लिए 16 जून इंस्टाग्राम पर मेटा का ब्रॉडकास्ट चैनल क्रिएट किया है।

शी जिनपिंग से मिले बिल गेट्स

चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने गेट्स को बताया पुराना दोस्त

बीजिंग, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने शुक्रवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की। शी जिनपिंग ने गेट्स को अपना 'पुराना दोस्त' बताते हुए कहा कि वह कोविड-19 महामारी के कारण तीन साल बाद उनसे मिलकर खुश हैं। जिनपिंग ने कहा कि अमेरिका और चीन सहयोग बढ़ाकर दोनों देशों को फायदा पहुंचा सकते हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बिल गेट्स से मुलाकात के दौरान कहा कि आप इस साल बीजिंग में मिले पहले अमेरिकी मित्र हैं। जिनपिंग ने कहा कि हमने हमेशा अमेरिकी लोगों को सम्मान दिया है। हमेशा दोनों देशों के लोगों के बीच दोस्ती जारी रहेगी, ऐसी उम्मीद है। इस सप्ताह के अंत में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन भी चीन का दौरा करेंगे। बिल गेट्स ने खुद अपने ट्विटर हैंडल के जरिए अपनी चीन यात्रा की जानकारी दी है। गेट्स ने ट्वीट करते हुए कहा है कि वे आखिरी बार चीन साल 2019 में गए थे, इसके बाद साल 2023 यानी 4 साल बाद चीन पहुंचे है। शी जिनपिंग और गेट्स आखिरी बार 2015 में मिले थे। गेट्स दुनिया के पांचवें सबसे अमीर आदमी हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक गेट्स 10.89 लाख करोड़ (133 बिलियन डॉलर) की संपत्ति के मालिक हैं। उनकी अधिकांश संपत्ति माइक्रोसॉफ्ट के शेयरों से जुड़ी है। टेस्ला और स्पेसएक्स के CEO एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर आदमी हैं। उनके पास 19 लाख करोड़ (233 बिलियन डॉलर) की संपत्ति है। इससे पहले अभी हाल ही में एलन मस्क ने भी चीन की यात्रा की थी। मस्क ने भी करीब तीन साल बाद चीन यात्रा की। एलन मस्क ने चीन यात्रा के दौरान बैटरी बनाने में दुनिया की नंबर 1 कंपनी CATL के प्रेसिडेंट जेंग युकुन के साथ लंच किया। इसके अलावा उन्होंने चीनी विदेश मंत्री क्विन गेंग से भी मुलाकात की।

BSNL के अधिकारियों व ठेकेदारों ने किया भ्रष्टाचार

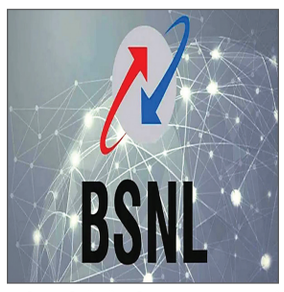

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने भ्रष्टाचार मामले में भारत संचार निगम लिमिटेड के अधिकारियों के 25 ठिकानों पर छापेमारी की है। जांच एजेंसी ने शुक्रवार को बताया कि BSNL असम सर्किल के अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में केस दर्ज किया गया है। इसमें पूर्व जनरल मैनेजर, डिप्टी जनरल मैनेजर, असिस्टेंट जनरल मैनेजर सहित 21 अधिकारी शामिल हैं। जांच एजेंसी ने असम, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और हरियाणा में आरोपियों के घर और ऑफिस सहित 25 जगहों पर छापेमारी कर तलाशी ली है।

जांच एजेंसी के मुताबिक, इन आरोपियों ने BSNL को धोखा देने के लिए एक ठेकेदार के साथ साजिश रची। इस मामले में अब तक CBI ने जोरहाट, सिबसागर, गुवाहाटी सहित अन्य स्थानों के अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज की है। CBI अधिकारियों के मुताबिक, इस मामले में एक इंडिविजुअल के नाम पर भी केस दर्ज किया गया है। शुक्रवार को CBI ने बयान जारी करते हुए कहा था कि ठेकेदार को ओपन ट्रेंचिंग पद्धति के माध्यम से 90 हजार रुपये प्रति किलोमीटर की दर से नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क केबल बिछाने का आदेश दिया गया था। इसमें ठेके की शर्तों में हेरफेरी कर-के BSNL को करीब 22 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया गया है।

सेमीफाइनलः चिराग-सात्विक सुपर-1000 के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय

साउथ कोरिया के पेयर को तीन गेम में हराया

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के जकार्ता में खेले जा रहे इंडोनशिया ओपन में भारत के सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी ने इतिहास रच दिया। मेंस डबल्स जोड़ी सुपर-1000 रेटिंग वाले टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली जोड़ी बन गई है। सात्विक-चिराग ने सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया के कांग मिन और सियो सेउंग-जे को तीन गेम में 17-21, 21-19 और 21-18 से हराया।

सबसे ज्यादा 13 हजार पॉइंट्स वर्ल्ड चैंपियनशिप और ओलिंपिक जीतने पर मिलते है। टोटल पॉइंट्स आधार पर वर्ल्ड रैंकिंग तय होती है। विनर के अलावा, फाइनलिस्ट, सेमीफइनलिस्ट से ले कर टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले शटलर्स को भी ग्रेड और पायदान के हिसाब से पॉइंट्स दिए जाते है। मेंस डबल्स रैंकिंग में सात्विक-चिराग छठे नंबर पर है। पहले नंबर पर इंडोनेशिया के फजर अलफियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो है। इन्हें सात्विक-चिराग ने क्वार्टरफाइनल में दो गेम में 21-13, 21-13 से हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

पूरे मैच के दौरान, सात्विक और चिराग दोनों कोरियाई खिलाड़ियों की सर्विस को चैलेंज करने में नाकाम रहे। फाइनल में सर्विस पर ध्यान देना होगा। भारतीयों को अपने डिफेंस में आई कमी को पूरा करने की जरूरत है। सात्विक और चिराग अपने पहले वर्ल्ड टूर सुपर 1000 फाइनल में इंडोनेशिया के प्रमुद कुसुमवरदाना और येरेमिया एरिच और मलेशिया के हारून चिया और वूई यिक सोह के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेंगे। टूर्नामेंट में मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के एच एस प्रणय को एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। उनका मुकाबला डेनमार्क के टॉप शटलर विक्टर एक्सेलसन के खिलाफ था। एक्सेलसन ने प्रणय को दो गेम में 21-15, 21-15 से हराया।

दलीप ट्रॉफी 28 जून से, 28 IPL स्टार्स खेलेंगे

मुम्बई, एजेंसी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लगातार दो फाइनल गंवाने के बाद BCCI सिलेक्टर्स अब नया बैच तैयार करने में जुटे हैं। यही कारण है कि भारतीय टेस्ट टीम की बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग में दमदार प्रदर्शन करने वाले युवाओं को दलीप ट्रॉफी के लिए जोनल टीमों में चुना गया है। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि आंकड़े बता रहे हैं। मौजूदा सीजन की बात करें तो इस पर दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने जा रही 6 जोनल टीमों में 28 IPL स्टार हिस्सा ले रहे हैं। इस स्टोरी में देखेंगे दलीप ट्रॉफी का शेड्यूल, IPL में प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले खिलाड़ियों का कॅरियर और पिछले सीजन में प्रदर्शन और ये भविष्य की टीम इंडिया में कहां फिट बैठ सकते हैं। इस टूर्नामेंट के साथ BCCI के डोमेस्टिक सीजन की शुरूआत भी हो जाएगी। इस प्रतियोगिता में नार्थ, साउथ, ईस्ट, वेस्ट, सेंट्रल और नार्थ-ईस्ट जोन की टीमें खेली जाएंगी।

'टेस्ट' के लिए तैयार होंगे ईशान

वेस्टइंडीज टूर से पहले ईशान लेंगे स्पेशल ट्रेनिंग में हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन वेस्टइंडीज दौरे से स्पेशल ट्रेनिंग में हिस्सा लेंगे। इस ट्रेनिंग में पार्ट लेने के लिए ईशान एनसीए जाएंगे। बता दें कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की टीम में ईशान का सेलेक्शन हुआ था, लेकिन उनको प्लेइंग इलेवन में खेलने का मौका नहीं मिल सका था। ऐसे में कैरेबियाई दौरे पर ईशान की निगाहें टेस्ट टीम में जगह फिक्स करने पर भी होगी।

पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईशान किशन अन्य सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ियों के साथ अगले हफ्ते नेशनल क्रिकेट एकेडमी पहुंचेंगे। ईशान एनसीए में स्ट्रेंथ और कंडिशनिंग ट्रेनिंग में हिस्सा लेंगे और अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस प्रोगाम के तहत वेस्टइंडीज टूर से पहले खिलाड़ियों को फिजिकल तौर पर मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

ईशान भारत के घरेलू टूनार्मेंट दलीप ट्रॉफी में हिस्सा नहीं लेंगे। ईशान एनसीए में रहकर अपनी फिटनेस पर काम करेंगे और वेस्टइंडीज दौरे के लिए खुद को तैयार करेंगे। दलीप ट्रॉफी का आगाज 28 जून से बैंगलोर में होना और टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला 12 से 16 जुलाई तक चिन्नास्वामी के मैदान पर खेला जाएगा। ईशान किशन को वेस्टइंडीज दौरे पर बतौर विकेटकीपर टेस्ट क्रिकेट में मौका मिल सकता है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में केएस भरत को ईशान के ऊपर तरजीह मिली थी, लेकिन वह बल्ले से बुरी तरह से नाकाम रहे थे। कैरेबियाई दौरे पर टीम इंडिया को दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी-20 इंटरनेशनल मैचों में हिस्सा लेना है। भारतीय टीम टूर का आगाज टेस्ट सीरीज के साथ ही करेगी। पहला टेस्ट 12 जुलाई से खेला जाना है।

रण देओल की शादी में नहीं आएंगी ईशा-अहाना

मुम्बई, एजेंसी। सनी देओल के बेटे करण देओल की शादी की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। बीते दिन कपल की हल्दी सेरेमनी हुई। इससे जुड़े वीडियोज सोशल मीडिया पर भी सामने आए हैं। 18 जून को करण देओल अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड द्दशा आचार्य से शादी करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सनी देओल की बहनें- ईशा देओल और अहाना देओल शादी के फंक्शन में शामिल नहीं होंगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक सनी देओल ने शादी के लिए खासतौर पर ईशा और अहाना को पर्सनली कॉल और मैसेज करके बुलाया है। लेकिन, ईशा और अहाना की मां हेमा मालिनी भी शादी में शामिल नहीं होने वाली हैं। इस वजह से ये कयास लगाए जा रहे हैं कि ईशा और अहाना शादी के फंक्शन में शामिल नहीं होंगी। बीते दिनों करण देओल की हल्दी सेरेमनी में भी दोनों बहनें नहीं दिखाई दी थीं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 18 जून को ताज लैंड्स एंड में संगीत फंक्शन होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईशा संगीत सेरेमनी में नहीं आएंगी। हालांकि, शाम को ईशा रिसेप्शन पार्टी में शिरकत कर सकती हैं। रिसेप्शन में सलमान खान, ऋतिक रोशन और रणवीर सिंह के आने की भी उम्मीद है।

आदिपुरुष की कमाई आज भी है जारी

140 करोड़ कियाका वर्ल्डवाइड कलेक्शन, 85-90 करोड़ रही डोमेस्टिक कमाई

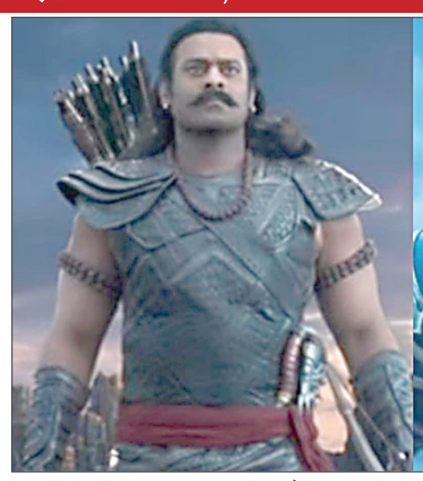

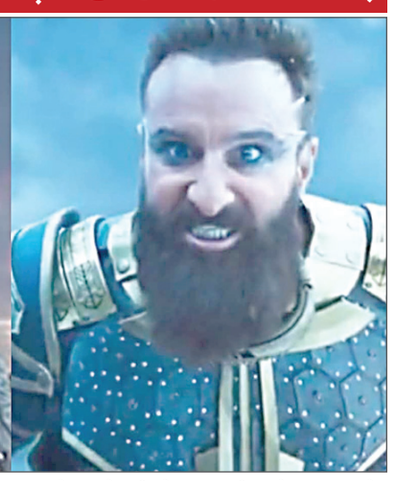

मुम्बई, एजेंसी। आदिपुरुष ने पहले दिन 85-90 करोड़ रुपए का डोमेस्टिक कलेक्शन किया है। इसमें 37.25 करोड़ रुपए हिंदी वर्जन से आए हैं, जबकि 50 करोड़ तेलुगु और अन्य वर्जन से हैं। इसके अलावा फिल्म ने पहले दिन 140 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया है। तमाम विवादों के बावजूद फिल्म के पहले दिन के आंकड़े जबरदस्त हैं।

वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में आदिपुरुष ने प्रभास की ही फिल्म साहो और रजनीकांत-अक्षय कुमार की फिल्म 2.0 को पीछे किया है। शनिवार और रविवार को फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिल सकती है। फिल्म के एडवांस बुकिंग डाटा को देखते हुए कहा जा सकता है कि पहले वीकेंड तक डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 250 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लेगी। प्रभास ने अपनी ही फिल्म साहो का रिकॉर्ड तोड़ा है। 2019 में रिलीज हुई साहो ने पहले दिन 124.6 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था। इसके अलावा इसने रजनीकांत की फिल्म 2.0 के कलेक्शन को भी मात दी है। 2.0 ने पहले दिन पूरी दुनियाभर में 105.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। हालांकि आदिपुरुष, आरआरआर और बाहुबली 2 से काफी पीछे रह गई है। RRR का पूरी दुनियाभर में फर्स्ट डे कलेक्शन 250 करोड़ रुपए था। वहीं बाहुबली 2 ने भी पहले दिन 213 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। आदिपुरुष एक पैन इंडिया फिल्म है, लेकिन इसकी प्राइमरी लैंग्वेज हिंदी है। बाकी के लैंग्वेज में इसे डब किया गया है। इसके बावजूद पहले दिन के आंकड़े उतने भी बेहतर नहीं कहे जा सकते। हिंदी भाषा में सबसे बड़ी ओपनिंग इस साल रिलीज हुई शाहरुख खान की फिल्म पठान को मिली थी। पठान ने 55 करोड़ का फर्स्ट डे कलेक्शन किया था। दूसरे पर KGF 2 का हिंदी वर्जन है जिसने पहले दिन 53.95 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। आदिपुरुष इस लिस्ट में टॉप-5 में भी जगह बना पाई है।

पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है माधवन की 'टेस्ट'

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन की फिल्मों का आखिर कौन नहीं इंतजार करता है। फिल्म 'रॉकेट्रीः द नंबी इफेक्ट' के बाद ऑडियंस माधवन को अगली फिल्म में देखने के लिए बेताब है। जल्द ही ऑडियंस का ये इंतजार भी खत्म होने वाला है, क्योंकि माधवन अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'टेस्ट' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं।

हाल ही में, आर माधवन की स्पोर्ट्स ड्रामा 'टेस्ट' की शूटिंग पूरी हो गई है। माधवन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट के साथ इस गुडन्यूज को शेयर किया है। एक्टर ने एक वीडियो को री-शेयर किया है, जिसके कैप्शन में एक्टर ने लिखा, 'और टेस्ट का रैप-अप हो गया। सबसे अच्छे लोगों से भरा सेट, जिनके साथ मुझे काम करने का प्रिवलेज मिला। स्टनिंग डेब्यू डायरेक्टर और दमदार को-स्टार। आप सभी देखेंगे।' आर माधवन की चर्चित फिल्म 'टेस्ट' का एस सशिकांत निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म में आर माधवन के साथ लीड रोल में सिद्धार्थ और नयनतारा हैं। कुछ समय पहले ही माधवन ने फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर किया था। इसके साथ माधवन ने कैप्शन में लिखा था- 'टेस्ट... शुरू होता है। आप सभी की ब्लेसिंग और गुड विशेज की जरूरत है।'

कानपुर लोडर चालक हत्याकांड का पर्दाफाश, मची सनसनी

गमछे से गला कसकर की थी हत्या, सवारी बनकर रची मौत की साजिश, हर्ष इंटरमीडिएट का है छात्र, घर में तीन लोग हैं दारोगा

महाराजपुर। कानपुर देहात निवासी लोडर चालक की हत्या के सभी आरोपित 18 से 25 साल के बीच के हैं। आरोपितों ने जिस तरीके से वारदात को अंजाम दिया उसको जानकर ये लगा कि ये नौसिखिये नहीं बल्कि बेहद शातिर अपराधी हों।

हिमांशु व हर्ष औरैया से सवारी बनकर लोडर में बैठे थे।इसके बाद चालक को शराब पिलाई और गमछे से गला कसकर हत्या के बाद शव कालपी में फेंककर फरार हो गए। हिमांशु लोडर चलाकर महाराजपुर आया। यहां महाराजपुर निवासी साथी अंकुश के साथ मिलकर लोडर ठिकाने लगाने की योजना बनाई। लोडर बेंचने से पहले ही आरोपितों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई और तीन पकड़े गए। दो फरार हो गए।तीनों आरोपितों को शुक्रवार को जेल भेज दिया गया।

कानपुर देहात के भलार देवराहट निवासी लोडर चालक अरुण बीती 29 फरवरी को भाड़ा लेकर शिकोहाबाद गया था। वापसी में औरैया से जालौन के कालपी गुड़ाखास निवासी 22 वर्षीय हिमांशु निषाद व कानपुर

देहात के भोगनीपुर चांदापुर का 19 वर्षीय हर्ष चौधरी सवारी बनकर लोडर में बैठ गए। इसी दौरान दोनों अरुण की हत्या कर लोडर लूटने की योजना बना डाली।रात में दोनों ने पहले अरुण को शराब पिलाई।इसके बाद गमछे से गला कसकर उसकी हत्या कर दी और शव कालपी में फेंककर गाड़ी लेकर फरार हो गए। अरुण ने हत्या से पहले अपने भाई को बचा लेने की बात कही थी।

उसके बाद फोन बंद हो गया था। सर्विलांस की मदद से पुलिस ने महाराजपुर निवासी रजत को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो घटना के तार जुड़ते गए।घटना में छह आरोपितों के शामिल होने की बात पुलिस को पता चली।लोडर लूटने के बाद हिमांशु व हर्ष महाराजपुर पहुंचे।

यहां हर्ष ने कनवापुर तिलसहरी निवासी अपने मित्र 20 वर्षीय अंकुश को फोनकर लोडर ठिकाने लगाने की बात कही। अंकुश ने महाराजपुर बौसर निवासी रजत, आर्यन व रौनक को भी लोडर बेंचने की योजना में शामिल कर लिया। आर्यन व रौनक ने लोडर बिकवाने की जिम्मेदारी ली थी। जबकि रजत ने अपने परिचित के नर्वल मोड़ स्थित एक खाली प्लाट में लोडर खड़ी करवाई थी।

आरोपितों की मंशा थी कि लोडर बेंचकर रकम आपस में बांट ली जाएगी। लेकिन इससे पहले ही गुरुवार रात महाराजपुर के महुआगांव मोड़ के पास आरोपितों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। जिसमें हिमांशु के पैर में गोली लगी। घेराबंदी में हिमांशु,हर्ष व अंकुश को गिरफ्तार कर लिया गया।जबकि आर्यन व रौनक फरार हो गए। तीनों पकड़े गए आरोपितों को शुक्रवार को जेल भेज दिया गया।घटना के बाद हिमांशु कल्यानपुर में छिप गया था।

कानपुर देहात निवासी हर्ष चौधरी ने बताया कि वो इस साल इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहा था।लेकिन गलत संगत में पड़कर चंद रुपयों के लालच में गुनाह कर डाला। हर्ष ने बताया कि उसके परिवार में तीन लोग दारोगा हैं व एक चचेरा भाई प्रशासनिक अधिकारी भी है। शुक्रवार को थाने पहुंचे उसके चाचा रमेश उसको हवालात में देखकर फफक - फफकर कर रोने लगे। बोले क्या कमी थी जिसके लिए तूने ये कर डाला।

मुख्य हत्यारोपितों की गिरफ्तारी में अंकुश के दोस्त रजत से पुलिस को अहम जानकारियां मिली। जिस दिन चालक की हत्या हुई थी। उसके पांच दिन पहले रजत के पिता की बीमारी से मौत हो गई थी। शुक्रवार को रजत के पिता की तेरहंवी थी। रजत मैथ से एमएससी है और बीएड की तैयारी कर रहा है। महाराजपुर इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि लोडर चालक की हत्या में शामिल हिमांशु,हर्ष व अंकुश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।रौनक व आर्यन फरार हैं।रजत भी मामले में वांछित है।

प्रदेश में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में एक और फर्जीवाड़ा

यह है हाल

महिला लाभार्थी की पोल खुलने पर रोकी गई धनराशि

महाराजपुर। सरसौल में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में शामिल एक और लाभार्थी का फजीर्वाड़ा सामने आया है।

लाभ पाने के लिए महिला ने दोबारा शादी की और उपहार लेकर घर चली गई। गुरुवार को ग्राम पंचायत सचिव ने जांच की तो हकीकत सामने आई। योजना के तहत दी जाने वाली 35 हजार की राशि जारी करने पर रोक लगा दी गई है। वहीं, उपहार वापस कराने को अधिकारी लाभार्थी पर दबाव बना रहे हैं। सरसौल में बुधवार को रामनगर निवासी महिला ने तथ्य छिपाकर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में दोबारा शादी कर ली थी। उपहार देकर विदा कर दिया गया था। बाद में शादी निरस्त कर उपहार वापस लाए गए थे। वहीं गुरुवार को एक और मामला पकड़ में आया। महाराजपुर निवासी महिला ने भी बुधवार को दोबारा शादी की थी और उपहार लेकर घर चली गई।

पोल खुली तो 35 हजार की राशि जारी करने पर लगाई गई रोक : गुरुवार को ग्राम पंचायत सचिव ओमकार की जांच में पोल खुली तो शासन से दी जाने वाली 35 हजार की धनराशि रोक दी गई। ग्राम पंचायत सचिव ने बताया कि महिला पहले से शादीशुदा है। तथ्य छिपाकर उसने बुधवार को दोबारा शादी कर ली। अपात्र पाए जाने पर धनराशि पर रोक लगा दी गई है। उपहार वापस लेकर शादी निरस्त कराई जाएगी।

संघमित्रा के टिकट पर भी संशय

बदायूं के चुनावी मैदान में अब तक नहीं उतरे शिवपाल यादव

बदायूं। राजनीतिक गलियारे में चुनावी गतिविधियां बढ़ती जा रही थीं, लेकिन इस समय भाजपा और सपा दोनों दलों की चुनावी हलचल ठहर सी गई है। बदायूं सीट पर काबिज भाजपा टिकट में उलझ गई है। मौजूदा सांसद डॉ. संघमित्रा मौर्य टिकट को लेकर आश्वस्त दिख रही थीं, लेकिन पहली सूची में जिले का नाम न होने से उन्होंने दिल्ली में डेरा डाल दिया है। टिकट के दूसरे दावेदार भी जिले में नहीं दिख रहे हैं।

दूसरी ओर सपा ने महीने भर पहले टिकट घोषित कर दिया था। चुनावी गतिविधियां बढ़ने लगी थीं, लेकिन अचानक टिकट बदल दिया जिससे चुनाव प्रचार की रफ्तार थम गई। 17 दिन गुजर चुके, लेकिन न तो सपा के उम्मीदवार शिवपाल सिंह यादव अभी तक पहुंचे हैं और न ही पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव ही लौटकर आए हैं। अब लग रहा है कि आचार संहिता लागू होने के बाद ही चुनावी गरमाहट शुरू होगी। संसदीय सीट बदायूं पर वर्तमान में भाजपा काबिज है। हालांकि लंबे समय तक इस सीट पर सपा का कब्जा रहा है। पिछले महीने चुनावी गहमा-गहमी बढ़ने लगी थी। सपा ने यहां से दो बार सांसद रह चुके धर्मेंद्र यादव को टिकट देकर मैदान में उतार दिया था। उन्होंने जनसंपर्क अभियान भी शुरू कर दिया था। पिछले चुनाव की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे थे। अचानक पार्टी ने इनका टिकट निरस्त कर पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इसके पीछे पार्टी में चल रही अंतर्कलह को वजह मानी जा रही है, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। टिकट बदलने के बाद सपा में सन्नाटा पसरा हुआ है।

सत्ताधारी पार्टी भाजपा की बात करें तो पहली सूची जारी होने के पहले सांसद डा.संघमित्रा मौर्य अपना टिकट पक्का मानकर चुनाव अभियान में जुटी थीं, लेकिन टिकट होल्ड कर दिए जाने से असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। हर किसी की निगाह दिल्ली में होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक पर टिकी हुई है। सांसद के अलावा टिकट के दूसरे दावेदारों ने भी अपना दावा मजबूत दिखाने की कोशिश में जुट गए हैं। राजनीतिक गलियारे में अपने-अपने हिसाब से कयास लगाए जा रहे हैं। पिछड़ा वर्ग से ही किसी को टिकट मिल सकता है इसकी संभावना ज्यादा दिख रही है। पार्टी के जिम्मेदार कुछ बताने की स्थिति में नहीं हैं। उनका एक ही जवाब मिल रहा है कि जिसे भी टिकट मिलेगा उसे जिताकर भेजेंगे।

एग्जाम हॉल में छात्रा ने फाड़ दिया प्रश्न-पत्र

बदायूं। बिसौली कोतवाली क्षेत्र के राजकीय कन्या इंटर कालेज में दो मार्च द्वितीय पाली की अंग्रेजी विषय की परीक्षा चल रही थी। केंद्र व्यवस्थापक सावित्री देवी ने बताया कि वह सचल दल के साथ जब कक्ष संख्या 13 में पहुंची तो वहां एक छात्रा पर नकल करने का संदेह हुआ। वह छात्रा बिसौली नगर की ही रहने वाली थी। संदेह होने पर उसकी तलाशी ली गई। लेकिन वहां कुछ नहीं मिला। छात्रा होने के चलते उसे कक्ष से बाहर बाथरूम में ले जाकर सघन तलाशी ली गई। जहां उसके पास पर्ची मिली जिसे उसने निगल लिया। इसके बाद छात्रा को वापस परीक्षा कक्ष में लाया गया। जहां उसने कुछ देर बाद अपनी परीक्षा की कापी फाड़ दी थी। यह पूरा घटनाक्रम कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी रिकार्ड हुआ। केंद्र व्यवस्थापक सावित्री देवी की ओर से पुलिस को शिकायती पत्र दिया गया। पुलिस ने नकल विरोधी परीक्षा अधिनियम के मामले में मामला दर्ज कर लिया है।

ईंट-भट्ठा ठेकेदार की पत्नी व बेटी पर मुकदमा

चचेरी बहनों के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला, जांच में जुटी पुलिस, मिले कई तथ्य

हमीरपुर। सामूहिक दुष्कर्म पीड़ित दो चचेरी बहनों के बाद एक के पिता द्वारा भी जान देने के मामले में ईंट भट्ठा ठेकेदार की पत्नी और बेटी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस दोनों की तलाश भी कर रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी व प्रियंका वाड्रा ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर आरोपितों पर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सिसोलर क्षेत्र की रहने वाली 16 वर्षीय व 14 वर्षीय चचेरी बहनें स्वजन के साथ घाटमपुर के ईंट-भट्ठे में काम करती थीं। दोनों बहनों के शव बीती 28 फरवरी को भट्ठे के पास बेर के पेड़ पर फंदे से लटके मिले थे। आरोप लगा था कि दोनों के साथ एक दिन पहले सामूहिक दुष्कर्म किया गया था और इसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर भी प्रचलित किया गया था।

घाटमपुर थाने की पुलिस ने मजदूरों के ठेकेदार रामरूप, उसके बेटे रज्जू और भांजे संजय के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तीनों को जेल भेज दिया था। घटना के ठीक आठवें दिन बुधवार को दिगवंत 16 वर्षीय किशोरी के पिता और घटना के वादी 55 वर्षीय मजदूर पिता ने गांव के पास पेड़ से गमछे का फंदा लगाकर जान दे दी थी।

स्वजन ने आरोप लगाया था कि घटना से एक दिन पहले ठेकेदार की पत्नी ने उनके घर आकर हंगामा किया था और मुकदमा वापस लेने का दबाव भी बनाया था। सिसोलर थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि मृतक के पुत्र की तहरीर पर गांव के ही ठेकेदार रामरूप की पत्नी निर्मला व उसकी पुत्री सुधा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में मुकदमा दर्ज किया है।

एसपी डा. दीक्षा शर्मा ने बताया कि अभी दोनों फरार हैं। जिनकी तलाश के लिए पुलिस की दो टीमें लगा दी गई हैं। साथ ही सर्विलांस टीम को भी अलर्ट कर दिया गया है। आरोपित जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा ने घटना पर सवाल उठाए हैं। राहुल ने एक्स पर लिखा कि यूपी में दो बहनों ने अपने साथ हुए दुष्कर्म के बाद फांसी लगा ली, अब न्याय न मिलने और मुकदमा वापस लेने के दबाव पर उनके पिता को भी फांसी लगानी पड़ी। मप्र की एक घटना का उल्लेख करते हुए लिखा कि डबल इंजन सरकार में न्याय मांगना गुनाह है। प्रियंका ने उन्नाव की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आखिर प्रदेश की करोड़ों महिलाएं क्या करें, कहां जाएं।

वसूली से बचने को भाग रहे ट्रक ने मासूम को कुचला

दर्दनाक

भीड़ ने जाम लगाकर वाहनों में की तोड़फोड़

आगरा। सदर क्षेत्र में ग्वालियर हाईवे पर नगला पदमा में रविवार देर रात सड़क पार करते समय मां के सामने ही सात साल के इकलौते बेटे को ट्रक ने रौंद दिया। दुर्घटना के बाद ट्रक लेकर चालक फरार हो गया। इसके बाद लोगों का गुस्सा हाईवे पर जा रहे अन्य वाहनों पर उतरा। कई ट्रकों व अन्य वाहनों में लोगों ने तोड़फोड़ कर दी। राहगीरों से भी अभद्रता और मारपीट की। उनके आक्रोश को देखते हुए थाना पुलिस भी भाग निकली। कई थानों के फोर्स के साथ अधिकारी पहुंच गए। देर रात तक ग्वालियर हाईवे से जाम नहीं खुल सका।

खेरागढ़ के गोरऊ गांव के रहने वाले नीरज अपनी पत्नी और छः साल के इकलौते पुत्र गोलू के साथ अपने चाचा हरि सिंह के बेटे गौरव की शादी में आए थे। हरि सिंह का ग्वालियर रोड पर स्थित नगला पदमा में घर है। नगला पदमा में स्थित सेठ गार्डन में ही रविवार को शादी समारोह चल रहा था।

नीरज की पत्नी रात 12.30 बजे बेटे गोलू को लेकर सड़क पार करके चाचा हरिसिंह के घर जा रही थी। इसी दौरान मासूम गोलू मां श्रीदेवी की अंगुली छोड़ आगे बढ़ गया। तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात ट्रक ने गोलू को रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अपनी आंखों के सामने इकलौते बेटे की मौत देखकर मां बेहाल हो गई। वह दहाड़ मारकर रोने लगी।

मौके पर पहुंचे लोगों ने राहगीरों से मारपीट भी की। थोड़ी देर में ही करीब दर्जनभर से अधिक ट्रक और बाईकों में तोड़फोड़ कर दी। लोगों का आक्रोश देखकर मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी वहां से पीछे भाग गए। कई थानों का पुलिस फोर्स पहुंच जाने के बाद वे दोबारा पहुंचे। काफी देर तक पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों का समझाया, लेकिन देर रात तक जाम नहीं खुल सका। ऐसे में पुलिस ने दोनों ओर हाईवे पर वाहनों को दुर्घटनास्थल से पहले ही रोक दिया।

स्थानीय लोगों का कहना था कि थाना प्रभारी की शह पर ककुआ चौकी से लेकर प्रताप पूरा तक जगह - जगह पुलिस कर्मी ट्रकों से वसूली करते हैं। इसके चलते ट्रक चालक तेज रफ्तार में वाहन को भगाते हैं। इसके चलते पूर्व में भी कई हादसे हो चुके हैं।

मां पीती थी शराब, नाराज बेटे ने कर दी हत्या

अमानीगंज (अयोध्या)। मां की शराब पीने की लत से नाराज बेटे ने ही उसे मौत के घाट उतार दिया। दो दिन पूर्व गदुरही बाजार में घर के सामने मिले महिला के शव के मामले में पुलिस ने यह चौंकाने वाला अनावरण किया है। आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। गत पांच मार्च को स्थानीय निवासी 42 वर्षीय रघुराजी का शव घर के बाहर मिला था। उसके शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिले थे। प्रथम दृष्टया ही यह मामला हत्या का प्रतीत हुआ था। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गद्दोपुर रामकेश मौर्य ने इस मामले में पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर सुनील कुमार सिंह ने बताया कि थानाध्यक्ष खंडासा मनोज यादव ने गदुरही बाजार के समीप ईंट भट्ठे के पास से मृतका के आरोपी पुत्र गुड्डू को गिरफ्तार किया है। गुड्डू ने बताया कि आए दिन उसकी मां शराब पीती थी। मना करने पर झगड़ा लड़ाई करती थी।

फेज दो में विकसित होगा न्यू आगरा अर्बन सेंटर

एजेंसी चयन की प्रक्रिया शुरू, चयनित एजेंसी सर्वे कर मास्टर प्लान के साथ अपनी रिपोर्ट सौंपेगी

आगरा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) आगरा में न्यू आगरा अर्बन सेंटर बनाएगा। यह 10 हजार 500 हेक्टेयर में बनेगा। मास्टर प्लान-2031 के फेज दो में न्यू आगरा अर्बन सेंटर को शामिल करते हुए यीडा ने मास्टर प्लान तैयार करने को सलाहकार एजेंसी से प्रस्ताव मांगे हैं। चयनित एजेंसी सर्वे कर मास्टर प्लान के साथ अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

यीडा ने फेज दो में मास्टर प्लान-2031 में आगरा के अधिसूचित क्षेत्र को शामिल करते हुए न्यू आगरा अर्बन सेंटर की रूपरेखा पर काम शुरू किया गया है। यीडा के अधिसूचित क्षेत्र में आगरा के 60 गांव अधिसूचित हैं। इन गांवों का कुल क्षेत्रफल 11 हजार 455 हेक्टेयर है। यीडा इसमें से 10 हजार 500 हेक्टेयर का मास्टर प्लान तैयार करने जा रहा है। इसके लिए

सलाहकार एजेंसी नियुक्त की जाएगी। न्यू आगरा अर्बन सेंटर में औद्योगिक, आवासीय, हरित क्षेत्र समेत सभी तरह की अनुमन्य गतिविधियां होंगी।

सलाहकार एजेंसी को रिपोर्ट में जनसंख्या, ट्रांसपोर्ट सिस्टम, सड़कों का संरचनात्मक ढांचा, पर्यावरण की स्थिति, आर्थिक-सामाजिक सुविधाएं, उद्योग की स्थिति व संभावना, कारोबार की स्थिति, यमुना नदी समेत क्षेत्र में मौजूद जल स्रोत की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार करनी होगी। लैंड यूज, लोकेशन प्लान, ट्रांसपोर्ट मास्टर प्लान, कैपिटल इंवेस्टमेंट्स प्लान आदि इसमें शामिल होंगे।

आगरा, ताज ट्रेपेजियम जोन में शामिल है। यहां प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना पर प्रतिबंध है। न्यू आगरा अर्बन सेंटर में हरित श्रेणी वाले प्रदूषण रहित उद्योग व पर्यटन से जुड़ी गतिविधियों और सर्विस उद्योग को यीडा द्वारा प्राथमिकता दी जाएगी।

यीडा की 79वीं बोर्ड बैठक में न्यू आगरा अर्बन सेंटर का मास्टर प्लान तैयार कराने पर सहमति दी गई थी। यीडा की आगरा में यमुना एक्सप्रेसवे के दोनों ओर डेढ़-डेढ़ किमी के दायरे में चार विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) विकसित करने की योजना है। चारों एसईजेड में इलेक्ट्रानिक व्हीकल्स, इलेक्ट्रानिक्स आधारित उद्योग लगाए जाएंगे। आवासीय, संस्थागत, वाणिज्यिक व अन्य गतिविधियां होंगी। एसईजेड का स्वरूप पूर्णतः एक छोटे औद्योगिक शहर के रूप में होगा।

यीडा सीईओ डा. अरुणवीर सिंह के अनुसार, आगरा में यीडा के अधिसूचित क्षेत्र में न्यू आगरा अर्बन सेंटर का मास्टर प्लान तैयार कराया जाएगा। इसके लिए सलाहकार एजेंसी नियुक्त करने को प्रस्ताव मांगे गए हैं। मास्टर प्लान तैयार होने के बाद आगरा अर्बन सेंटर में विकास कार्य शुरू किए जाएंगे।

सरयू नदी में नहाते समय छह बच्चे डूबे, तीन मरे

अयोध्या (सोनू चौधरी)। रामनगरी घूमने आए तीन युवकों की स्नान करते समय सरयू नदी में डूब कर मौत हो गई। उनके तीन अन्य साथियों को बचा लिया गया है। कानपुर के बर्रा विश्व बैंक कॉलोनी निवासी रवि मिश्रा प्रांशु सिंह चौहान, हर्षित अवस्थी, कृष्ण सहगल तनिष्क पाल व अमन शर्मा शनिवार को रामनगरी घूमने आए थे। सभी नाका क्षेत्र में रुके हुए थे।

रविवार की सुबह सभी रामनगरी में श्मशान घाट के निकट सरयू तट पर स्नान कर रहे थे। तभी रवि मिश्रा, प्रांशु, व हर्षित अवस्थी गहरे पानी में डूबने लगे अन्य लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो सके। जल पुलिस व अयोध्या पुलिस ने काफी प्रयास के बाद तीनों के शवों को बरामद कर लिया है। कोतवाल अयोध्या मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि रवि प्रांशु हर्षित की डूबने से मौत हो चुकी है उनका शव बरामद कर लिया गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है।

संघर्षों से भरा था शास्त्रीजी का

नई दिल्ली, एजेंसी। आज लाल बहादुर शास्त्री भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे और व्यवहार से काफी एक विनम्र और समर्पित नेता थे। उन्हें आज भी उनकी सरल जीवनशैली, ईमानदारी और निष्ठा के लिए याद किया जाता है। शास्त्री जी का जन्म 2 अक्टूबर, 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। एक गरीब परिवार में जन्मे शास्त्री जी के पिता देहांत तब हुआ था, जब वह सिर्फ डेढ़ साल के थे। उनकी मां ने बड़ी कठिनाई से उन्हें और उनके दो भाई-बहनों का पालन-पोषण किया। शास्त्री जी एक प्रतिभाशाली और महत्वाकांक्षी छात्र थे, जिन्होंने अपनी प्रतिभा के दम पर वाराणसी के एक राष्ट्रवादी विश्वविद्यालय काशी विद्यापीठ से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। वह महात्मा गांधी की शिक्षाओं से काफी प्रभावित थे और साल 1921 में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गए।

शास्त्री जी के जीवन से जुड़ी कुछ जरूरी बातें-

अहिंसक विरोध प्रदर्शन और सविनय अवज्ञा आंदोलनों में भाग लेने के लिए शास्त्री जी को अंग्रेजों द्वारा कई बार कैद किया गया था। इतना ही नहीं उन्होंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। साल 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद शास्त्री ने उत्तर प्रदेश सरकार में परिवहन और रेलवे मंत्री के रूप में कार्य किया था। इसके बाद वह साल 1952 में भारतीय संसद के निचले सदन लोकसभा के लिए चुने गए। इसके अलावा उन्होंने साल 1951 में केंद्र सरकार में रेल मंत्री और साल 1956 में वाणिज्य और उद्योग मंत्री के रूप में भी कार्य किया है।

साल 1961 में, शास्त्री को भारत के गृह मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। इस दौरान उन्होंने भारत और चीन के बीच सीमा विवाद के संवेदनशील मुद्दे को बड़ी कुशलता और कूटनीति से संभाला। साथ ही उन्होंने 1961 में पुर्तगाली शासन से गोवा की मुक्ति में भी अहम भूमिका निभाई थी। 1964 में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद उन्हें शास्त्री को सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री के पद के लिए चुना गया। उन्होंने 9 जून, 1964 से 11 जनवरी, 1966 तक भारत के दूसरे प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। प्रधानमंत्री रहते हुए शास्त्रीजी ने कई चुनौतियों का सामना किया, जिनमें 1965 का भारत-पाकिस्तान युद्ध और देश में भीषण सूखा शामिल था। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था और कृषि को बढ़ावा देने के लिए हरित क्रांति समेत कई पहल शुरू कीं। शास्त्रीजी एक लोकप्रिय एवं सम्मानित नेता थे। हालांकि, 11 जनवरी, 1966 को देश ने इस महान शख्सियत को खो दिया।

अब दस घंटे में तय होगा दिल्ली-वडोदरा का सफर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और वडोदरा के बीच की सड़क यात्रा का समय घटकर 10 घंटे होने वाला है। दिल्ली और वडोदरा के बीच सबसे तेज दौड़ने वाली ट्रेन से इस सफर को तय करने में लगभग 10 घंटे और 45 मिनट का समय लगता है, जबकि अन्य ट्रेनें 12 से 15 घंटे का समय लेती हैं।

नया एक्सप्रेस-वे दिल्ली और वडोदरा के सफर को सोहना, दौसा, लालसोट सवाई माधोपुर, कोटा, रतलाम दाहोद और गोधरा से गुजरते हुए आधा कर देगा। पहले जिस सफर को तय करने में 18-20 घंटे लगते थे, वहां अब सिर्फ 10-10.30 घंटे लगेंगे। मालूम हो कि वर्तमान में, दिल्ली से वडोदरा पहुंचने के लिए दो सीधे मार्ग हैं, जिसमें एक जयपुर, भीलवाड़ा और उदयपुर की ओर से और दूसरा लक्ष्मणगढ़, लालसोट और कोटा की ओर से होते हुए गुजरता है। बता दें कि जयपुर-उदयपुर मार्ग थोड़ा छोटा है और इसमें लगभग 17 घंटे लगते हैं।

फिर निकला जाति जनगणना का जिन्न, गरमाई सियासत

अखिलेश बोले- निश्चित हो गया कि पीडीए ही राजनीति का भविष्य, हम तरक्की की ओर

लखनऊ। बिहार सरकार ने जाति जनगणना के आंकड़े जारी कर दिए हैं। इस पर यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़े पीडीए के लिए भविष्य का रास्ता खोलेंगे। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, बिहार जाति आधारित जनगणना प्रकाशित : ये है सामाजिक न्याय का गणतीय आधार। जातिगत जनगणना 85-15 के संघर्ष का नहीं बल्कि सहयोग का नया रास्ता खोलेगी और जो लोग प्रभुत्वकामी नहीं हैं बल्कि सबके हक के हिमायती हैं, वो इसका समर्थन भी करते हैं और स्वागत भी।जो सच में अधिकार दिलवाना चाहते हैं वो जातिगत जनगणना करवाते हैं। भाजपा सरकार राजनीति छोड़े और देशव्यापी जातिगत जनगणना करवाए। जब लोगों को ये मालूम

पड़ता है कि वो गिनती में कितने हैं तब उनके बीच एक आत्मविश्वास भी जागता है और सामाजिक नाइंसाफी के खिलाफ एक सामाजिक चेतना भी, जिससे उनकी एकता बढ़ती है और वो एकजुट होकर अपनी तरक़्क़ी के रास्ते में आनेवाली बाधाओं को भी दूर करते हैं, नये रास्ते बनाते हैं और सत्ताओं और समाज के परम्परागत ताकतवर लोगों द्वारा किए जा रहे अन्याय का खात्मा भी करते हैं। इससे समाज बराबरी के मार्ग पर चलता है और समेकित रूप से देश का विकास होता है। जातिगत जनगणना देश की तरक़्क़ी का रास्ता है। अब ये निश्चित हो गया है कि ढऊअ ही भविष्य की राजनीति की दिशा तय करेगा। बिहार में आंकड़े जारी होने के बाद यह मामला तूल पकड़ सकता है। राजद, बसपा, सपा और कांग्रेस लंबे समय से जाति आंकड़े जारी करने की मांग कर रहे हैं। बिहार में सामान्य वर्ग के लोगों की आबादी 15 प्रतिशत है। बिहार की नीतीश कुमार सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट जाति आधारित जनगणना की रिपोर्ट में यह बात आयी है। सोमवार को मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने यह रिपोर्ट जारी की।बिहार में सामान्य वर्ग के लोगों की आबादी 15 प्रतिशत है। पिछड़ा वर्ग की आबादी 27 प्रतिशत से ज्यादा है, जबकि अनुसूचित जाति की आबादी करीब 20 फीसदी है। नीतीश कुमार सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट जाति आधारित जनगणना की रिपोर्ट में यह बात आयी है। सोमवार को बिहार सरकार के प्रभारी मुख्य सचिव विवेक सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर आंकड़ों की पुस्तिका जारी की।

फ्रांस में पर्यटकों की संख्या पर लगेगी लगाम

सख्तीः पर्यटकों की आमद रौंद रही हरी-भरी वनस्पतियों को, द्वीपों पर जाने के लिए लेना होगा टूरिज्म पास

रेनेस, एजेंसी। यूरोप पिछले कई वर्षों से अधिक पर्यटकों के आने की समस्या का सामना कर रहा है। विशेष रूप वर्तमान में, फ्रांस के कई शहर भीड़भाड़ से गुजर रहे हैं। इन फ्रांसीसी शहरों ने स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए पूरे देश में कई लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर एक मजबूत स्टैंड लिया है और आरक्षण प्रणाली लागू की है। एक लोकप्रिय फ्रांसीसी द्वीप ब्रेहट इस गर्मी में आगंतुकों की संख्या को सीमित कर रहा है, ताकि यहां रहने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या ना हो। ब्रेहट अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण पर चिंताओं को लेकर ओवरटूरिज्म के खिलाफ हो गया है।

ब्रेहट के मेयर ओलिवियर कैरे ने कहा, मुख्य भूमि से 10 मिनट की नाव की सवारी के माध्यम से द्वीप तक पहुंचने वाले आगंतुकों की संख्या 14 जुलाई से 25 अगस्त के बीच अधिकतम 4,700 तक सीमित होगी। द्वीप, केवल 377 स्थायी निवासियों का घर, यूरोपीय संघ के संरक्षण नेटवर्क नेचुरा 2000 का हिस्सा है जिसका उद्देश्य सबसे कमजोर प्रजातियों के आवासों की रक्षा करके जैव विविधता को बढ़ावा देना है। फर्म लिटोमैटिक के एक अध्ययन के अनुसार, रमणीय परिदृश्य पर्यटकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र है, जिसमें एक वर्ष में 450,000 से अधिक लोग द्वीप पर आते हैं। वसंत और गर्मियों में, एक ही दिन में आगंतुकों की संख्या लगभग 6,000 तक पहुंच सकती है। महापौर ने कहा, कम्यून कचरे की मात्रा को संभालने में असमर्थ है जो पर्यटन के महीनों के दौरान 10 गुना बढ़ जाता है। बाढ़ द्वीप के उत्तर में संरक्षित क्षेत्रों को प्रभावित कर रही है। पोनेंट आइलैंड्स एसोसिएशन (एआईपी) के एक अध्ययन के अनुसार, भीड़ स्वयं पर्यटकों के लिए भी एक बाधा है, जिसके परिणामस्वरूप आगंतुक संतुष्टि में तेजी से गिरावट आई है। फ्रांस टूरिज्म एलायंस ने इस साल की शुरूआत में कहा था कि 80 प्रतिशत पर्यटक देश के सिर्फ 20 प्रतिशत क्षेत्र में आते हैं। इस वर्ष की पहली तिमाही में 2019 के करीब वॉल्यूम देखा गया।

फ्रांस टूरिज्म एलायंस ने सिफारिश की है कि पर्यटन संचालक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कम लोकप्रिय साइटों को बढ़ावा दें, साथ ही साइटों पर दैनिक कोटा, अनुसूचित टिकट और उच्च टैरिफ जैसी तकनीकों को अपनाएं। अभी हाल ही में, मार्सिले के पास कैलनकस नेशनल पार्क ने घोषणा की कि वह सुगिटोन कोव में जाने के लिए एक आरक्षण प्रणाली बनाए रखेगा जिसे पहली बार कोविड-19 महामारी के दौरान लागू किया गया था। सीमित समय में यात्रा के साथ, क्रिस्टलीय भूमध्यसागरीय पानी के साथ चट्टानी पगडंडियों पर प्रतिदिन 2,500 से अधिक पर्यटकों की आमद देखी गई, जो हरे-भरे वनस्पतियों को रौंद रहे थे।

पार्क के निदेशक गेल बर्थौड के अनुसार, यह सुनिश्चित करता है कि किसी दिन केवल 400 लोग साइट पर जा सकते हैं। फ्रांस के दक्षिणपूर्वी तट पर पोरकेरोल्स द्वीप पर स्थित राष्ट्रीय उद्यान में परिदृश्य की रक्षा के समान प्रयास में तीन गर्मियों के लिए दैनिक आगंतुकों की संख्या 6,000 तक सीमित है।

2022 में सिंगापुर में 476 लोगों ने आत्महत्या की

सिंगापुर। पिछले साल यानी 2022 में 476 लोगों ने आत्महत्या की। नॉन-प्रोफिट सुसाइड प्रीवेंशन सेंटर समार्टियन्स ऑफ सिंगापुर (SOS) के मुताबिक, ये संख्या पिछले 20 सालों में सबसे ज्यादा रही। 2021 की तुलना में सुसाइड रेट 25.9% बढ़ा। 2021 में 378 लोगों की मौत आत्महत्या की वजह से हुई थी। बताया कि रोमांटिक रिलेशनशिप, पारिवारिक, आर्थिक और रोजगार से जुड़ी समस्याओं के चलते लोगों ने सुसाइड किया। SOS ने ये जानकारी इमिग्रेशन एंड चेकपॉइंट्स अथॉरिटी के हवाले से दी। SOS ने बताया कि लगातार चौथे साल भी 10-29 साल के बच्चों और युवाओं की मौत का कारण आत्महत्या रहा। यानी इस एज ग्रुप में होने वाली एक तिहाई मौतें सुसाइड की वजह से हुई। वहीं, 2021 की तुलना में 70-79 साल के कई लोगों ने भी सुसाइड किया। ये संख्या 2022 में 60% बढ़ गई। बुजुर्गों ने अकेलेपन, पारिवारिक समस्याओं और स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों के चलते आत्महत्या की।

विधान परिषद के लिए भाजपा प्रत्याशी घोषित, वाराणसी के धर्मेंद्र सिंह बनाये गये उम्मीदवार

नई दिल्ली। भाजपा ने यूपी में होने वाले विधान परिषद चुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने प्रदीप उपाध्यक्ष, विजय बहादुर पाठक, डॉ. महेंद्र सिंह, अशोक कटारिया को फिर से मौका दिया है। इसके अलावा, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह, डॉ धर्मेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल और राम तीरथ सिंह को टिकट दिया है। विधान परिषद के इस चुनाव में विधान सभा के सदस्य वोट देंगे। पांच मई को कुल 13 सीटें रिक्त होंगी, जिनके लिए चुनाव कराया जा रहा है। 13 सीटों पर होने वाले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 10 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। इनमें 9 सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी होंगे। एक सीट अपना दल एस को गठबंधन में दी जाएगी। अपना दल (एस) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष पटेल प्रत्याशी होंगे। उधर, समाजवादी पार्टी ने अपने प्रत्याशी लगभग तय कर लिए हैं। पार्टी अपने प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री बलराम यादव और पूर्व विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को विधान परिषद में भेजेगी। इन पर पार्टी में उच्चस्तर पर सहमति बन चुकी है, सिर्फ औपचारिक घोषणा होना बाकी है। भाजपा के यशवंत, विजय बहादुर पाठक, विद्यासागर सोनकर, डॉ. सरोजनी अग्रवाल, अशोक कटारिया, अशोक धवन, बुक्कल नवाब, महेंद्र कुमार सिंह, निर्मला पासवान, मोहसिन रजा, अपना दल (एस) के आशीष पटेल, बसपा के भीमराव आंबेडकर और सपा के नरेश उत्तम पटेल का कार्यकाल पांच मई को समाप्त हो रहा है।

सियासतः 'आप' के दो पार्षदों की घर वापसी 21, दिन पूर्व भाजपा से जुड़े थे

एक अब भी भाजपा में, मेयर चुनाव के बाद बदला था पाला

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी छोड़कर गए तीन पार्षदों में से दो की शनिवार को घर वापसी हो गई। इन दोनों पार्षदों के नाम हैं पूनम देवी और नेहा मूसावत। इन दोनों ने एक अन्य पार्षद गुरचरण काला के साथ 18 फरवरी को भाजपा का दामन थाम लिया था। यह वो समय था जब चंडीगढ़ के मेयर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने वाली थी। भाजपा ज्वॉइन करने पर इनकी काफी स्वागत-सत्कार हुआ था और पार्टी में अहम जिम्मेदारियां देने की बात भी कही गई थी। उधर आम आदमी पार्टी के दो पार्षदों के वापस पार्टी ज्वॉइन करने से भाजपा को बड़ा झटका लगा है। तीन आप पार्षदों के साथ आने से बहुमत में आई बीजेपी अब फिर से चंडीगढ़ नगर निगम में अल्पमत में आ गई है। बता दें कि तीन पार्षदों के पाला बदल से नगर निगम में कांग्रेस कमजोर हो गई थी। कांग्रेस की संख्या 20 से घटकर 17 रह गई थी। चुनाव के समय भाजपा के मेयर को विजयी घोषित किया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में उसे तगड़ा झटका लगा था। इसके बाद पहली बार वहां पर इंडिया गठबंधन का मेयर बना था। हालांकि पार्षदों का पाला बदलने का फायदा भाजपा को मिला था और उसने सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर चुनावों में जीत मिली थी। गौरतलब है कि 30 जनवरी को चंडीगढ़ में मेयर का चुनाव हुआ था। कांग्रेस ने इस धांधली का आरोप लगाते हुए कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट ने पूरी चुनावी प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी और बैलट पेपर भी सील करने का आरोप लगा दिया था। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने मेयर चुनाव के रिटर्निंग अफसर रहे अनिल मसीह को फटकार लगाते हुए कहा था कि यह लोकतंत्र की हत्या है।

सीबीआई और ईडी की भूमिका पर उठाया सवाल

लखनऊ। प्रदेश सपा मुख्यालय पर शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में भाजपा, जदयू और बसपा के कई नेताओं ने समाजवादी पार्टी ज्वॉइन की। जनता दल यूनाइटेड के नेता एवं पूर्व विधायक सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, औरैया के पूर्व विधायक मदन गौतम, पूर्व सांसद भालचंद्र यादव के पुत्र सुबोध यादव, बीएसपी से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी इलियास अंसारी, पूर्व मंत्री शाकिर अली के पुत्र परवेज अली, हरदोई के बसपा नेता तिलक चंद्र वर्मा ने पार्टी की सदस्यता ली। रालोद के वरिष्ठ नेता लतेश बिधूड़ी, भाजपा नेता डॉ. सीताराम राजपूत, कमलेश कुमार गौतम और अजीतमल ने अपने समर्थकों समेत सपा की सदस्यता ली। इस मौके पर पत्रकार वार्ता में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए सीबीआई और ईडी पर बड़ा निशाना साधा।

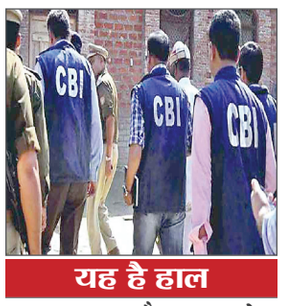

यह है हाल

बसपा, जदयू और भाजपा के कई नेता सपा में हुए शामिल

कहा कि कुछ संस्थाएं हमेशा के लिए खत्म कर देनी चाहिए। जैसे नेताजी (मुलायम सिंह यादव) ने चुंगी समाप्त की थी। सीबीआई और ईडी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए अखिलेश ने कहा कि ये एजेंसियां सरकार के इशारे पर फंसाने का काम करती हैं। कहा कि 10 साल से ज्यादा हिटलर का भी शासन नहीं रहा था, मौजूदा सरकार भी जाने वाली है।

न रुके परियोजनाओं का कार्य

लखनऊ, सं.। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास कार्यों को जारी रखने के लिए केंद्रांश की प्रतीक्षा न किए जाने का निर्देश दिया है। कहा है कि केंद्रांश के अभाव में कोई कार्य रुकना नहीं चाहिए। राज्यांश जारी कर निर्माण कार्य चालू रखे जाएं। मंत्रियों को निर्देश दिया कि वे विभागीय आवंटन व खर्च की नियमित समीक्षा करें।

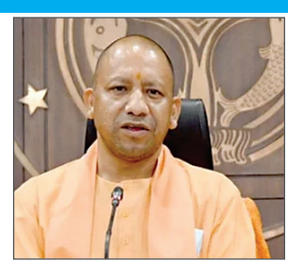

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 में शासन द्वारा जारी स्वीकृतियों, विभागाध्यक्ष द्वारा आवंटित धनराशि, व्यय तथा केंद्र सरकार से लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्त धनराशि की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। विभागवार बैठक के बाद योगी ने कहा कि व्यापक जनहित के विकास कार्यों में तेजी लाई जाए। परियोजनाओं की गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही समाप्त हो चुकी है। सभी विभाग वर्तमान बजट में की गई व्यवस्था के तहत धनराशि का उचित खर्च सुनिश्चित करें। आवंटन व व्यय में तेजी लाई जाए। विभाग स्तर भी पर खर्च की समीक्षा की जाए। संबंधित मंत्री अपने विभाग की समीक्षा करें। योगी ने मुख्य सचिव को विभागीय आवंटन व व्यय की स्थिति की मासिक समीक्षा किए जाने का निर्देश दिया।

कहा कि प्रदेश के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार से हर संभव सहायता मिल रही है। केंद्र से सामंजस्य स्थापित कर परियोजनाओं की अवशेष धनराशि प्राप्त की जाए। इसके लिए विभागीय मंत्री खुद केंद्र सरकार के मंत्रियों से संवाद करें। कहा कि केंद्रांश के अभाव में परियोजना बाधित न रखें।

विभागाध्यक्ष की भी इसमें सक्रिय भूमिका निभाएं। सभी विभाग शत-प्रतिशत उपयोगिता प्रमाण पत्र भी समय से भेजें। योगी ने कहा कि उच्च शिक्षा, महिला कल्याण, बाल विकास व पुष्टाहार, अवस्थापना व औद्योगिक विकास, समाज कल्याण, ग्राम्य विकास, लोक निर्माण, खाद्य रसद, नगर विकास, चिकित्सा स्वास्थ्य, सिंचाई व जल संसाधन व अन्य विभागों की योजनाएं सीधे तौर पर लोगों को प्रभावित करने वाली हैं। इनमें तेजी की आवश्यकता है। कहा कि ग्राम पंचायतों व नगरीय वार्डों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने की योजना महत्वपूर्ण है। बेसिक शिक्षा विभाग व पंचायती राज विभाग के साथ समन्वय बनाकर उच्च शिक्षा विभाग इसे तेजी से पूरा कराए। सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किए जाने का निर्देश भी दिया।

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा- वुहान लैब में संक्रमित हुए थे तीन साइंटिस्ट

महामारी कोरोना का लेकर FBI के पास मौजूद हैं कई सबूत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। कोरोना वायरस आखिर कहां से आया था? यह बड़ा सवाल बना हुआ है। अब एक अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह वायरस चीन की वुहान लैब से ही लीक हुआ था और बाद में इसने पूरी दुनिया को चपेट में ले लिया। रिपोर्ट के अनुसार, वुहान लैब के तीन वैज्ञानिक सबसे पहले कोरोना इन्फेक्शन का शिकार हुए थे। इन तीनों के नाम भी सामने आ चुके हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन की इस हरकत के तमाम सबूत अमेरिकी खुफिया एजेंसी FBI के पास मौजूद हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है- इंतजार इस बात का है कि अब अमेरिकी सरकार दुनिया के सामने कब सबूत रखेगी और चीन के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी। न्यूज वेबसाइट 'पब्लिक' के अलावा कुछ और न्यूज पोर्टल्स ने तीन अमेरिकी पत्रकारों की कोरोना पर एक्सक्लूसिव रिपोर्ट पब्लिश की है। ये तीन जर्नलिस्ट्स हैं- माइकल शेलेनबर्गर, मैट ताइबी और एलेक्स गुटेटेंग।

रिपोर्ट के मुताबिक- शक अब सच साबित हो रहा है। 2019 के आखिर में कोरोना वायरल चीन के वुहान लैब से ही लीक हुआ था। सबसे पहले इसी लैब के तीन साइंटिस्ट संक्रमित हुए थे। शुरूआत में इसे रअफ्र वायरस माना गया था। अमेरिकी सरकार में मौजूद सूत्रों के मुताबिक- जो तीन वैज्ञानिक सबसे पहले संक्रमित हुए थे, उनके नाम बेन हू, यू पिंग और यान झू थे। तीनों इस लैब के लीड रिसर्चर्स थे।

जर्नलिस्ट्स की इस टीम ने अमेरिकी सरकार के सूत्रों से पूछा- आप जिन तीन वैज्ञानिकों के नाम बता रहे हैं, उनके बारे में आप कितने श्योर हैं कि यही तीन सबसे पहले कोविड-19 इन्फेक्शन का शिकार हुए थे? सूत्र ने कहा- हम 100% श्योर हैं। अब यह अमेरिकी संसद की जिम्मेदारी है कि वो इंटेलिजेंस एजेंसीज और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इन्फेक्शियस डिसीज के डायरेक्टर डॉक्टर एंथनी फौसी से जवाब तलब करे।

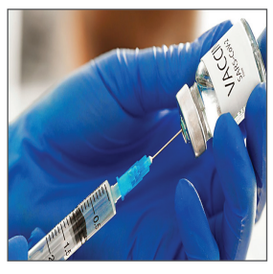

चीन ने वुहान लैब में जांच की मंजूरी नहीं दी थी। बाद में हल्ड की टीम को यहां जाने तो दिया गया, लेकिन उसकी पहुंच बहुत कम जगहों तक थी।

रिपोर्ट तैयार करने वाले जर्नलिस्टस कहते हैं- अब सवाल ये है कि अमेरिका कब से इन तमाम बातों को जानता है और उसने चुप्पी क्यों साध रखी है? इसी साल फरवरी में FBI डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे ने कहा था- हम काफी वक्त से जानते हैं कि कोरोना वायरस वुहान लैब से ही लीक हुआ था। अब सवाल ये उठता है कि क्या ये खुलासा पहले नहीं किया जा सकता था। अब तक तो चीन ने तमाम सबूत ही मिटा दिए होंगे। बहरहाल, कई लोग मानते हैं कि कोरोना कैसे लीक हुआ या कहां से आया, अब इस पर बहस बेमानी है। उनके मुताबिक- इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोरोना कैसे शुरू हुआ।

अब कुछ अमेरिकी इंस्टीट्यूशन्स भी इस मामले को दबा देना चाहते हैं। दूसरी सरकारें भी कुछ नहीं कर रहीं। न्यूयॉर्क पोस्ट की कोरोना और वुहान लैब पर रिपोर्ट को तो फेसबुक ने तक बैन कर दिया था। ट्विटर ने भी इस साजिश पर काम करने वाले जर्नलिस्ट को चुप करा दिया। 2021 में बाइडेन ने कोविड मामले की जांच के लिए टीम बनाई थी, 3 साल बाद भी इसकी रिपोर्ट का कुछ पता ठिकाना नहीं है। दो साल पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों से कोरोना के ओरिजन पर बारीकी से जांच करने के लिए कहा था। रिपोर्ट 90 दिन में मांगी थी। बाइडेन ने जांच एजेंसियों को चीन की वुहान लैब से वायरस निकलने की आशंका को लेकर भी जांच करने को कहा था। उन्होंने कहा था- अमेरिका उन देशों के साथ सहयोग जारी रखेगा, जो वायरस की जांच सही ढंग से कराना चाहते हैं। इससे चीन पर पारदर्शी और अंतर्राष्ट्रीय जांच में भाग लेने का दबाव डालने में आसानी होगी। बहरहाल, इस जांच और उसकी रिपोर्ट का स्टेटस कितने लोगों को पता है, ये अमेरिका ही जानता है।

डिजिटल व्यापार सुविधा देने के प्रयास में अब भारत सबसे आगे

यूएनईएससीएपी ने किया खुलासा, विकसित देशों को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्थव्यवस्था की विकास दर के बाद भारत अब डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा देने के प्रयास में भी सबसे आगे निकल गया है। इस मामले में संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) की तरफ से सर्वे किया गया था, जिसमें भारत 140 देशों को पीछे छोड़ते हुए व्यापार सुविधा देने के प्रयास में सबसे आगे दिखा। इन देशों में कनाडा, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी सहित कई विकसित देश भी शामिल हैं।

वर्ष 2023 के लिए किए गए सर्व में भारत को 93.55 फीसद अंक मिले। वर्ष 2021 में यूएनईएससीएपी के इस सर्वे में भारत को 90.32 प्रतिशत अंक मिले थे। जानकारों का कहना है इस रिपोर्ट से डिजिटल व अन्य प्रकार की व्यापारिक सुविधा देने के मामले में भारत की प्रतिबद्धता जाहिर होती है जिससे देश के निवेश और मैन्यूफैक्चरिंग में बढ़ोतरी तय है। सर्वे में 60 प्रकार के सुविधा उपायों का मूल्यांकन किया गया जिसके आधार पर रिपोर्ट जारी की गई।

पारदर्शिता, औपचारिकताएं, संस्थागत व्यवस्था, सहयोग और कागज रहित व्यापार संबंधी मूल्यांकन में भारत ने 100 प्रतिशत का उत्कृष्ट अंक हासिल किया है। ये उल्लेखनीय अंक व्यापार प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, पारदर्शिता बढ़ाने, व्यापार की सुविधा के लिए सिंगल विंडो इंटरफेस (स्विफ्ट), प्री-अराइवल डेटा प्रोसेसिंग, ई-संचित, समन्वित सीमा प्रबंधन आदि जैसी पहल से हासिल हो पाए हैं। वित्त मंत्रालय के मुताबिक ये अंक व्यापारिक हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में भारत के अथक प्रयासों का भी प्रमाण हैं। व्यापार सुविधा मूल्यांकन के तहत महिलाओं से जुड़ी सुविधा के स्कोर में बढ़ोतरी देखी गई। 'व्यापार सुविधा में महिलाएं' घटक के लिए 2021 में भारत को 66.7 प्रतिशत अंक मिले थे जो वर्ष 2023 में बढ़कर 77.8 प्रतिशत हो गए।

अमित शाह ने ट्वीट की एसडीआरएफ की तस्वीर

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को प्रत्येक तीर्थयात्री को सुरक्षित अमरनाथ यात्रा प्रदान करने के लिए एनडीआरएफ टीम की सराहना की। अमरनाथ यात्रा को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की सराहना करते हुए ट्वीट किया, 'एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सभी बाधाओं के बावजूद राष्ट्र और मानवता की सेवा में हमेशा खड़े रहे हैं। प्रत्येक तीर्थयात्री को सुरक्षित अमरनाथ यात्रा प्रदान करने के हमारे लक्ष्य को पूरा करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है।'

शाह ने ट्वीट किया, 'एक एसडीआरएफ जवान की तस्वीर साझा कर रहा हूं, जो एक महिला यात्री को अपनी पीठ पर बिठाकर पवित्र मंदिर से वापस लौटते समय हिमालय के दुर्गम इलाके से 3 किमी तक ले गया। मैं नागरिकों के लिए सुरक्षा का प्रतीक बनने के लिए उनकी सराहना करता हूं।'

जापान में यौन अपराध पर नियंत्रण के लिए सरकार की 'ठोस' पहल

टोक्यो, एजेंसी। जापान में सहमति से संबंध बनाने की उम्र को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। जापान सरकार ने सहमति से संबंध बनाने की उम्र 13 साल से बढ़ाकर 16 साल कर दी है। बता दें कि जापान ही ऐसा एकमात्र देश है जहां पर सहमति से संबंध बनाने की उम्र 13 साल थी। हालांकि, इसे बढ़ाकर अब 16 साल कर दिया गया है। नया कानून दुष्कर्म अभियोजन की जरूरतों को भी स्पष्ट करता है। संसद के ऊपर सदन ने शुक्रवार को सर्वसम्मति के साथ यौन अपराध कानून में बदलाव को मंजूरी दी।

ताक-झांक करना भी अपराध की श्रेणी में आता है। नए कानून में यह स्पष्ट किया गया है। साल 1907 में जापान में यह कानून बना था। ऐसे में सहमति से संबंध बनाने की उम्र 13 साल थी, जो दुनियाभर के देशों में सबसे कम थी। हालांकि, जापान ने पिछली बार 2017 में यौन

कानून

सहमति से सम्बंध बनाने की उम्र बढ़ाई

अपराध कानूनों को संशोधित किया था, लेकिन प्रचारकों ने इसे अपर्याप्त बताया था। साल 2019 में दुष्कर्म के मामलों में कई लोगों को बरी होते हुए देखा गया है। जिसके चलते देशव्यापी रैलियां शुरू हुईं। शुक्रवार को पारित हुए विधेयक में कई उदाहरणों का उल्लेख किया गया है। जिसके तहत दुष्कर्म का मुकदमा चलाया जा सकता है। इनमें शराब या नशीली दवाओं के प्रभाव में पीड़ित को डराना या आपराधिक स्थिति का लाभ उठाना इत्यादि शामिल है।

इंडिया जिंदगी का अहम हिस्साः कमला हैरिस

अमेरिकी उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस ने भारत में बिताए बचपन के पल को किया याद

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के दौरान भारत से जुड़ी अपनी कुछ यादों का जिक्र किया और देश का गुणगान किया। कमला हैरिस ने कहा कि भारत के इतिहास और शिक्षाओं ने दुनिया को प्रभावित और आकार दिया है। देश ने अपने दर्शन के माध्यम से लाखों लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत उनके जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है और वह गहराई से इस देश से जुड़ी हुई हैं।

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्वारा पीएम मोदी के सम्मान में आयोजित दोपहर के भोजन में अपने संबोधन में कमला हैरिस ने कहा, भारत और भारत के इतिहास और शिक्षाओं ने न केवल मुझे प्रभावित किया है, बल्कि उन्होंने निश्चित रूप से पूरे विश्व को आकार दिया है। पूरे इतिहास में, भारत ने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया है, चाहे दर्शन और धर्मशास्त्र के माध्यम से या लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से।

इस दौरान कमला हैरिस ने अपने बचपन की यात्रा को याद किया, जब वह भारत आई थीं। उन्होंने कहा कि जब मेरी बहन माया और मैं बड़े हो रहे थे, तो हमारी मां हमें लगभग हर दूसरे साल भारत ले जाती थी। उन यात्राओं के कई उद्देश्य थे, जिनमें यह भी शामिल था कि हम अच्छी तरह से समझ सकें कि वह कहा से आई थी, ताकि हम अपने नाना-नानी, अपने मामा-मामी के साथ समय बिता सकें। हैरिस ने कहा कि हमने अपने नाना-नानी से मिलने के लिए उस जगह की यात्रा की, जिसे उस समय मद्रास कहा जाता था।

वास्तव में मेरे नाना मेरी जिंदगी के सबसे अहम लोगों में से एक थे। हम बचपन में एक-दूसरे के मित्र थे। हैरिस ने कहा कि उनके नाना का उनके जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव था।

कमला हैरिस ने कहा कि मैं सबसे बड़ी पोती थी और इसलिए जैसा कि मुझे यकीन है कि आप में से कई लोग जानते होंगे कि सबसे बड़ा होना कितना महत्व रखता है। हालांकि, मेरे नानाजी हम सभी भाई-बहनों से बराबर प्यार करते थे, लेकिन मैं अपने परिवार की अकेली ऐसी बच्ची थी, जिसे नानाजी अपने सुबह की दिनचर्या में शामिल होने की अनुमति देते थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब हम बच्चे थे, तब तक मेरे नानाजी एक सिविल सेवक के पद से रिटायर हो चुके थे। इस कारण उनकी सुबह की दिनचर्या का सबसे पहला काम अपने रिटायर दोस्तों के साथ समुद्र तट पर लंबी सैर करना था। मैं इन यात्राओं पर अपने नानाजी का हाथ पकड़ती थी और उनकी और उनके दोस्तों की बातें ध्यान से सुनती थी।

किसानों के बिजली बिल में मिलेगी ब्याज में छूट

कराना होगा 30 जून तक ऑनलाइन पंजीकरण, एक अप्रैल 2023 से पहले के बकाया बिल के लिए हुआ प्रावधान

वाराणसी। प्रदेश सरकार ने किसानों के बकाये बिजली बिल में छूट देने का प्रावधान लागू किया है। जिन किसानों का एक अप्रैल 2023 से पहले का बिजली बिल बकाया है, उनके लिए एक मुश्त समाधान (ओटीएस) योजना लागू कर दी गई है। इसके तहत कुछ शर्तों के साथ किसानों को 30 जून तक पंजीकरण करना होगा।

दरअसल, किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने की घोषणा को अमल में लाने में जुटी सरकार ने इसे कुछ शर्तों के दायरे में बांधा है। मुफ्त बिजली का लाभ सिर्फ उन्हीं किसानों को मिल सकेगा,

जिनका मार्च-23 से पहले का कोई बिजली का बिल बकाया नहीं है। यदि बकाया है तो उन्हें मुफ्त बिजली योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए उसे चुकता करना होगा। सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली की खपत की सीमा भी सरकार ने तय की है। ऊर्जा विभाग और यूपी पावर कारपोरेशन ने इस संबंध में जारी आदेश में स्थिति को स्पष्ट किया है।

किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली का लाभ एक अप्रैल-23 से दिया जा रहा है, लेकिन उन्हें 31 मार्च 2023 से पहले के सभी बकाया का भुगतान करना होगा। ऊर्जा विभाग ने बकाया चुकाने के तीन विकल्प किसानों को दिए हैं।

पहले विकल्प के तहत एकमुश्त बकाया भुगतान करने पर सौ प्रतिशत ब्याज और विलंब अधिभार में छूट दी जाएगी। वहीं, दूसरे विकल्प के तहत यदि तीन समान किस्तों में बकाया चुकाया जाता है, तो ब्याज व विलंब अधिभार में 90 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। तीसरा विकल्प छह किस्तों में बकाया चुकाने का है। इसके तहत ब्याज और अधिभार में 80 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यदि किसान किस्तों में बकाया चुकाने का विकल्प चुनता है और समय पर अदायगी नहीं कर पाता है तो उसे छूट का लाभ नहीं मिलेगा।

यूपीपीसीएल सूत्रों की माने तो बकाया भुगतान में छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए उपभोक्ताओं को 30 जून तक ४स्र्स्रू'.ङ्ग१ँ पर पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के साथ ही बकाये मूलधन की 30 प्रतिशत धनराशि जमा करनी होगी। बिजली छूट का प्रयोग जिम्मेदारी से करने के लिए बिजली खपत के मानक भी सरकार ने तय किए हैं। जो किसान 30 जून तक ओटीएस योजना में पंजीकरण कराकर पूर्व का बिल जमा नहीं करेंगे, उनको फ्री निर्धारित यूनिट 1300/1045 क्षेत्रानुसार का लाभ नहीं मिलेगा।

विद्युतकर्मियों के सीपीएफ भुगतान की आस जगी

वाराणसी। विद्युत कर्मियों के बकाये सीपीएफ भुगतान की आस जगी है। इसके लिए विद्युत परीक्षण खंड-चितईपुर के एक्सईएन ने उप मुख्य लेखाधिकारी को पत्र लिखा है। जबकि विद्युत वितरण खंड पंचम अभी भी अपने कर्मचारियों के सीपीएफ मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। एक हिन्दी अखबार में समाचार प्रकाशित होने के बाद विद्युत परीक्षण खंड-चितईपुर हरकत में आया और वहां के अधिशासी अभियंता ने अपने खंड से संबंधित 30 कर्मचारियों के एरियर भुगतान के लिए पूरी डिटेल के साथ उप मुख्य लेखाधिकारी को पत्र लिखा है। जबकि नगरीय विद्युत वितरण खंड पंचम-इमिलिया घाट से संबंधित 10 कर्मचारियों के सीपीएफ खातों के बाबत वहां के जिम्मेदारी अधिकारी ने अभी भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। विद्युत मजदूर पंचायत उत्तर प्रदेश के मंडल मंत्री व प्रवक्ता अंकुर पांडेय का कहना है कि संगठन ने 40 कर्मचारियों के सीपीएफ भुगतान के बाबत लगातार पत्राचार किया है। अब जाकर सफलता हाथ लगती दिख रही है। हालांकि परीक्षण खंड-चितईपुर के एक्सईएन ने अपने यहां के कर्मचारियों के बकाये भुगतान के लिए समूचे विवरण के साथ पत्र भेज दिया है, लेकिन उप मुख्य लेखाधिकारी कार्यालय ने उसे अभी तक संज्ञान में नहीं लिया है।

लूट की नीयत से हुई थी चालक की हत्या

वाराणसी। बीते 25 फरवरी को वरुणा नदी किनारे खंडहर में मिले शव के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को मीडिया के समक्ष पेश करते एसीपी विदुषी सक्सेना ने बताया कि लूट की नियत से चालक की हत्या की गयी थी। एंसीपी कैण्ट विदूषी सक्सेना ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी सोनू शराबी है और लूट-छिनैती के धन्धे में लिप्त है। उस रात को भी एक ठे-के पर बैठकर उसने शराब पी और फिर राजकुमार चौधरी को मौत के घाट उतार दिया। दीनापुर सह गोल दानापुर पटना, निवासी राजकुमार चौधरी उर्फ पिंटू (35) बीते 25 फरवरी को अपने वाहन स्वामी संदीप कुमार सिन्हा व अन्य को लेकर वाराणसी काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए आया था। दर्शन पूजन के बाद छावनी स्थित होटल में कार समेत मालिक को छोड़ा। घूमने के नियत से रुपये लेकर पैदल ही निकल गया था।

सवा करोड़ के गांजा के साथ अरेस्ट

वाराणसी। मिर्जामुराद स्थानीय पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली मुखबिर की सूचना पर एक मिनी ट्रक से दो कुंतल 44 किलो 880 ग्राम गांजा बरामद करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए गांजा की कीमत एक करोड़ 22 लाख रुपया बताया गया। पुलिस ने कार्रवाई कर तस्कर को जेल भेज दिया। पुलिस लाइन के नवीन सभागार में डीसीपी गोमती जोन मनीष कुमार शांडिल्य व एडीसीपी आकाश पटेल व एसीपी राजातालाब अजय कुमार श्रीवास्तव ने मिर्जामुराद पुलिस द्वारा पकड़े गए गांजा तस्कर को मीडिया के आमने पेश करते हुए बताया कि गुरुवार की शाम मिर्जामुराद थानाध्यक्ष आनंद चौरसिया व खजुरी चौकी प्रभारी हरिनारायण शुक्ला खजुरी पुलिस चौकी के सामने हाईवे पर संदिग्ध वाहन चेकिंग कर रहे थे, तभी मुखबिर द्वारा पुलिस को सूचना मिली कि एक मिनी ट्रक में गांजा छिपाकर कानपुर जा रहा है। हाइवे के सर्विस रोड से एक मिनी ट्रक आते देख पुलिस द्वारा घेरा बंदी कर मिनी ट्रक को रोककर तलाशी लिया गया तो ट्रक के केबिन व डाला के बीच में डेढ़ फीट के जगह में प्लेट लगाकर 2 कुंतल 44 किलो 880 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया। गिरफ्तार चालक उन्नाव जिले के अचलगंज क्षेत्र के मवइया माफी गांव निवासी पंकज शुक्ला व ट्रक मालिक छत्तीसगढ़ प्रान्त के बोरगांव कोंडागांव जिले के सुशंकर व्यापारी हाउस नंबर 13 स्कूलपारा कुरेगांव केम्प सिंगारपुरी निवासी मणिशंकर बनिक के खिलाफ धारा 8/20/29/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर चालक को शुक्रवार को लिखा पड़ी करने के बाद जेल भेज दिया।

मानव सेवा सबसे बड़ी सेवाः शंकरपुरी

वाराणसी। महाशिवरात्रि पर शिवभक्तों के लिए अन्नपूर्णा मंदिर मठ की ओर से शहर के चार जगहों पर फलाहार की व्यवस्था की गई थी। इसमें बांसफाटक, गोदौलिया बड़ादेव, विश्वनाथ गली के पास कोतवालपुरा तथा शिवपुर स्थित ब्रह्मचारी आश्रम पांचों पंडवा में शिविर लगाया गया था। शिविर में श्रद्धालुओं के लिए फलाहारी आलू, साबूदाने की खिचड़ी, शकरकंद की खीर की व्यवस्था की गई थी। जबकि शिवपुर में पंचक्रोशी से लौटे भक्तों के लिए गर्म पानी तथा पेयजल व अन्य सामान की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर अन्नपूर्णा मंदिर मठ के महंत शंकरपुरी महराज ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ी सेवा है। मठ की ओर से इस मौके पर शिविर लगाया गया है। इसी तरह विश्व हिंदू परिषद की ओर से चौके में अरुण कुमार जायसवाल के नेतृत्व में शिवभक्तों के लिए सहायता शिविर लगाया गया था।

महाशिवरात्रि पर शिवमय रही काशी, भोर से ही श्रद्धालु आ जमे थे शिव मंदिरों में

विश्वनाथ धाम में उमड़ा भक्तों का सैलाब, ज्ञानवापी से बांसफाटक गोदौलिया, दशाश्वमेध तक लगी रहीं कतारें, मंगला आरती के समय श्रद्धालुओं पर बरसाये गए पुष्प

वाराणसी। महाशिवरात्रि पर शिव की नगरी काशी पूरी तरह शिवमय रही। काशी विश्वनाथ धाम में आस्थावान श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा रहा। बाबा विश्वनाथ का दर्शन एवं जलाभिषेक करने के लिए दूर दराज के अलावा देश के विभिन्न कोनों से श्रद्धालु काशी पहुंचे थे। महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा दरबार में बाबा श्री काशी विश्वनाथ की एक झलक पाने के लिए दर्शनार्थी गुरुवार की शाम से ही कतार बद्ध होकर सभी प्रवेश द्वारों पर इंतजार करने लगे थे। भोर से ही श्रद्धालुओं की मंदिर के बाहर कतारें लग गई थी। भोर में मंगला आरती के पश्चात 4 बजे बाबा का कपाट खोला गया। इसके साथ ही जयकारे संग बाबा दरबार में दर्शन-पूजन शुरु हो गया। पांच द्वारों से बाबा दरबार में भक्तों का प्रवेश किया जा रहा था। पांचों द्वारों पर फूलों व इलेक्ट्रिक झालरों की सजावट की गई थी। जैसे ही बाबा का पट खुला मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण ने पुष्प वर्षा कर भक्तों का स्वागत किया। साथ ही सभी भक्तों को सुलभ दर्शन देने का दिलासा दिलाया। भोर में पट खुलने से लेकर सुबह सात बजे तक दो लाख दर्शनार्थी बाबा का दर्शन-पूजन कर चुके थे। शिवभक्तों की आस्था के सबसे बड़े उत्सव महाशिवरात्रि पर काशी में बाबा विश्वनाथ दरबार में हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे थे। विश्वनाथ धाम में लाखों भक्तों की कतार लगी रही। भोर से ही भक्त बाबा के दर्शन को आतुर दिख रहे थे। ज्ञानवापी गेट नं. 4 से दो लाइन लगी थी जिसमें एक अन्नपूर्णा मठ से तथा दूसरी सरस्वती फाटक तथा एक लाइन ललिता घाट की ओर से लगी थी। दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए परिसर में चारों ओर बैरिकेडिंग की गई थी। जगह- जगह स्थानों पर पेयजल चिकित्सा की टीमें तैनात रही। महाशिवरात्रि को लेकर काशी विश्वनाथ धाम में देश विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबा के दरबार में पहुंचे थे। श्रद्धालुओं ने भोर से ही बाबा का जलाभिषेक कर अपने परिवार तथा अपने जीवन के मंगल की कामना की। सुबह चार से लेकर सायंकाल चार बजे सात लाख 26 हजार भक्त बाबा का दर्शन-पूजन कर चुके थे। मंदिर में भक्तों के आने का क्रम लगातार जारी था। महाशिवरात्रि पर बाबा दरबार में रात्रि भर जागरण होता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में सुगम दर्शन पर रोक लगी है। वहीं सभी प्रकार के टिकट भी निरस्त हैं। महाशिवरात्रि पर बाबा के दर्शन को लाखों की संख्या में भक्त उमड़ रहे हैं। इसलिए भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा को लेकर मंदिर परिसर में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था रही।

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने किया दर्शन

महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में आम भक्तों की तरह सिद्धार्थ मल्होत्रा भी दर्शन को पहुंचे। काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन कर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने बाबा का आशीर्वाद लिया। वीआईपी दर्शन पर रोक के चलते आम लोंगो की तरह ही एक्टर ने भी बाबा के दर्शन किए। उनको अपने बीच देख प्रशंसकों में भी खुशी की लहर दौड़ गई। दोगुने जोश में भक्तों ने हर- हर महादेव का उद्घोष किया।

मार्कंडेय महादेव में लाखों ने किया दर्शन-पूजन

चौबेपुर। गंगा गोमती के पावन संगम स्थली कैथी स्थित मारकण्डेय महादेव धाम में महाशिवरात्रि के अवसर पर भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। अर्धरात्रि से ही दर्शन पूजन लम्बी कतार लगाये भक्त श्रद्धापूर्वक अपनी बारी की

प्रतीक्षा करते रहे। धाम क्षेत्र में हर तरफ ओम नमः शिवाय और हर हर महादेव का उद्घोष गूंजता रहा। पूजन में चन्दन से श्रीराम लिखे बेलपत्र, धतूरा, मदार के पुष्प और दुग्ध की विशेष रूप से मांग रही। गंगा गोमती संगम तट और गंगा घाट पर स्नान के बाद जलाभिषेक का सिलसिला लगातार चलता रहा। स्नानार्थियों की सहायता और सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा घाटों पर पर्याप्त व्यवस्था की गयी थी। सुरक्षा व्यवस्था में जुटे चौबेपुर थाना प्रभारी विद्या शंकर शुक्ल के अनुसार शाम तक लगभग पांच लाख से ऊपर भक्त दर्शन कर चुके थे। मेले में गाजीपुर, जौनपुर, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़,बलिया, चंदौली सहित पूर्वांचल के तमाम जिलों से लोग पहुंचे थे। मेला क्षेत्र में सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया था जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं को निःशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही थी। व्यवस्था की दृष्टि से चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों को बृहस्पतिवार की रात से गाँव के पहले मंदिर से लगभग 2 किलोमीटर पहले रोक दिया गया था। हर हर महादेव, ओम नमः शिवाय का उद्घोष करते हुए लोग पैदल चल कर धाम तक आते रहे।

शिवालयों में दर्शनार्थियों की उमड़ी भीड़

वाराणसी। महाशिवरात्रि पर शुक्रवार को शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। हर कोई अपने-अपने समीप के शिवालयों में जाकर दर्शन-पूजन के साथ ही जलाभिषेक भी कर रहा था। सायंकाल हर शिवालयों पर श्रृंगार के साथ ही भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया था। दारानगर स्थित महामृत्युंजय महादेव मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लगी थी। इसी तरह त्रिलोचन स्थित त्रिलोचन महादेव मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की दर्शन-पूजन के लिए भीड़ उमड़ी थी। मच्छोदरी स्थित कामेश्वर महादेव (मनकामेश्वर मंदिर) में श्रद्धालुओं की काफी भीड़भाड़ रही। मंदिर के पुजारी राजेश गिरी ने भक्तों के बीच प्रसाद वितरित किया। इसी तरह प्रहलादघाट स्थित प्रहलादेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। इस मौके पर मंदिर परिसर में महिलाओं ने भजन-कीर्तन गाया।

कोलकाता ने संभाला फूल-माला बाजार, आई मदार की बड़ी खेप

मुंहमांगी कीमत पर बिक गईं मालाएं

वाराणसी। महाशिवरात्रि का पर्व हो और बाबा भोलेनाथ को उनकी मनपसंद की चीजों को न चढ़ाया जाए, यह कैसे हो सकता है। जी हां, शुक्रवार को बाबा के भक्तों को उनकी पसंद के सामानों को खरीदने के लिए मुंहमांगी कीमत चुकानी पड़ी। बात चाहे मदार की माला की रही हो या फिर धतुरा-बिल्वपत्र आदि की। बाबा भोलेनाथ के भक्तों को फूल-माला विक्रेताओं ने 'लूटा' ही नहीं बल्कि उनके पॉकिट पर 'डाका' तक डाला। मदार की तीन-चार रुपये में बिकने वाली छोटी माला 15-20 रुपये में बेचा गया तो बिल्वपत्र, धतुरा समेत अन्य प्रकार की फूल-मालायें भी मुंहमांगी कीमत पर बेची। भक्ति में लीन भक्त लूटते गये। बांसफाटक एवं मलदहिया फूल मंडी का नजारा बदला हुआ दिखा। महाशिवरात्रि पर बाबा को खुश करने के लिए में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी थी। किसान और व्यापारी भाव कम करने की बात तो दूर आवाज लगाकर ग्राहकों को बुला तक नहीं रहे थे। इतना ही नहीं शिवालयों-देवालयों के इर्द-गिर्द फूल-माला की दुकान लगाये विक्रेताओं ने तो ग्राहकों को लूटने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी। भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए ग्राहकों की विवशता मुंहमांगी कीमत पर माला-फूल खरीदने की। मदार की फसल की कमी के चलते कोलकाता ने फूल बाजार को संभाला। गुरुवार की रात कोलकाता से मदार के माला की खेप स्थानीय मंडियों में पहुंची। हालांकि पिछले दिनों बारिश के कारण फूलों के कारोबार पर भी असर पड़ा है। आवक कम होने के कारण फूलों की कीमतों पर असर पड़ा।

फुटकर बाजार में मदार की छोटी माला जहां 20 रुपये और गेंदा फूल संग मदार की माला 15 रुपये पीस बिक गया। वहीं, बिल्वपत्र 150 से 200 रुपये किलो। धतुरा जहां 100-120 रुपये किलो तो प्रति पीस पांच से 10 रुपये। गेंदा की छोटी माला 10-15 रुपये और नीलकंठ की माला 20 रुपये प्रति पीस। अड़ऊल की माला भी 15-20 रुपये प्रति पीस बिका। जबकि दूब 10-15 रुपये गांठ। इतना ही नहीं, पानी मिला दूध भी देवालयों के इर्द-गिर्द जमकर बिकता रहा। भक्त भी एक दिन लूटने को तैयार थे, क्योंकि उनके अंदर अपने बाबा के प्रति श्रद्धा और भक्ति जो थी। इसलिए वे मुंहमांगे दाम पर पूजन-सामग्रियां खरीदने पर विवश हुए।

संक्षेप समाचार...

बीएचयू कुलपति ने किया जलाभिषेक

वाराणसी। बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने शुक्रवार को परिसर स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर में चल रहे श्री शिवमहापुराण की पूर्णाहुति दी। इसके उपरांत उन्होंने जलाभिषेक कर आरती की। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह, श्रीविश्वनाथ मंदिर के मनित व्यवस्थापक प्रो. विनय कुमार पांडेय, सह व्यवस्थापक प्रो. सुभाष पांडेय आदि मौजूद थे।

कब्जा करने वालों पर केस

वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के ब्रिजएनक्लेव एक्सटेंशन कॉलोनी में सार्वजनिक पार्क व मंदिर को जेसीबी से तोड़कर कब्जा करने वाले ओमप्रकाश सिंह और आशीष सिंह के खिलाफ पुलिस ने रविंद्र राय की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया। आरोपियों ने बुधवार दोपहर को जेसीबी से पार्क और दीवार तोड़कर कब्जा करने लगे।अवैध कब्जा करने का विरोध करने दोनों ने गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दिया।

चोरी के मामले में नौकरानी पर केस

वाराणसी। बड़ी पटिया इलाके में स्थित त्रिदेव रेजिडेंसी अपार्टमेंट में रहने वाले डॉक्टर यतीश भुवन पाठक के घर में काम करने वाली नौकरानी हेमलता यादव नारायणपुर चौबेपुर की रहने वाली के खिलाफ चोरी करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया।आरोप है कि आरोपी विगत दो महीने से उनके घर में काम कर रही थी। बुधवार को उनके घर में लगी सीसीटीवी कैमरे कपड़े से बंद कर दी। इसके बाद उनके कमरे में रखा एक लाख 32 हजार रुपए चोरी कर लिया। उसके बाद कमरे पर से कपड़ा को हटा दिया। पिछले दो फरवरी को उनके कमरे से 35 हजार चोरी हो गया था। जिसे उन्होंने नजर अंदाज कर दिया। आरोपी महिला उनके घर में साढे तीन साल की बच्ची के साथ अकेली थी। इस दौरान घर में कोई बाहरी का प्रवेश नहीं हुआ था।पुलिस आरोपी हेमलता यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

बेटे को अगवा कर विवाहिता को किया गायब

मिर्जामुराद। बच्चों को घर पर जाकर ट्यूशन पढ़ाने वाले शिक्षक का विवाहिता से दिल लग गया।विवाहिता की चाहत में आशिक कुछ माह पूर्व उसके बेटे को अगवा करने के साथ ही पति पर चाकू से वार किया।हालांकि पंचायत के बाद मामले में सुलह हो गया।इसके कुछ बाद आशिक ने विवाहिता को बहका-फुसलाकर घर से भगा गायब कर दिया।गाजीपुर के नन्दगंज निवासिनी विवाहिता की मां दो माह तक परेशान होने के बाद पुलिस कमिश्नर को प्रार्थना पत्र दी।सीपी के निर्देश पर गुरुवार की रात पुलिस ने मेंहदीगंज गांव निवासी शमशेर के खिलाफ केस दर्ज कर खोजबीन शुरू की हैं।

कोहरे में सौ की स्पीड से चल सकेंगी ट्रेनें

इस बार घने कोहरे में भी नहीं प्रभावित होंगी ट्रेनें, रेलवे की ओर से की जा रही है बड़ी तैयारी

वाराणसी। हर वर्ष ठंड के मौसम में घना कोहरा के चलते ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लग जाती है, परिचालन भी पूरी तरह से प्रभावित होता है। लेकिन अब रेलवे की ओर से एक ऐसी डिवाइस बनायी जा रही है जिससे घने कोहरे में भी ट्रेनों के परिचालन पर असर ना पड़ें, और कोहरे में 40 नहीं बल्कि ट्रेनें 100 की स्पीड से पटरी पर संचालित हो सके। उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में ठंड के मौसम में घना कोहरा आ जाने से चालक को रास्ता दिखाई नहीं देता है और ट्रेनें सौ के स्थान पर 40 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चलाई जाती है जिससे ट्रेन संचालन प्रभावित होता है। मैदानी क्षेत्रों के इतर पहाड़ों पर इससे भी खराब हालत होती है। इस समस्या के समाधान के लिए लगातार रेलवे की तकनीकी टीम खोजने का प्रयास कर रही है। रेलवे तेज गति से ट्रेन चलाने के लिए कलर लाइट सिग्नल लगाया और इंजन में कोहरे के समय जीपीएस द्वारा संचालित उपकरण लगाए जाते हैं। दोनों सिस्टम से सिग्नल दिखाई देने व स्टेशन आने की जानकारी चालक को जानकारी मिल जाती है, लेकिन रास्ता दिखाई नहीं देता है, जिससे कारण ट्रेनों की गति नहीं बढ़ाई जा सकती है। रेलवे इस समस्या के समाधान के लिए रेल बजट के लिए पिंक बुक में पहली बजट का प्रावधान किया है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत दस ट्रेनों में दृष्टि प्रणाली लगाने के लिए 75 लाख रुपये का बजट का प्रावधान किया है। यह प्रणाली समुद्र के अंदर दिखाई देने वाली प्रणाली के उच्चीकृत कर बनाया जाना है। घने कोहरे में चालक को दृष्टि प्रणाली के द्वारा एक किलो मीटर दूर तक दिखाई देगा, जिससे ट्रेनों को 120 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चलाया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं **प्रधान संपादक अजीत कुमार सिंह, स्थानीय संपादक प्रिया दूबे,** कुतुलूपुर रामनगर वाराणसी से प्रकाशित व मीडियाटेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड आराजी संख्या 68, मौजा गोविंदपुर, जीटी रोड रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित। **आरएनआई नम्बर** : UPBIL05106 । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
सम्पर्क : 9473893322
7309842122 (विज्ञापन)

डेढ़ माह बाद भी अधिवक्ता को नहीं मिला न्याय

वाराणसी। डेढ़ माह पूर्व कैंट थाना क्षेत्र के पांडेयपुर पहड़िया इलाके में एक अधिवक्ता को मारपीट कर घायल करने वाले अभियुक्त खुले आम घूम रहे हैं, अभियुक्तों की गिरफ्तारी ना होने से अधिवक्ता में रोष है। प्रशान्त सिंह पुत्र स्व. भोला नाथ सिंह निवासी मकान श्रीनगर कालोनी, अकथा, पहड़िया ने उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगायी है। बताया कि 18 जनवरी की शाम उनके पड़ोसी मदन बालमुकुन्द लाल अग्रहरी व उनके परिवार के अन्य सदस्य 10 से 15 व्यक्तियों के साथ गिरोहबन्द होकर उनके घर में घुसकर ना सिर्फ पिस्टल से डराया बल्कि उनके साथ मारपीट भी की। अभियुक्तों के विरूद्ध थाना सारनाथ में एफआईआर भी कराया गया फिर भी अभी तक किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं हो सकी। बताया कि जांच अकािरी के रुप में सब इंस्पेक्टर दुर्गेश सिंह हैं, घटना का प्रमुख साक्ष्य सी.सी.टी.वी. फुटेज भी है बावजूद इसके अभी भी अभियुक्त खुले आम घूम रहें हैं। जिससे पीड़ित के परिजन भी किसी बड़ी घटना के आशंका में अभी भी डरे सहमें हैं। पीड़ित अधिवक्ता ने बताया कि अभियुक्तों का टेन्ट व कैटरीन का व्यवसाय है।

वसंत महिला कॉलेज में पीस लव एण्ड हीलिंग कार्यक्रम

वाराणसी। राजघाट स्थित वसंत महिला महाविद्यालय कृष्णमूर्ति फाउंडेशन परिसर में उर्दू विभाग एवं पीस इंस्टीट्यूट ऑफ सुफिज्म जर्मनी के संयुक्त बैनर तले पीस, लव एण्ड हीलिंग विषयक कार्यकम का आयोजन किया गया। वर्ल्ड पीस इंस्टीट्यूट ऑफ सुफिज्म-जर्मनी के सूफी मास्टर शेख इसरफ इफंदी ने कहा कि खुदा (परमतत्व) ने समस्त संसार की सृष्टि की और अंततः प्रलयकाल मे उसी में विलीन हो जाना है। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के प्रेम, एकता व शांति के साथ रहने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि का स्वागत प्राचार्या प्रो. अलका सिंह ने किया। अतिथि का परिचय डॉ. तमन्ना शाहीन ने दिया। संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. लईक अहमद ने किया। कार्यक्रम में प्रो. रंजना सेठ?, प्रो. सीमा श्रीवास्तव, प्रो. विभा जोशी, प्रो. कल्पना अग्रवाल, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. आशा पांडे, प्रो. परवीन सुल्ताना, प्रो. सुजाता साहा, प्रो. अर्चना तिवारी, प्रो. मंजरी झुनझुनवाला, डॉ. अंजना सिंह, डॉ. हनुमान आदि रहे।

पर्ल कल्चर से बढ़ाएं आय

वाराणसी। तालाबों में मोती का उत्पादन कर किसान अतिरिक्त रूप में अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके लिए तकनीकी जानकारी आवश्यक है। उप निदेशक मत्स्य कार्यालय परिसर में मछली पालन से जुड़ी सहकारी समितियों और कृषि उत्पादक संगठनों यानि एफपीओ के लिए आयोजित मंडल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में यह जानकारी दी गयी। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त विकास शिव कुमार की मुख्य उपस्थिति रही। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ अशोक मनवानी ने पर्ल कल्चर की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सीप से मोती निकालने का प्रदर्शन भी किया। सेवापुरी के एफपीओ नमामि गंगे के चेयरमैन केएन सिंह ने अपने संगठन के बारे में बताया। साथ ही मछली उत्पादन में बढ़ोतरी करने के तरीकों के विषय में जानकारी दी। आयोजन के दौरान मत्स्यजीवी सहकारी समितियों एवं कृषक उत्पादन संगठनों की भूमिका पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में चंदौली के उप निदेशक मत्स्य अनिल कुमार, संयुक्त आयुक्त एवं निबंधक सहकारी समितियां रवींद्र प्रसाद, गाजीपुर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सपना पुरी, वाराणसी के सहायक निदेशक मत्स्य दीपांशु, ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक श्वेता सिंह आदि की प्रमुख उपस्थिति रही।